अधिकतम : 28° C
न्यूनतम : 24° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, शुक्रवार 1 अगस्त 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 341 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

श्रावण शुक्ल पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082

6 सफर 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

स्कूलों के विलय पर योगी सरकार का यूटर्न

पेज 2

ओवल टेस्ट: गिल ने तोड़ा गावस्कर का रिकॉर्ड

खेल टाइम्स

सियाम की परछाइयां: मंदिर, युद्ध और वैश्विक शतरंज

सम्पादकीय

हो सकता है, भारत को तेल बेचे पाक: ट्रम्प

पेज 12

मालेगांव विस्फोट मामले में साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपी बरी

मुंबई, वार्ता

सितम्बर 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में गुरुवार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। इस विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश एके लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और की गई जांच में कई खामियां बताईं। उन्होंने कहा कि आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। विस्फोट के सभी छह पीड़ितों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और सभी घायलों को 50-50 रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। पीड़ित परिवारों के वकील एडवोकेट शाहिद नदीम ने कहा कि बम विस्फोट की पुष्टि कोर्ट ने कर दी है। हम इस बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। हम स्वतंत्र रूप से अपील दायर करेंगे। 29 सितम्बर 2008 को मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। अदालत ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता। अदालत केवल धारणा और नैतिक -शेष पृष्ठ दो पर

- एनआईए कोर्ट का फैसला, विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे, कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं
- फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे पीड़ित परिवारों के वकील

लैंडस्लाइड से केदारनाथ यात्रा रुकी गाजियाबाद में सोसाइटी का बेसमेंट धंसा

नई दिल्ली। यूपी के गाजियाबाद में रात भर की बारिश में पूरा शहर जलमग्न हो गया।

2500 लोग फंसे

क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास सुशांत एक्वापोलिस सोसाइटी का बेसमेंट करीब 15 फीट धंस गया। बेसमेंट में खड़ी 4 गाड़ियां मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गईं।

दूसरी तरफ, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मुनकटिया के पास बुधवार को लैंडस्लाइड हुई। इससे केदारनाथ जाने वाला पैदल रास्ता बंद हो गया, यात्रा 4 दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सड़क के अचानक बंद होने से गौरीकुंड में लगभग 2,500 तीर्थयात्री फंस गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में मध्यम बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अगले दो दिन के दौरान हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार लोनी देहात, हिंडन वायुसेना स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छपरौला, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और बल्लभगढ़ के इलाकों में बारिश का अनुमान है। सुबह न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा और दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। पिछले कई दिनों में राजधानी में हुई भारी बारिश से दिल्लीवासियों को अनेक स्थानों पर जलभराव और यातायात जाम की समस्या का सामना करना पड़ा।

लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले को लेकर गुरुवार कौ भारी हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दो बार के स्थगन के बाद चार बजे तीसरी बार जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, विपक्षी दलों के सदस्य हंगामा और नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए। हंगामे के बीच ही वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी टैरिफ पर संसद में बयान दिया और कहा कि भारत और अमेरिका के बीच वार्ता जारी है, लेकिन भारत अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करेगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर आठ करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई। मुंबई कस्टम डिपार्टमेंट के एविएशन अधिकारियों ने 8 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की है। यह कार्रवाई 29 और 30 जुलाई को हुई। इसमें 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कस्टम ऑफिसर ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आई फ्लाइट नंबर वीजी-760 से तीन संदिग्ध पैसेंजर्स को रोका था। इनके सामान की जांच के दौरान 1. 990 किग्रा गांजा मिला, जिसकी बाजार में करीब 2 करोड़ रुपये की कीमत है। मुंबई एयरपोर्ट के ही एक दूसरे मामले में बैंकॉक की फ्लाइट नंबर 6ई1060 से एक पैसेंजर के पास 6.22किग्रा गांजा बरामद किया। इसकी बाजार कीमत 6 करोड़ रुपये है।

सेना उप प्रमुख सुब्रमणि सेवानिवृत

नई दिल्ली। सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि 39 वर्ष की उल्लेखनीय सेवा के बाद गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए। सेना में उनकी विशिष्ट यात्रा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से शुरू हुई और दिसम्बर 1985 में उन्हें गढ़वाल राइफल्स में कमीशन दिया गया। असाधारण शैक्षणिक क्षमता वाले अधिकारी के रूप में उन्होंने किंग्स कॉलेज, लंदन से स्नातकोत्तर की डिग्री और मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में एम.फिल की डिग्री प्राप्त की।

बचकानी हठ पर उतरे ट्रम्प, टैरिफ की जिद के साथ बोले- 'भारत-रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें'

वाशिंगटन, वार्ता

भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया। उन्होंने कहा कि भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। एक दिन पहले ट्रम्प ने भारत पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। अभी अमेरिका की तरफ से भारतीय सामानों पर औसतन करीब 10 प्रतिशत टैरिफ लगता है। इसके बढ़ने से अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान के दाम बहुत बढ़ जाएंगे।

डेड इकोनॉमी उस स्थिति को कहते हैं जब किसी देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या बिल्कुल सुस्त पड़ जाए। इसमें व्यापार, उत्पादन, नौकरियां और लोगों की कमाई लगभग रुक सी जाती है। विकास रुक जाता है और लोग आर्थिक तंगी में फंस जाते हैं। डेड इकोनॉमी कोई आधिकारिक आर्थिक टर्म नहीं है। ये एक बोलचाल का शब्द है, इसलिए इसे मापने का कोई सटीक पैमाना भी नहीं है। हालांकि इसे समझने के लिए कुछ आर्थिक संकेतकों का इस्तेमाल किया जा सकता है-जैसे जीडीपी, महंगाई, बेरोजगारी दर और व्यापार घाटा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर 30 जुलाई को ऐलान किया कि भारतीय सामानों पर अमेरिका में 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। रूस से व्यापार के चलते भारत पर टैरिफ के अलावा पेनल्टी भी लगेगी। हालांकि ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि पेनल्टी कितनी होगी। उन्होंने कहा कि 25 प्रतिशत टैरिफ और पेनल्टी दोनों 1 अगस्त, 2025 से लागू होंगे। ट्रम्प के 29 जुलाई को किए गए सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा था कि भारत हमारा दोस्त है, लेकिन हमने पिछले कई सालों में उनके साथ ज्यादा कारोबार नहीं किया, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं, शायद दुनिया में सबसे ज्यादा।

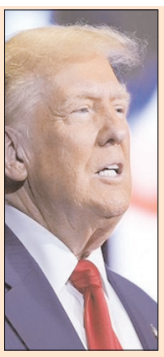

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने इंडिया को डेड इकोनॉमी बताया
- कहा: मुझे क्या, आज से 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा

ट्रम्प ने सही कहा इंडियन इकोनॉमी मर चुकी: राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडानी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है।

- इकोनॉमी को पीएम मोदी ने मारा, ये बात पीएम और वित्त मंत्री को छोड़कर सबको पता है

सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को संसद में कहा कि भारत के निर्यात पर सीमा शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ताजा घोषणाओं की सरकार समीक्षा कर रही है और वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। श्री गोयल ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार के संबंध में राष्ट्रपति ट्रम्प की घोषणाओं पर राज्य सभा में स्वत: दिए गए एक वक्तव्य में कहा कि सरकार अपने देश के किसानों, मजदूरों और सूक्ष्म, लघु तथा मझोले उद्यमों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी दोस्त बनाते हैं, बदले में क्या मिला, टैरिफ मुद्दे पर पीएम जवाब दें: प्रियंका

नई दिल्ली। संसद मानसून सत्र के 9वें दिन बिहार वोटर वेरिफिकेशन और अमेरिका के टैरिफ लगाने वाले मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। लोकसभा और राज्यसभा 3-3 बार स्थगित हुईं। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को भारत पर 1 अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इस पर विपक्ष ने सदन और संसद के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ पर जो कहा उसे सबने देखा है। प्रधानमंत्री मोदी हर जगह जाते हैं, दोस्त बनाते हैं और फिर हमें बदले में यही मिलता है।

पनीरसेल्वम ने राजग को कहा अलविदा

चेन्नई। तमिलनाडु में आसन्न विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा नीत गठबंधन को गुरुवार को उस समय झटका लगा, जब ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के पूर्व नेता और तीन बार मुख्यमंत्री रहे ओ पनीरसेल्वम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग हो गए। श्री पनीरसेल्वम का राजग छोड़ने का फैसला ऐसे समय में आया है, जब पिछले सप्ताह राज्य के दौरे पर आए पीएम मोदी ने उन्हें मिलने के लिए कथित तौर पर समय नहीं दिया। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के सहयोगी के रूप में रामनाथपुरम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। श्री पनीरसेल्वम ने राजग छोड़ना उन खबरों की पृष्ठभूमि में आया है, जिनमें कहा गया था कि वह अभिनेता-राजनेता विजय की उभरती हुई तमिलझगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन कर सकते हैं। इससे पहले, हालांकि दिन में श्री पनीरसेल्वम की सुबह की नियमित सैर के दौरान मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एमके स्टालिन से मुलाकात हुई थी।

भारत-अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी की मजबूती को प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि पीएम मोदी ने बुधवार देर रात संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से टेलीफोन पर बात की। दोनों नेताओं ने भारत और अमीरात के बीच द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने प्रतिबद्धता दोहराते हुए द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति का सकारात्मक मूल्यांकन किया।

- पीएम मोदी ने शेख मोहम्मद बिन जायद से की फोन पर बात

किसान संपदा का बजट 6,520 करोड़ हुआ

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना-(पीएमकेएसवाई) के लिए 1920 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कुल 6520 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है।

सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की यहां हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि आज 15वें वित्त आयोग 2021-22 से 2025-26 की अवधि में चल रही पीएमकेएसवाई के लिए 1920 करोड़ रुपये के अतिरिक्त परिव्यय के साथ ही इस अवधि के लिए कुल 6520 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी गई है।

सरकार ने दी रेलवे की 11,169 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने देश भर में आवागमन एवं माल परिवहन के बुनियादी ढांचे के विस्तार को गति देने के लिए गुरुवार को छह राज्यों में विभिन्न रेल खंडों पर अतिरिक्त लाइनों के निर्माण के लिए कुल 11,169 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी।

तेलंगाना में दलबदलू विधायकों को SC का अल्टीमेटम

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना में दलबदल करने वाले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों की अयोग्यता पर तेजी से निर्णय लेने का निर्देश विधानसभा अध्यक्ष को दिया है।

कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह फैसला तीन महीने के भीतर हो जाना चाहिए, वरना लोकतंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। कोर्ट का यह आदेश तब आया है जब कांग्रेस में शामिल हुए 10 बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर सात महीने बाद भी कोई फैसला नहीं हुआ। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यदि स्पीकर समय पर कार्रवाई नहीं करते तो यह 'ऑपरेशन सफल, मरीज मृत' वाली स्थिति होगी। कोर्ट ने कहा कि यह मामला 10वीं अनुसूची से जुड़ा है, जिसमें दलबदल की स्थिति में स्पीकर को त्वरित फैसला लेना होता है। कोर्ट ने स्पीकर से कहा कि वे विधायकों को

- अदालत ने विधायकों की अयोग्यता पर तेजी से निर्णय लेने का निर्देश विधानसभा अध्यक्ष को दिया

प्रक्रिया में देरी नहीं करने दें और यदि ऐसा होता है, तो उनके खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष निकाल सकते हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राजनीतिक दलबदल देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा हैं। अगर इसे रोका नहीं गया तो यह पूरी प्रणाली को अस्थिर कर सकता है। कोर्ट ने संसद से भी आग्रह किया कि वह विचार करे कि क्या दलबदल मामलों में स्पीकर को ही निर्णय देने का मौजूदा तंत्र उचित है या इसमें बदलाव की जरूरत है।

कबूतरों को दाना चुगाने पर बॉम्बे हाईकोर्ट की रोक

मुंबई, वार्ता

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि कबूतरों के झुंड को दाना डालना सार्वजनिक रूप से परेशानी पैदा करने वाला है। यह मुद्दा जन स्वास्थ्य से जुड़ा है और सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर और संभावित खतरा है।

जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरिफ डाक्टर की बेंच ने पशु प्रेमियों की दायर याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने मुंबई नगर निगम को दाना डालने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा कोर्ट ने बीएमसी को शहर के कबूतरखानों में कबूतरों के जमावड़े को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने और कड़े उपाय लागू करने का निर्देश भी दिया। दरअसल, 3 जुलाई को इसी मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बीएमसी को किसी भी पुराने विरासती कबूतरखाने को ध्वस्त करने से रोक दिया था, लेकिन कहा था कि दाना डालने की अनुमति नहीं दे सकती। पल्लवी पाटिल, स्नेहा विसारिया और सविता महाजन ने याचिका में दावा किया था कि बीएमसी का यह काम पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन करता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अनुमति न मिलने के बावजूद लोग कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालना जारी रखे हुए हैं। अब यह स्थिति और भी जटिल हो गई है, क्योंकि पिछले आदेश में याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। नगर निगम के अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका जा रहा है। कानून की अवहेलना की जा रही है। हम बीएमसी को ऐसे किसी भी व्यक्ति और समूहों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देते हैं।

- कहा: यह सेहत के लिए भी खतरा
- बीएमसी को दाना डालने वालों पर एफआईआर करने की परमिशन दी

संक्षिप्त समाचार

मोदी-ट्रम्प दोस्ती का खामियाजा देश भुगत रहा: अजय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25 परसेंट टैरिफ लगाने की कड़ी निदा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोस्ती का खामियाजा देश भुगत रहा है। राय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ ठोक दिया, साथ ही पेनल्टी भी लगा दी। नरेंद्र मोदी की 'दोस्ती' का खामियाजा देश भुगत रहा है। पीएम मोदी ने ट्रम्प का प्रचार किया और लपक-लपककर गले मिले। फोटो खिचवाकर सोशल मीडिया में ट्रेंड कराया था। आखिर में ट्रम्प ने भारत पर टैरिफ ठोक दिया। भारत की विदेश नीति पूरी तरह फेल हो चुकी है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का समय बढ़ाने की गुजारिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की तिथि को 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त तक करने की मांग की है, ताकि अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके। शाही ने बताया कि उन्होंने नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट कर उत्तर प्रदेश के किसानों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसलों के बीमा की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त करने का आग्रह किया, ताकि अधिका.धिक किसान इसका लाभ ले सकें। कृषि मंत्री ने बताया कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कीटनाशकों के स्थान पर जैव कीटनाशकों को प्रोत्साहित करने पर विस्तार से चर्चा की।

करोड़ों सनातनियों से माफी मांगे कांग्रेस: योगी

मुख्यमंत्री ने माले गांव विस्फोट में सभी आरोपियों के बरी होने पर दी प्रतिक्रिया

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माले गांव विस्फोट में सभी आरोपियों के बरी होने के बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए माफी मांगने की मांग की है।

■ जनप्रतिनिधियों एवं शहीदों के गांवों की सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता मिले

योगी ने गुरुवार को अपने ट्वीट में लिखा- मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरो.पियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की सजीव उद्घोषणा है। यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुन: उजागर करता है, जिसने 'भगवा आतंकवाद' जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलं.कत करने का अपराध किया है। कांग्रेस को अपने अक्षम्य कुकृत्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए देश से माफी मांगनी चाहिए।

महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए स्पेशल कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा समेत सातों आरो.पियों को बरी कर दिया है। इस केस में सात मुख्य आरोपी थे। इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरो.हत, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल थे। वहीं मुख्यमंत्री योगी लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा है कि जनप्रतिनिधियों एवं शहीदों के गांवों की सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता पर रखें। योगी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सड़क, दीर्घ सेतु, लघु सेतु, आरओबी और आरयूबी, धर्मार्थ स्थलों की सड़कें, फ्लाईओवर निर्माण से सम्बन्धित प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए वरीयताक्रम के आधार पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

गुलामी के युग में भी भक्ति और शक्ति से तुलसीदास ने जाग्रत रखी जनचेतना

चित्रकूट। धार्मिक नगरी चित्रकूट में संत तुलसीदास के जयंती समारोह (तुलसी जयंती) में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 500 वर्ष पूर्व जब इस गांव की स्थिति शायद साधनों के अभाव और कठिनाइयों से ग्रस्त रही होगी, ऐसे समय में एक दिव्य आत्मा ने जन्म लिया और बाल्यावस्था में ही प्रभु श्रीराम के चरणों में स्वयं को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि उस कालखंड में जब अकबर का साम्राज्य विस्तार पर था और दरबार में जगह पाने की होड़ थी, तब तुलसीदास जी ने रामबोला के रूप में खुद को किसी दरबारी की सेवा में नहीं बल्कि केवल प्रभु श्रीराम की भक्ति में समर्पित किया।

ट्रम्प की चुनौती को आत्मनिर्भरता में तब्दील करे मोदी सरकार: मायावती

लखनऊ, वार्ता

आयात शुल्क पर अमेरिका द्वारा 25 फीसदी की बढ़ोतरी को देश की अर्थव्यवस्था के लिए नयी चुनौती बताते हुए बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने उम्मीद जाहिर की कि केन्द्र सरकार इस चुनौती को आत्मनिर्भरता में तब्दील करने में सफल होगी और राष्ट्र हित से कोई समझौता नहीं करेगी।

सुश्री मायावती ने एक्स पर लिखा- मित्र देश बताने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय आयात पर कल दिनांक 1 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क तथा रूस से तेल आयात करने पर पेनाल्टी लगाने की भी नई उभरी चुनौती को केन्द्र सरकार इसे अवसर एवं आत्मनिर्भरता में बदलकर देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं होने देगी, तथा इसको लेकर देश को दिए गए इस आश्वासन पर कि किसान, छोटे व मंझोले उद्योग और राष्ट्रहित से कोई समझौता नहीं करेगी, इस पर सरकार खरी उतरकर दिखाएगी भी, ऐसी देश को आशा। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला अधिकतर ग़रीबों और मेहनतकश लोगों का देश है, जिसे हर हाथ को काम देने वाली श्रम शक्ति के बल पर देश को आगे बढ़ाने की नीति बनाकर उस पर सही से अमल किया जाए, तो देश निश्चय ही आत्मनिर्भरता के साथ-साथ 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' वाला सुखी व सम्पन्न देश बन सकता है, जिसमें ही संविधान के मानवतावादी एवं कल्याणकारी उद्देश्य के हिसाब से जन व देशहित पूरी तरह से निहित है व यह सुरक्षित भी रह सकता है। गौरतलब है कि अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है और रूस से सैन्य उपकरण तथा तेल खरीदने पर जुर्माना लगाने की बात भी कही है।

विदेश नीति व्यक्तिगत संबंधों पर नहीं होनी चाहिए: सैलजा

चंडीगढ़, वार्ता

कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ और दंडात्मक शुल्क पर कहा कि आज एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि भाजपा सरकार की तथाकथित 'व्यक्तिगत कूटनीति' और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मौन रहकर सम्मान पाने की रणनीति पूरी तरह विफल रही है।

■ अमेरिका भारत पर व्यापारिक मोर्चे पर दबाव बनाएगा

सांसद सैलजा ने गुरुवार को कहा कि भारत की चुप्पी ऐसे ही रही, तो आने वाले समय में अमे.रिका भारत पर व्यापारिक मोर्चे पर दबाव बनाएगा। हमारी विदेश नीति व्यक्तिगत संबंधों पर नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और राष्ट्रीय हितों पर आधारित होनी चाहिए। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि कांग्रेस स्पष्ट करना चाहती है कि राष्ट्रहित केवल विदेशी नेताओं के साथ मंच साझा करने या भव्य शोभायात्राओं से सुरक्षित नहीं होता, बल्कि एक निडर, संतुलित और दूरदर्शी विदेश नीति से ही हमारे हित सुरक्षित हो सकते हैं। यह वही नीति है जिसे भारत ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व में दृढ़ता के साथ अपनाया था, जब भारत ने न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि विश्व मंच पर सम्मान भी अर्जित किया।

मर्जर का काम एक सप्ताह में कर लिया जाना है पूरा

स्कूलों के विलय पर योगी सरकार का यू टर्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि एक किमी से अधिक दूरी वाले विद्यालयों का विलय नही होगा, वहीं जिन उच्च प्राथमिक स्कूलों की दूरी तीन किमी से अधिक होगी, उनका भी विलय नही होगा।

■ एक किमी से ज्यादा दूरी वाले और 50 से ज्यादा विद्यार्थियों वाले स्कूलों का नहीं होगा विलय

सिंह ने गुरुवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इसके साथ ही जिन स्कूलों में छात्रों की संख्या 50 या इससे अधिक है, उनका भी विलय नही होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश में अति न्यून संख्या वाले विद्यालयों की निकटस्थ विद्यालयों के साथ ही पेयरिग की जा रही है। एक सप्ताह में मर्जर का काम पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अफवाह फैलाई जा रही है कि बच्चों की शिक्षा को सरकार खत्म कर रही है, यह ग़लत है। विद्यालयों की पेयरिग उत्तर प्रदेश नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिक.ार नियमावली-2011 (यथा संशोधित 2017) के अनुसार प्राथमिक विद्यालयों की पेयरिग आबादी से 1 किमी की दूरी के अन्तर्गत तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों की पेयरिग आबादी से 3 किमी के अन्तर्गत किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यालयों की पेयरिग करते समय यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि छात्र-छात्राओं की विद्यालय तक सुगम पहुंच को अवश्य ध्यान में रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विद्यालय तक पहुंचने में किसी प्रकार का अवरोध यथा-रेलवे कॉसिंग, नदी-नाले, हाई-वे आदि संबंधी प्रतिकूल स्थिति न हो। मंत्री ने कहा कि पेयरिंग का उद्देश्य बच्चों के उन्नत भविष्य के लिए बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। कोई भी विद्यालय बंद नहीं किया जा रहा है। उक्त के दृष्टिगत विद्यालयों का यू-डायस कोड भी यथावत रखा गया है। यदि किसी जिले में पेयरिग के संबंध में विसंगति की स्थिति है, तो इसे दूर किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में निरन्तर समीक्षा की जा रही है तथा छात्र हित में आवश्यकतानुसार पूर्व विद्यालय में पुन: संचालन के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही शिक्षकों एवं रसोईयों के पद कम अथवा समाप्त नहीं किए जा रहे हैं। पेयरिग का उद्देश्य यह भी है कि 50 तक के छात्र नामांकन वाले विद्यालयों में 3 शिक्षक (शिक्षामित्र सहित) की तैनाती सुनिश्चित करायी जा रही है, जिससे कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो सके।

बीएचयू के नए कुलपति बने प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के नए कुल.पति के रूप में प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी की नियुक्ति की गई है। उपसचिव श्रेया भारद्वाज द्वारा इस संबंध में एक पत्र जारी किया गया है। नई दिल्ली के शास्त्री भवन से बीएचयू के रजिस्ट्रार को नियुक्ति से संबंधित जानकारी प्रेषित की गई है। प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी वर्तमान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिग विभाग में अपनी सेवाएंदे रहे हैं। वे इससे पहले आईआईटी रुड़की के निदेशक भी रह चुके हैं।

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स	80695.15
निफ्टी	24768.35
सोना रु. (प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट))	100502
चांदी रु. (प्रति किलो)	115500

शेयर बाजारों में गिरावट, निफ्टी 24800 अंक से नीचे उतरा

मुंबई, वार्ता

अमेरिका के भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली हावी रही, हालांकि रुपए में आई मजबूती ने बाजार को ज्यादा नहीं गिरने दिया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 296.28 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 81,185.58 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 86.70 अंक (0.35 प्रतिशत) नीचे 24,768.35 अंक पर रहा। लगातार दो दिन की तेजी के बाद बाजार में गिरावट आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क और रूस से सैन्य उपकरण और तेल खरीदने के कारण

जुर्माना लगाने की घोषणा की थी। इसके बाद सुबह शेयर बाजारों में बिकवाली शुरू हो गई। सेंसेक्स 786.36 अंक लुढ़ककर 80,695.50 अंक पर खुला और नीचे 80,695.15 अंक तक उतर गया। एफएमसीजी कंपनियों हिदुस्तान यूनिलि.वर और आईटीसी के साथ इटरनल कोटक महिद्रा बैंक और आईसीआईसी आई बैंकों के शेयरों में लिवाली से संसेक्स इससे ज्यादा नहीं टूटा। दोपहर बाद यह हरे निशान में भी गया, लेकिन आखिरी घंटे में मुनाफा वसूली से फिर तेजी से गिरा। बुधवार की तुलना में 300 अंक से अधक चढ़कर एक समय यह 81,803.27 अंक पर भी पहुंच गया था।

अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुपए में सात दिन बाद लौटी तेजी से बाजार की गिरावट सीमित रही। सेंसेक्स में हिदुस्तान यूनिलिवर का शेयर 3.48 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। इटरनल में 1.40 प्रतिशत और आईटीसी में 1.01 प्रतिशत की तेजी रही। टाटा स्टील में 2.20 फीसदी की गिरावट रही। सनफार्मा का शेयर 1.69 फीसदी, अडानी पोर्ट्स का 1.50 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.39 प्रतिशत की गिरावट में रहा। निफ्टी-50 भी पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 212.80 अंक नीचे 24,642.25 अंक पर खुला। इसका दिन का निचला स्तर 24,642.25 अंक रहा, जबकि ऊपर यह 24,956.50 अंक तक मजबूत हुआ।

आईसीएआई ने विवादों का त्वरित समाधान करेगा अंतर्राष्ट्रीय एडीआर केंद्र

नई दिल्ली। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (आईसीएआई) ने विवादों के त्वरित समाधान के लिए आईसीएआई अंतर्राष्ट्रीय एडीआर केंद्र (आईआईएसी) की स्थापना की घोषणा की है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार शाम यहां उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) भारत में कोई बाहर से आयी हुई सोच नहीं है, भारतीय सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। आईसीएआई अंतर्राष्ट्रीय एडीआर केंद्र की शुरुआत के रूप में हम देश को त्वरित, न्यायपूर्ण और कम खर्चीले विवाद समाधान के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। आईसीएआई के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने कहा कि मौजूदा उभरती कारोबारी पारिस्थितिकी में प्रभावी विवाद समाधान कोई प्रक्रियात्मक औपचारिकता नहीं है, यह एक रणनीतिक आवश्यकता है और आईआईएसी का लक्ष्य विश्वसनीयता और दक्षता के साथ इन आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।

यूपी मार्ट पोर्टल से एमएसएमई सेक्टर को मिलेगी नई उड़ान

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को नई ऊर्जा देने की दिशा में एक और क्रांतिकारी कदम बढ़ाया है। उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए अब मशीनरी की तलाश और सही सेवा प्रदाताओं तक पहुंच बनाना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहेगा।

सरकार ने इसके लिए 'यूपी मार्ट पोर्टल' विकसित किया है, जो एक समर्पित और बहुउद्देशीय प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवा कॉन्क्लेव का उद्घाटन करने के साथ ही यूपी मार्ट पोर्टल की भी शुरुआत की। इसका उद्देश्य स्टार्टअप्स के लिए आवश्यक उपकरणों तक पहुंच को आसान बनाना है। सीएम युवा योजना के नोडल अधिकारी और ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला के अनुसार इस पोर्टल पर राज्य भर के मशीनरी सप्लायर, फ्रेंचाइज़ी ओनर, सर्विस प्रोवाइडर और तकनीकी विशेषज्ञ एकत्रित होंगे। कोई भी उद्यमी यहां लॉग-इन करके अपने व्यवसाय की जरूरत के अनुसार मशीनरी की खोज कर सकेगा और ऑनलाइन संपर्क एवं कोटेशन प्राप्त कर सकेगा। उन्होंने बताया कि यूपी मार्ट पोर्टल का उद्देश्य उद्यमियों के समय, श्रम और संसाधनों की बचत करना है। इससे 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को भी बढ़ावा मिलेगा और राज्य में उद्योगों की स्थापना की रफ्तार तेज होगी। सरकार का यह डिजिटल नवाचार राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करेगा और प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा को नई दिशा देगा। राज्य के मशीनरी आपूर्तिकर्ताओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। वे पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कर, प्रदेश भर के ग्राहकों तक अपनी पहुंच बना सकेंगे। इससे उनका व्यापार बढ़ेगा और एमएसएमई सेक्टर में मांग और आपूर्ति का संतुलन बेहतर होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मालेगांव...

साक्ष्य के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहरा सकती। इसके लिए ठोस सबूत होना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने साबित किया कि मालेगांव में विस्फोट हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं कर पाया कि उस मोटरसाइकिल में बम रखा गया था। अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि घायलों की संख्या 101 नहीं, बल्कि केवल 95 थी। कुछ मेडिकल प्रमाणपत्रों में भी हेराफेरी की गई थी। कोर्ट ने कहा कि श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। पंचनामा करते समय जांच अधिकारी की ओर से घटनास्थल का कोई स्केच नहीं बनाया गया था। घटनास्थल से कोई फिंगरप्रिंट, डंप डेटा या अन्य कोई जानकारी एकत्र नहीं की गई थी। नमूने गड़बड़ थे, इसलिए रिपोर्ट निर्णायक और विश्वसनीय नहीं हो सकी। विस्फोट में कथित रूप से शामिल बाइक का चेसिस नंबर स्पष्ट नहीं था। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में यूएपीए लागू नहीं किया जाएगा, क्योंकि नियमों के अनुसार मंजूरी नहीं ली गई थी। इस मामले में यूएपीए के दोनों मंजूरी आदेश दोषपूर्ण हैं। अभियोजन पक्ष ने अभिनव भारत संगठन को एक सामान्य संदर्भ के रूप में इस्तेमाल किया था। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि अभिनव भारत के धन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया गया था। हमने एडीजी एटीएस को आरोपी सुधाकर चतुर्वेदी के घर में विस्फोटक रखने के मामले की जांच शुरू करने का आदेश दिया है। इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवा. निवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। अभियोजन पक्ष का दावा था कि स्थानीय मुस्लिम समुदाय को आतंकित करने के इरादे से दक्षिणपंथी चरमपंथियों ने विस्फोट की योजना बनाई थी। फैसले के बाद साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि मैंने शुरू से ही कहा था कि जिन्हें भी जांच के लिए बुलाया जाता है, उनके पीछे कोई न कोई आधार जरूर होना चाहिए। मुझे जांच के लिए बुलाया गया और मुझे गिरफ्तार करके प्रताड़ित किया गया। इससे मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया। मैं एक साधु का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझ पर आरोप लगाए गए और कोई भी हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। मैं जिंदा हूं, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। उन्होंने एक साजिश के तहत भगवा को बदनाम किया। आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है और ईश्वर दोषियों को सजा देगा। हालांकि, भारत और भगवा को बदनाम करने वालों को आपने गलत साबित नहीं किया। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित ने कहा कि मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे उसी दृढ़ विश्वास के साथ अपने देश और अपने संगठन की सेवा करने का मौका दिया, जैसा मैं इस मामले में फंसने से पहले कर रहा था। मैं इसके लिए किसी भी संगठन को दोष नहीं देता। जांच एजेंसियों जैसे संगठन गलत नहीं हैं, बल्कि संगठनों के अंदर के लोग ही गलत कर रहे हैं। मैं आपको व्यवस्था में आम आदमी का विश्वास फिर से बहाल करने के लिए धन्यवाद देता हूं।

पर्यावरण की अलख जगाने के लिए राजभवन कर्मियों की साइकिल यात्रा

लखनऊ, वार्ता

धरती को हरा भरा रखने के संकल्प के साथ राजभवन के कर्मचारियों ने बाराबंकी जिले तक 110 किमी साइकिल चलाई और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण का महत्व समझाया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से राजभवन से बाराबंकी जिले के लिए 30 जुलाई से शुरू हुई 'एक पेड़ मां के नाम 2-0' साइकिल रैली दो दिनों में लगभग 110 किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर आज राजभवन में आकर समाप्त हुई। राजभवन के अधिकारियों व कर्मचारियों की यह साइकिल रैली लखनऊ से प्रारंभ होकर बाराबंकी जिले के देवा व बंकी होते हुए आज दूसरे दिन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, हरख पहुंची। विद्यालय की प्रभारी साधना सिंह के साथ शिक्षा विभाग और प्रशासन के अधिकारी एवं विद्यालय के विद्यार्थियों ने रैली दल का पारंपरिक स्वागत किया तथा पौधरोपण, स्वच्छता एवं संवाद सत्र में भाग लिया। इस दौरान तीन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कुल 600 पौधों का सामूहिक वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, छात्राओं से संवाद और हस्ताक्षर जागरूकता

अभियान आयोजित किया गया। विद्यालय परिसरों में नीम, जामुन, मौलश्री, सहजन, छितवन, बॉटल ब्रश, अमरूद आदि प्रकार के पौधे लगाए गए। राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यालय की छात्राओं से उनके कक्षाओं में जाकर संवाद किया। छात्राओं के अनुशासन, शिक्षामें रुचि और आत्मविश्वास की सराहना की गई। अधिकारियों ने बालिकाओं को जीवन में आगे बढ़ने, पर्यावरण संरक्षण करने तथा स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विद्यालयों में पर्यावरण, स्वच्छता और शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें छात्राओं, शिक्षकों एवं अधिका.रियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नव-निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

राज्य में बनेंगे एकीकृत पंचायत भवन: धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में पंचायती राज विभाग की बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि नव-निर्वाचित ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं जिला पंचायत सदस्यों को आधुनिक तकनीकी, वित्तीय प्रबंधन और शासन प्रणाली पर प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में सबको समेकित प्रयास करने होंगे। गांवों के विकास से ही प्रदेश और देश का विकास संभव है।

■ 15 वर्षों में ग्रामीण क्षेत्र के शहरी क्षेत्र में परिवर्तित होने का होगा आकलन

मुख्यमंत्री ने राज्य में 'एकीकृत पंचायत भवनों' का निर्माण कराने के निर्देश दिए। इन एकीकृत पंचायत भवनों में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, पटवारी, आशा आदि के लिए एक स्थान पर ही व्यवस्था होगी। इनके वहां एक साथ बैठने के लिए रोस्टर भी बनाया जाए। इससे लोगों को सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों एवं जिला पंचायतों में बजट नियोजन को और बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पंचायतीराज विभाग यह भी आकलन करे कि आगामी 15 वर्षों में कितना ग्रामीण क्षेत्र शहरी क्षेत्र में परिवर्तित होगा। यह आकलन राज्य के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम सभाओं के स्थापना दिवस उत्सव के रूप में मनाए जाने के लिए ग्राम वासियों से संवाद किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत स्तर पर सभी योजनाओं की रीयल टाइम मॉनिटरिंग हो।

इस अवसर पर अवस्थापना अनुश्रवण परिषद उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव चंद्रेश कुमार यादव, अपर सचिव बंशीधर तिवारी व निदेशक पंचायती राज सुश्री निधि यादव उपस्थित थे।

...अब बिना पंजीकरण नहीं होगा मसूरी का दीदार!

होटल मालिकों को करना होगा पर्यटकों का पंजीकरण

शाह टाइम्स संवाददता

देहरादून। अगर आप मसूरी के दिलकश नजारों और ठंडी वादियों में घूमने का सपना देख रहे हैं, तो जरा ध्यान दीजिए.... अब बिना पंजीकरण के 'क्वीन ऑफ हिल्स' यानी पहाड़ों की रानी मसूरी की सैर करना आसान नहीं होगा। 1 अगस्त से पर्यटन विभाग ने एक नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है, जिसके तहत मसूरी आने पर ऑनलाइन पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) कराना होगा।

याद रहे यह ऑनलाइन पंजीकरण पर्यटकों को नही, बलिक होटल और होमस्टे मालिकों को करना होगा। पर्यटन विभाग के उप निदेशक गंगवार ने बताया कि मसूरी आने वाले पर्यटकों की सही जानक.ारी रखने के लिये

पर्यटन विभाग के पोर्टल पर दर्ज करानी होगी जानकारी

देहरादून। पर्यटन विभाग के पोर्टल पर होटल और होमस्टे व्यवसायियों को अपने यहां आने वाले पर्यटकों के नाम, उम्र, कहा से आये है, कब तक मसूरी में रहेंगे और कितने लोग हैं, आदि का विवरण दर्ज करना अनिवार्य होगा।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के क्रम में पर्यटन विभाग ने एक रूपरेखा तैयार की है, जिसके तहत पर्यटकों का पंजीकरण करना होगा, जिसके लिये होटल और होमस्टे व्यवसायियों को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह अपने रजिस्ट्रर में पंजीकरण करने के बाद विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करे। खास बात ये है कि इस व्यवस्था से मसूरी में आने-जाने वाले लोगों का सटीक आंकड़ा मिल सकेगा, जिससे ट्रैफिक मैनेजमेंट, पार्किंग व्यवस्था और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलेगी।

पूरे राज्य में लागू हो सकता है मॉडल: गर्ब्याल

पर्यटन विभाग के सचिव धीराज गर्ब्याल ने बताया कि यह सिस्टम आने वाले समय में पूरे उत्तराखंड में लागू किया जा सकता है, खासकर उन जगहों पर जहां पर्यटकों का अत्यधिक दबाव रहता है। उनका साफ कहना है, हम किसी को मसूरी आने से रोक नहीं रहे, बस चाहते हैं कि पर्यटन सुव्यवस्थित और सतत विकास की राह पर आगे बढ़े। विभाग का मकसद है कि मसूरी में एक समय में कितने पर्यटक मौजूद हैं, इसका वास्तविक आकलन किया जा सके और निश्चित संख्या पार होने पर प्रवेश को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि ऐसे पर्यटक जो मसूरी से होकर चारधाम जा रहे हैं, या फिर यहां कुछ घंटे के लिए ही घूमने आए हैं, उनके लिए पंजीकरण जरूरी नही है।

महाराज ने केन्द्रीय पंचायतीराज मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने केन्द्रीय पंचायतीराज, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट कर राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत उत्तराखंड को 193.84 करोड़ की धनराशि दिये जाने पर उनका आभार जताया है।

प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने गुरुवार को केन्द्रीय पंचायतीराज, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर

शिष्टाचार भेंट कर राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान वर्ष 2025-26 के तहत कार्यकारी समिति (एसईसी) द्वारा सर्वसम्मति से 193.84 करोड़ धनराशि की कार्य योजना को केन्द्रीय कार्यकारी समिति (सीईसी) पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आहूत बैठक में लगभग शत-प्रतिशत रूप में सभी घटकों के साथ पारित किये जाने पर प्रदेश की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया है। पंचायतीराज मंत्री महाराज ने राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में विजयी जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कहा कि उक्त अनुमोदित कार्ययोजना से त्रिस्तरीय पंचायतों के नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों, रेखीय विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कराया जायेगा। इसके अलावा प्रति. निधियों के लिए अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम, पंचायत भवन विहिन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवनों का निर्माण, कम्प्यूटरीकरण, पंचायत लर्निंग सेण्टर का निर्माण आदि स्थापित किया जायेगा।

फर्जी राशन कार्ड धारकों पर होगी सख्त कार्रवाई: धामी

अन्त्योदय नि:शुल्क गैस रिफिल योजना के लाभार्थियों के खाते में जाएगा पैसा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री अन्त्योदय नि:शुल्क गैस रिफिल योजना के तहत लाभार्थियों को सिलेंडर भरने के लिए धनराशि डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। खाद्य विभाग इसके लिए व्यवस्था बनाएगा कि इस धनराशि का उपयोग लाभार्थी केवल सिलेंडर भरने के लिए ही

■ राज्य में 1 लाख 84 हजार अन्त्योदय कार्डधारक परिवार इस योजना से जुड़े

कर सके। राज्य में 1 लाख 84 हजार अन्त्योदय कार्डधारक परिवार इस योजना से जुड़े हैं, योजना का लाभ प्रदेश के लगभग 10 लाख लोग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि इस योजना का लाभ अन्त्योदय कार्डधारकों को शत-प्रतिशत मिले। मुख्यमंत्री अन्त्योदय नि:शुल्क गैस रिफिल योजना लागू करने वाला उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत सभी लाभार्थियों का डेटा अद्यतन किया जाए। वरिष्ठ नागरिकों व अन्य पात्र लोग बायोमैट्रिक कठिनाइयों के कारण राशन से वंचित न रहें, ऐसे सभी मामलों में ऑफलाइन प्रमाणीकरण या वैकल्पिक प्रणाली से राशन वितरण सुनिश्चित किया जाए। खाद्यान्न भंडारण की वर्तमान क्षमता और गोदामों की भौतिक स्थिति की समीक्षा कर संरक्षित और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन राशन कार्ड योजना को प्रभावी रूप से लागू किया जाए ताकि किसी भी स्थान से राशन प्राप्त करने में कोई बाधा न हो।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-पूर्ति पोर्टल पर रियल टाइम ट्रांजैक्शन डेटा की निगरानी सुनिश्चित की जाए। आधार सीडिंग एवं मोबाइल ओटीपी आधारित वितरण प्रणाली को सशक्त बनाया जाए। फर्जी राशन कार्ड की पहचान कर संबंधित पर कार्रवाई की जाए। लापरवाही या अनियमितता बरतने वाले डीलरों और अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए। हर माह समय पर सभी कार्डधारकों को संपूर्ण राशन उपलब्ध कराया जाए। दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों में पूर्व-स्टॉकिंग की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मिड-डे मील एवं आंगनबाड़ी केंद्रों को समयबद्ध ढंग से खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित हो।

बैठक में अवस्थापना अनुश्रवण परिषद उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, एल. फैनई, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव चंद्रेश कुमार यादव, अपर सचिव बंशीधर तिवारी व खाद्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को नहीं मिल रहा जीत का प्रमाणपत्र

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने जिला पंचायत चुनाव में विजयी हुए पार्टी समर्थित दो महिला उम्मीदवारों को जीत का प्रमाण पत्र नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है। माहरा ने कहा उन्होंने पहले ही यह आशंका व्यक्त की थी कि जैसे ही भाजपा को आभास होगा कि कांग्रेस के जिला पंचायत अध्यक्ष बनने जा रहे हैं, तब गड़बड़ियां शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा उनके पास दो जगह से ऐसे मामले सामने आए हैं जहां पर पार्टी समर्थित दो महिला उम्मीदवारों को जीत का प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है। माहरा ने कहा डोईवाला के माजरी से सुखविंदर कौर ने पंचायत चुनाव में जीत हासिल की है, वह करीब 800 मतों से आगे चल रही हैं, मगर, उन्हें जीत का प्रमाण पत्र प्रशासन की ओर से नहीं दिया जा रहा है। वहीं, दूसरा मामला बागेश्वर का है, यहां पर कांग्रेस पार्टी से प्रमाण पत्र महिला उम्मीदवार सरोज आर्य ने अपनी जीत दर्ज कराई है, मगर वहां पर भी उन्हें जीत का प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है। वह अभी भी जीत का प्रमाण पत्र मिलने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग बेईमानी पर उतर गया है। करन माहरा का कहना है कि इसके विरोध में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने डोईवाला में प्रदर्शन शुरू कर दिया है। माहरा का कहना है कि उन्हें इस बात की उम्मीद बिल्कुल भी नहीं है कि दोनों उम्मीदवारों को इतनी जल्दी जीत का प्रमाण पत्र दे दिया जाएगा।

मालेगांव विस्फोट फैसला, भगवा आतंकवाद की झूठी थ्योरी गढ़ने वालों पर तमाचा : भट्ट

कहा - सनातन धर्म के खिलाफ पाप के लिए कांग्रेस को माफी मांगनी होगी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने मालेगांव विस्फोट पर न्यायालय के निर्णय को भगवा आतंकवाद की झूठी थ्योरी गढ़ने वालों के मुंह पर तमाचा बताया है। प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने सभी आरोपियों को देशभक्त बताते हुए निर्दोष सिद्ध होने को श्सत्यमेव जयतेश की सजीव अभिव्यक्ति कहा। कांग्रेस को सनातन धर्म के खिलाफ किए अपने इस पाप के लिए सार्वजनिक माफी मांगनी होगी।

मीडिया को दी प्रतिक्रिया में उन्होंने, 17 वर्ष की लंबी कानूनी

लड़ाई के बाद आए इस निर्णय पर खुशी और संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि एक बार पुन: न्यायालय के माध्यम से साबित हुआ है कि भगवा आतंकवाद संभव नहीं और हिन्दू कभी भी आतंकवादी नहीं हो सकता। 2008 में मालेगांव विस्फोट के बाद, सनातन धर्म के हजारों वर्षों के गौरवमई इतिहास पर दाग लगाने की जो कोशिश की गई थी। उसका इस ऐतिहासिक निर्णय से पूरी तरह पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, ये उन सनातन, आस्थावानों, संतों और राष्ट्रसेवकों के मान-सम्मान की पुनर्स्थापना करने वाला है, जिनकी छवि को ष्भगवा आतंकवादष जैसी झूठी थ्योरी के माध्यम से काँग्रेस द्वारा कलंकित करने का षड्यंत्र रचा गया था। यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुन: उजागर करता है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत 'भारत युवा पुरस्कार' से सम्मानित

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल ने किया सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

नई दिल्ली/देहरादून। सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को जनसेवा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य में नवाचारी प्रयोगों के लिये देश के प्रतिष्ठित 'भारत युवा पुरस्कार' से सम्मनित किया गया है। तेलंगाना के राज्यपाल विष्णुदेव वर्मा ने प्रतिष्ठित भारत गौरव अवार्ड फाउंडेशन की ओर से स्थापित यह पुरस्कार डॉ. रावत को प्रदान किया। डॉ. रावत ने इसे महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि यह सम्मान उन्हें जनसेवा के लिये और प्रेरित करेगा।

नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में भारत गौरव अवार्ड फाउंडेशन ने राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा, सांस्कृतिक चेतना और सृजनात्मक कार्यो में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 21 प्रतिभाशाली व्यक्तियों को पांचवे 'भारत युवा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। जिसमें प्रदेश के युवा कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी शामिल हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि उत्तराखंड में मजबूत हेल्थ नेटवर्क, उच्च स्तरीय शिक्षा प्रणाली और सहकारिता के माध्यम से किसानों, काश्तकारों, महिलाओं व युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में वह निरंतर काम कर रहे हैं।

कहा - यह मेरे जीवन का अत्यंत भावुक और प्रेरणास्पद क्षण

भारत युवा पुरस्कार से सम्मानित होने पर सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि यह मेरे जीवन का अत्यंत भावुक और प्रेरणास्पद क्षण है। यह सम्मान मुझे सकारात्मक सोच, निरंतर प्रयास और समाज सेवा के प्रति नई ऊर्जा प्रदान करेगा ताकि में देश और समाज के निर्माण में सार्थक योगदान दे सकूं। उन्होंने भारत गौरव अवार्ड फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि यह संस्था देश के असंख्य युवाओं को नई पहचान और प्रोत्साहन देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। डॉ. रावत ने कहा कि भारत युवा पुरस्कार केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है बल्कि यह युवा वर्ग के सामा. जिक योगदान को भी पुष्ट करता है। ऐसे सम्मान युवाओं को सृजनशील, कर्तव्यनिष्ठ और समाज हित में सक्रिय रहने की प्रेरणा देते हैं।

सैनिक के बेटे की इलाज के अभाव में मौत राज्य पर कलंक: माहरा

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त होने होने का आरोप कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का सरकार पर हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त पड़ी हैं और पहाड़ी जिलों में तो स्वास्थ्य का पूरा सिस्टम खुद वेंटिलेटर पर है। यह तीखा बयान गुरुवार को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया। माहरा ने चमोली के सुदूर गांव में रहने वाले सैनिक की पत्नी की पीड़ा का हवाला देते हुए कहा जिसका डेढ़ साल का बेटा चमोली से लेकर बागेश्वर के पांच अस्पतालों में भटकने के बाद इलाज

के लिए तड़प तड़प कर मर गया सरकार उसकी वेदना को क्या जाने। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए जम्मू कश्मीर में सीमा पर तैनात जवान के डेढ़ साल के बेटे को लेकर उसकी मां चमोली से लेकर बागेश्वर के पांच अस्पतालों में भटकी, मगर एक के बाद एक उसको हायर सेंटर के लिए रेफर किया जाता रहा और आखिर में हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के लिए एंबुलेंस का समय पर इंतजाम न होने के कारण बच्चे की मौत हो गई जो हमारे पूरे राज्य के लिए कलंक है। माहरा ने कहा कि उत्तराखंड के नौजवान बड़ी संख्या में फौज में हैं और जब देश की रक्षा के लिए फौज में सेवा कर रहे नौजवानों को इस समाचार का पता चलेगा तो वे किस मनोयोग से देश की रक्षा और सेवा करेंगे। माहरा ने कहा कि एक तरफ तो धामी सरकार सैनिकों के कल्याण के लिए बड़ी बड़ी घोषणाएं करती हैं दूसरी तरफ सीमा पर तैनात एक सैनिक के बच्चे की इलाज के अभाव में मौत हो जाती है इससे बड़ी शर्म की बात सरकार के लिए कुछ नहीं है। माहरा ने कहा कि आज राज्य में सरकार ने शिक्षा स्वास्थ्य जैसे जनता के मौलिक व आवश्यक जरूरतों के विषयों को त्याग कर अपना सारा ध्यान आबक. ारी व खनन के क्षेत्रों में केंद्रित कर दया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में सरकार ने सारी स्वास्थ्य सेवाएं पीपीपी मोड के सहारे छोड़ी हुई है जिससे राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। जिला अस्पताल केवल रेफरल सेंटर बन कर रह गए हैं।

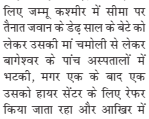

पंचायतों में मिली जीत धामी के विकास के विजन पर जनता की मुहर: चौहान

कहा -पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की जीत से जन जन में उत्साह

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने पंचायत चुनाव के नतीजों को ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रिपल इंजन सरकार का स्पष्ट संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भाजपा के प्रत्याशियों और समर्थित कार्यकर्ताओ ने जीत हासिल की उससे जन जन मे उत्साह है तो वहीं कांग्रेस के लिए अपनी जमीनी हकीकत का अहसास करने के लिए पर्याप्त है।

पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि पार्टी के सभी समर्थित जिला पंचायत सदस्यों, क्षेत्र पंचायत और प्रधान, वार्ड मेंबर पर निर्वाचित सभी पार्टी कार्यकर्ताओं की जीत से आम जन मे उत्साह है और यह सीएम पुष्कर सिंह धामी के विकास के विजन पर मुहर है। उन्होंने कहा कि अन्य निर्दलीय विपक्षी प्रत्याशियों को भी जनता ने अपना मत विकास के लिए दिया है और ग्रामीण क्षेत्र मे विकास कार्यों को आगे बढाने का सामूहिक दायित्व है। चौहान ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश ग्राम प्रधान और वार्ड मेंबर पदों पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जीत हासिल की है। जनता ने भाजपा प्रत्याशियों को बड़े पैमाने पर क्षेत्र पंचायत सदस्य की जिम्मेदारी दी है और उसके मद्देनजर 89 ब्लॉक में से अधिकांश में भाजपा का स्पष्ट बोर्ड बनना तय है। जिला पंचायत सदस्य के लिए भी पार्टी के समर्थित प्रत्याशियों ने लक्ष्य के अनुरूप जीत दर्ज कर रहे हैं।

टनकपुर - बागेश्वर रेल लाइन पर केंद्र ने मांगी राज्य की सहमति

राज्य की सहमति के बाद जल्द शुरू होगा रेल लाइन पर काम

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन पर जल्द काम शुरू हो सकता है। केंद्र सरकार ने इस परियोजना पर काम शुरू करने के लिए राज्य सरकार से औपचारिक तौर पर सहमति देने को कहा है। राज्य सरकार जल्द इस दिशा में अधिकारिक पत्र केंद्र सरकार को भेजने जा रही है।

प्रस्तावित टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन को कुमाऊं क्षेत्र में रेल नेटवर्क विस्तार की दिशा में गेम चेंजर प्रोजेक्ट के रूप में देखा रहा है। करीब 170 किमी लंबी इस परियोजना के लिए फाइनल सर्वे का काम पूरा हो चुका है। अब अगले चरण में परियोजना पर राज्य सरकार से विचार विमर्श होना है। काम शुरू करने से पहले केंद्र सरकार ने राज्य से औपचारिक सहमति प्रदान करने को कहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सचिव को इस दिशा में शीघ्र औपचारिकताएं पूरी करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इस तरह टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन का धरातल पर उतरने का रास्ता साफ हो रहा है।

बागेश्वर-टनकपुर रेल लाइन पर काम शुरू करने के लिए समस्त औपचारिकताएं तेजी से पूरी की जा रही है। इसी तरह ऋषिकेश-उत्तरकाशी और देहरादून-सहारनपुर रेलवे लाइनों की भी फाइनल डीपीआर तैयार की जा रही है। केंद्र सरकार उत्तराखंड में रेल नेटवर्क को मजबूत करने में पूरा सहयोग प्रदान कर रही है.. **पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड**

कर्णप्रयाग रेल लाइन 2026 तक तैयार होगी

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में रेल नेटवर्क विकसित करने पर तेजी से काम हो रहा है। इसी क्रम में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन पर युद्धस्तर पर काम चल रहा है, सामरिक महत्व की इस परियोजना का काम 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसी तरह टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन बन जाने के बाद, कर्णप्रयाग-बागेश्वर जैसे दो पर्वतीय शहरों को रेल नेटवर्क से जोड़कर, गढ़वाल-कुमांऊ के बीच रेल सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। साथ ही प्रदेश सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ऋषिकेश-उत्तरकाशी और देहरादून-सहारनपुर रेलवे लाइनों की डीपीआर भी तैयार कर रही है। 81 किमी लंबी देहराद. ून-सहारनपुर शाकुंभरी देवी मंदिर के रास्ते से होकर गुजरेगी। यह रेल लाइन सहारनपुर से देहरादून के हर्रावाला रेलवे स्टेशन तक बिछेगी। इसमें 11 किमी लंबी सुरंग भी शामिल है।

'उम्मीद पोर्टल' पर दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य: बोर्ड

ऊधमसिंहनगर, हरिद्वार व देहरादून के वक्फ प्रबंधकों को दिया गया प्रशिक्षण

शाह टाइम्स सं वाददता

देहरादून। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के तहत वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसके लिये प्रबंधकों को प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ननूरखेडा देहरादून में देहरादून के वक्फ प्रबंधकों को प्रशिक्षण दिया गया, अभी तक उधमसिंह नगर, देहरादून व हरिद्वार के प्रबंधकों को 'उम्मीद पोर्टल' की बारीकियों से रूबरू कराया गया है।

गुरुवार को बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स व सीईओ सय्यद सिराज उस्मान ने प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया। वक्फ बोर्ड के इंसपेक्टर मौहम्मद अली ने 'उम्मीद

पोर्टल' पर आईडी बनाने और दस्तावेज अपलोड करने का प्रशिक्षण दिया। उन्होने बताया कि अब हर वक्फ जायदाद के प्रमाण पत्र 'उम्मीद पोर्टल' पर अपलोड करना अनीवार्य है। अब 2 अगस्त को नैनीताल और अन्य पर्वतीय जनपद के प्रबंधकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह दस्तावेज अपलोड करने होंगे

देहरादून। 'उम्मीद पोर्टल' पर वक्फ संख्या, संपत्ति का आकार, स्थान, उपयोग, राजस्व और स्वामित्व की स्थिति दर्ज करनी होगी। साथ ही कब्जेदारों व किरायेदारों का विवरण भी देना होगा। वक्फ जायदाद के वक्फकर्ता (दानदाता) का विवरण, खसरा-खतौनी, वक्फनामा, रकबा, चौहद्दी, फोटो और दाखिल-खारिज की प्रमाणित प्रति भी अपलोड करनी होगी। कब्जेदारों-किरायदारों के साथ चल रहे वादों का विवरण भी दर्ज कराना होगा।

पतियों ने सम्भाली कमान, घर बैठे जीत गयीं महिलाएं

परिणाम जानने के लिए मतगणना स्थल पर दिनभर डटे रहे प्रत्याशी व समर्थक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मतगणना स्थलों के बाहर मेले जैसा माहौल था। मतगणना स्थल के बाहर सैकड़ों समर्थक जुटे हुए थे। इस दौरान समर्थकों में गजब का उत्साह देखा गया। गुरुवार को जिले के 11 विकासखंडों में सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई और सिल. सीला देर रात तक चलता रहा। वहीं, मतगणना स्थल पर भारी संख्या में समर्थक पहुंच गए। एक तरफ ब्लॉकों के अंदर मतगणना चलती रही। वहीं, दूसरे तरफ बाहर समर्थक अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में नारेबाजी करते रहे।

जैसे ही कोई प्रत्याशी जीत के साथ मतगणना स्थल से बाहर निकलता तो समर्थक फूल मालाओं के साथ स्वागत करने के साथ जमकर नारेबा. जी करने लगते थे। यहं सिलसीला विभिन्न ब्लॉकों के मतगणना स्थल पर देर रात तक चलता रहा। पंचायत चुनाव में महिलाओं के लिए आधी से ज्यादा सीटें इस बार आरक्षित थी। कुछ सामान्य सीटों पर भी महिलाओं ने दमदार दावेदारी की। लेकिन कई महिला प्रत्याशी घर बैठे जीत गई। उनके चुनाव प्रचार की कमान उनके पतियों ने संभाली हुई थी। कई ने घर बैठे ही चुनाव जीतने की बात भी स्वीकारी है। मतगणना के दौरान नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोग दिन भर परिणामों को जाने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। इस दौरान लोग मोबा. इल पर ही व्यस्त दिखाई दिए। नगर क्षेत्र में भी बाजार और दुकानों में लोग अपने क्षेत्र के प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य सीट पर नतीतों की जानकारी लेते दिखे। परिणाम आने के बाद समर्थकों और क्षेत्रवासियों में कुछ के चेहरे खिले तो कुछ के मुरझाए नजर आए।

सबसे कम उम्र की बीडीसी सदस्य बनी निकिता

अल्मोड़ा। जिले के चौखुटिया विकासखंड खंड के कोट्यूड़ा ताल क्षेत्र पंचायत सीट से निकिता ने जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है। महज 21 साल की उम्र में निकिता महिला प्रत्याशियों में सबसे कम उम्र की क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) निर्वाचित हुई है। निकिता ने बताया कि वह अभी फिलहाल बीए की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर जागरूकता लाने की बात कहीं। जीत के बाद उन्होंने कहा कि अब महिलाएं सिर्फ वोट नहीं देंगी, नेतृत्व भी करेंगी। निकिता को कुल 456 वोट मिले, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी निशा को 415 मत प्राप्त हुए। 14 वोट रद हुए। निकिता ने 41 मतों के अंतर से शानदार जीत दर्ज की।

इस तरह रहे बागेश्वर के चुनाव परिणाम

बागेश्वर ब्लाक- ग्राम प्रधान पद

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। बागेश्वर ब्लॉक से ग्राम पंचायत चमतोला से हीरा देवी, ग्राम पंचायत नरगोली से चंद्रशेखर सिंह, ग्राम पंचायत धपोलसरा से योगेश सिंह, ग्राम सभा देवलबिछराल से स्वाति, भद्रकाली से शोभा देवी, सानी उड़ियार से इंद्र सिंह, ऐठान से राकेश सिंह, रिखाड़ी से सुनीता आर्या, ग्राम पंचायत दिगोली से दीपा देवी, नारायण गूंठ से आशा देवी, सलोला से दीपा कंडपाल, नाघर माजिला से आनंद राम, पाली बगयाली से पूनम चंदोला, पंगचौड़ा से मनीषा, पोखरी से निकिता चंदोला, ग्राम पंचायत बांझ झिरोटी प्रकाश राम, ग्राम पंचायत कांडे कन्याल गौरव पंत, ग्राम पंचायत बजीना राजन राम, ग्राम पंचायत भदौरा गौरव सिंह, ग्राम पंचायत मनतोली आशा देवी, ग्राम पंचायत कुनेड़ा हेमचंद्र पांडेय, ग्राम पंचायत असौ से संदीप असवाल, ग्राम पंचायत मटीयोली से गिरीश चंद, ग्राम पंचायत रमटोली से मंजू देवी, ग्राम पंचायत गुरुना से दीपा देवी, ग्राम पंचायत जेठाई से कंचना, ग्राम पंचायत सिमल गांव से शशी, ग्राम पंचायत कुला रंगचौड़ा रणजीत सिंह, ग्राम पंचायत चामी से हेमा निर्वाचित हुई

क्षेत्र पंचायत पद

क्षेत्र पंचायत सिमकुना से दीपा देवी, क्षेत्र पंचायत बनेगांव से रविन्द्र सिंह रावत, क्षेत्र पंचायत मलसुना से खुशाल सिंह, क्षेत्र पंचायत मालता से सुनील कुमार, क्षेत्र पंचायत बजीना से भगवान सिंह, क्षेत्र पंचायत कांडे कन्याल से निर्मल साह, क्षेत्र पंचायत सिरौली से आकांक्षा तिवारी, क्षेत्र पंचायत कुलांग चौड़ा से लीला देवी,

कपकोट ब्लाक- ग्राम प्रधान पद

बागेश्वर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव विकासखंड कपकोट से निर्वाचित ग्राम प्रधान खाती से राजेन्द्र दानू, चौडा से दुर्गा देवी, गासी से धाम सिंह, रिखडी से कृष्णा, लाहुर से कमला देवी, हरकोट चंदन सिंह, तरसाल पतियासर से रमा देवी, खलझूनी से रेखा देवी, झुनी से पार्वती देवी, सुडिंग से प्रवीण सिंह, मिकिला खलपट्ट से हेमा देवी, सुखचौनाकनौली से केदार सिंह, बोर बलडा से पूजा दानू, चुचेर से दीपा कोरंगा, कालापैरकापड़ी से नन्दन सिंह, सुमगढ़ से भूपेंद्र कोरंगा, किलपारा से जमन सिंह, किसमिला से प्रेम राम, कुंवारी से खुशाल राम, लाथी से रजनी, दुलम से गंगा देवी, माजखेत से हेमा देवी, कर्मी से देशराज, डौला से उमा देवी, काफलीकमेडा से नीमा देवी, कालो से राजेन्द्र सिंह, बदियाकोट से भूपेंद्र कुमार, पेठी से उपेंद्र सिंह, तीख से रघुवीर सिंह दानू, सोराग से बलवंत सिंह, वाछम से दिनेश सिंह, दोबाड से द्रौपती देवी, ढोक्टीगांव देवकी देवी, बघर से कृष्णा सिंह, फरसाली पल्ली से चंदन गिरी, गुलेर हरीश सिंह, झोपड़ा दीपा देवी, खर्ककानातोली भागीरथी देवी,चीराबगड कुंदन सिंह, तोली से दुर्गा देवी, पोथिंग से सरस्वती देवी, मल्खा डुंगरचा से नारायण सिंह, बड़ी पन्याली से गोपाल सिंह, हाम्टी कापड़ी से सरिता देवी, मल्लादेश से पूजा, शामा से प्रेमा देवी, किरोली कैलाश सिंह कोरंगा, रमाड़ी से निर्माला देवी, लीती से गंगा देवी, गो. गिना से संजय कुमार,

कपकोट- क्षेत्र पंचायत सदस्य पद

लाहूर से धर्मेंद्र सिंह, रिखाड़ी से नीलू, लाथी से कुंजर सिंह, सुमगढ़ से मंगल सिंह, क्षेत्र पंचायत रिखाड़ी से विनय सिंह, कर्मी से सरोजनी देवी, चौड़ा से शोभा, बदियाकोट खिलफ सिंह दानू, किलपारा से किशन सिंह, वाछम गीता दानू, खर्ककानातोली से राजेन्द्र सिंह, तोली से महेश सिंह, बघर से तनुजा, गोगिना से पुष्पा, शामा से शान्ती देवी।

गरुड़ ब्लाक- ग्राम प्रधान पद

बागेश्वर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव विकासखंड गरुड़ से ग्राम पंचायत कोटुली की कविता देवी निर्वाचित, ग्राम पंचायत धैना से लक्ष्मी जोशी, ग्राम पंचायत माल्दे से कविता नेगी, ग्राम पंचायत मटेना से नीमा, ग्राम पंचायत दुधिला से बसंती देवी, ग्राम पंचायत सिल्ली से गीता देवी, ग्राम पंचायत लखनी से हेमलता, ग्राम पंचायत अणा से मंजू देवी, ग्राम पंचायत अमोली से आनंदी देवी, ग्राम पंचायत चनोली से हरीश नेगी, ग्राम पंचायत तैलीहाट से पूजा, ग्राम पंचायत कनस्यारी से रानी भरडा, ग्राम पंचायत मन्यूडा से महेश चंद्र, ग्राम पंचायत बंड से राजकुमार, ग्राम पंचायत चौरसों दीपक कुमार, ग्राम पंचायत बिनखोली से आशा देवी, ग्राम पंचायत थानडंगोली से विजय कुमार गोस्वामी, ग्राम छानीसेरा से गुड़िया, ग्राम उड़खुली से करिश्मा आर्या, ग्राम नरग्वाडी से भगवती देवी, ग्राम मेलाडुगरी से राजेन्द्र कुमार, ग्राम पंचायत गनीगांव से नरेंद्र सिंह, ग्राम पंचायत जैसर से मोहन सिंह, ग्राम पंचायत वज्यूला से शंकर कुमार, ग्राम पंचायत नैकाना खुमटिया से सीमा देवी, ग्राम पंचायत जाख से खीम राज सिंह, सुराग ग्राम पंचायत से गीता अरमोली, ग्राम पंचायत सलखन्यारी से गीता, ग्राम पंचायत नौगांव से त्रिलोक सिंह, ग्राम पंचायत रियूनी लखमार से गीता, ग्राम पंचायत अयारतोली पूर्वी व पश्चिमी से गणेश दत्त, ग्राम पंचायत सिमगड़ी से रमेश चंद्र, ग्राम पंचायत बूंगा से विद्या, ग्राम पंचायत गढ़खेत से विनोद सिंह, ग्राम पंचायत बैगाव कालरो से राजेन्द्र सिंह, गनीगांव नरेंद्र सिंह, ग्राम पंचायत जैसर से मोहन सिंह, ग्राम पंचायत वजूयुला से शंकर कुमार, ग्राम पंचायत कन्स्यारी से तारा दत्त, लस्करखेत ग्राम पंचायत से सुनीता देवी, ग्राम पंचायत घेटी से अशोक वर्धन, स्याली स्टेट ग्राम पंचायत से चंदन सिंह, ग्राम पंचायत हरीनगरी से पूनम देवी, पय्या ग्राम पंचायत से सीमा देवी, ग्राम पंचायत ग्वाड़ पजेडा से मनोज कुमार, पिगलो ग्राम पंचायत से दान सिंह, कुलाऊ ग्राम पंचायत से बिना देवी, ग्राम पंचायत छटिया से राजेन्द्र प्रसाद जोशी।

गरुड़ ब्लाक-क्षेत्र पंचायत पद

क्षेत्र पंचायत मटेना से भगवती, क्षेत्र पंचायत अणा से सोनी रावत, क्षेत्र पंचायत दुधिला से ज्योति, लखनी से भगवती देवी, क्षेत्र पंचायत कंस्यारी से पूजा नेगी, क्षेत्र पंचायत मन्युडा से निर्मला पंथ, क्षेत्र पंचायत पुरडा से दीवान राम, क्षेत्र पंचायत तिलसारी से ललित, क्षेत्र पंचायत मेलाडुगरी से बलवंत सिंह, क्षेत्र पंचायत लमचूला से गंगा देवी, क्षेत्र पंचायत नौगांव से कमला, क्षेत्र पंचायत अयारतोली से नंदन सिंह, क्षेत्र नैकाना खुमटिया से नीरू परिहार, क्षेत्र पंचायत जैसर से लक्ष्मण कुमार, क्षेत्र पंचायत छटिया से प्रमोद जोशी, घेटी क्षेत्र पंचायत से कपिल परिहार, पय्या क्षेत्र पंचायत से मनोज कुमार दास, कुलाऊ क्षेत्र पंचायत से माया देवी।

एक नजर

द्रोणासागर टीले पर फिर दिखा तेंदुआ

काशीपुर। द्रोणासागर टीले के पास तेंदुआ दिखने से लोग एक बार फिर दहशत में आ गए। एक घर के बाहर खड़े तेंदुआ लावारिस बछड़े को उठा ले गया। सूचना पर वन विभाग ने घटनास्थल के आसपास निरीक्षण किया, लेकिन तेंदुआ दिखाई नहीं दिया। दरअसल, द्रोणासागर टीले में करीब दो सालों से लगातार तेंदुओं के दिखाई देने का सिलसिला जारी है। हालांकि एक तेंदुआ पूर्व में वन विभाग ने पकड़ा था। इसके बाद टीले में तेंदुआ नहीं होने की बात कही जा रही थी, लेकिन बुधवार की देर रात साढ़े दस बजे एक तेंदुआ टीले के पास ही एक घर के पास से लावारिस बछड़े को उठा ले गया। बछड़े की आवाज आने पर चंद्रभान नामक व्यक्ति ने बाहर आकर देखा तो तेंदुआ बछड़े को उठाकर टीले पर ले गया। चंद्रभान ने इसकी सूचना वार्ड नंबर तीन के पार्षद अनिल कुमार को दी। अनिल कुमार ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी। आज सुबह वन विभाग की टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। साथ ही टीले में भी तेंदुए की छानबीन की, लेकिन तेंदुआ नहीं मिला। अब टीम एक बार फिर टीले में पिंजरा लगाने की तैयारी कर रही है।

इंटर कॉलेज में हुई अभिभावकों की मीटिंग

काशीपुर। तुलाराम राजाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा छह से 12वीं तक के छात्रों के अभिभावकों की मीटिंग अलग-अलग आयोजन किया गया। अभिभावकों के साथ इस बैठक का मुख्य उद्देश्य छात्रों की विद्यालय में समस्याएं तथा उनके समाधान हेतु अभिभावक और विद्यालय परिवार कैसे सुधार का प्रयत्न कर सकता है। इस गोष्ठी में अभिभावकों ने छात्र-छात्राओं के हित में विद्यालय क्या कर सकता है इसके बारे में अपने सुझाव रखें। छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालय के अध्यक्ष एसपी गुप्ता, प्रबंधक जीडी मठपाल, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जीना तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य त्रिवेंद्र सिंह चौहान एवं समस्त संबंधित अध्यापक एवं अध्यापिकाएं उपस्थिति रहीं। सभी अभिभावकों ने भविष्य में इस तरह की वार्ता लगातार संचालित करने के लिए विद्यालय परिवार से आग्रह किया। इस विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से छात्रों के बौद्धिक विकास, नशा उन्मूलन की प्रवृत्ति, मोबाइलफोन की समस्या तथा छात्रों के समुचित समय पर पठन-पाठन की समस्या पर विचार किया गया।

श्रीराम कथा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

काशीपुर। श्री रामलीला कमेटी के तत्वाधान में मंगलवार की रात्रि से प्रारंभ नवदिवसीय श्री राम कथा के दूसरे दिन बुधवार को पं. बृजेश पाठक जी महाराज ने प्रभु श्री राम के गुणों का वर्णन करते हुए कहा कि प्रभु श्री राम जो अनेकों गुणों की खान हैं, उनमें शील का गुण है। उसी का कारण है कि वह अपने दोषी को भी दोषी नहीं मानते और क्षमा कर देते हैं। यही कारण है कि उन्होंने माता कैकेई को अपने वन गमन के लिए कभी दोषी नहीं माना और माता कैकेई का किसी के भी द्वारा तिरस्कार स्वीकार नहीं किया। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु श्रोतागण उपस्थित रहे। श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने हेतु निर्धारित समय रात्रि आठ बजे से दस मिनट पूर्व कथास्थल पर पहुंच कर कथा श्रवण करने का आग्रह किया है।

मानव तस्करी रोकथाम की दी जानकारी

अल्मोड़ा। विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस व बाल सुरक्षा यात्रा के तहत गुरुवार को अल्मोड़ा के खादी, जाबड़ा, जलना और महतगांव आदि क्षेत्रों में रैली निकाल ग्रामीणों को जागरुक किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को मानव तस्करी के कारण व रोकथाम तथा मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता दिखाने और पीड़ितों को सहायता देने के विषय में अवगत कराया गया। इसके अलावा बच्चों के अधिकारों, बाल श्रम, चाइल्ड लाइन नंबर 1098, पॉक्सो अधिनियम आदि विषय में भी जागरूक किया गया। आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ लेने की अपील की गई। साथ ही ग्रामीणों को मानव तस्करी के खिलाफ जागरूक करने के लिए रैली का भी आयोजन किया गया।

कै. चंदर विजय नेगी को विदाई दी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। 5 यूके नेवल सब यूनिट यूनिट एनसीसी डीएसबी परिसर कुमाऊं विश्वविद्यालयए नैनीताल में एक गरिमामय समारोह के माध्यम से कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन चंदर विजय नेगी को उनकी सेवानिवृति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई दी गई। समारोह की अध्यक्षता कुमाऊँ विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने की। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलपति कर्नल प्रो. दीवान सिंह रावत ने कैप्टन नेगी को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके असाधारण योगदान के लिए सममानित किया। उन्होंने कहा कि कैप्टन नेगी का नेतृत्व, अनुशासन और समर्पण आने वाले समय में सभी के लिए प्रेरणा बनेगा। एनसीसी अधिकारी सब ले. डा. रीतेश साह ने अपने संबोधन में कहा कैप्टन नेगी न केवल एक उत्कृष्ट अधिकारी रहे बल्कि हमारे यूनिट की प्रेरक शक्ति भी रहे हैं। उनके प्रयासों से यूनिट को आधुनिक सुविधाएं, अनुशासित प्रशिक्षण और नई ऊँचाइयाँ प्राप्त हुई हैं। वे भले ही सेवानिवृत हो रहे हों परंतु उनकी प्रेरणा सदा हमारे साथ रहेगी। समारोह में एनसीसी की ओर से कैडेट्स ने पहाड़ी युगल गीतए समूह नृत्य और समूह गीत प्रस्तुत किए। कैडेट्स निष्ठा जोशी और लवली ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन कैडेट कृष उपाध्याय व कैडेट प्रीती राणा द्वारा किया गया।

कई प्रजातियों के पौधों का रोपण किया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिला जज हरीश कुमार गोयल, द्वितीय अपर जिला जज कुलदीप शर्मा, सीजीएम रवि प्रकाश, सिविल जज सीनियर डिवीजन हर्ष यादव, सिविल जज जूनियर डिवीजन उर्वशी रावत, प्रथम अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन रूचिका गोयल तथा द्वितीय अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन स्नेहा नारंग व समस्त स्टाफ कार्यालय जज के कार्मिकों द्वारा नगरपालिका वन क्षेत्र अन्तर्गत हनुमानगढ़ी वन चेतना केन्द्र में चिनार, जिंकोबाईलोबा, तेजपात, बेडु तथा तिमूर आदि प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में नैनीताल वन प्रभाग के नगरपालिका वन क्षेत्र से आनन्द लाल वन क्षेत्राधिकारी, सन्तोष गिरी वन दरोगा, सन्तोष जोशी वन दरोगा व समस्त स्टाफ नगरपालिका वन क्षेत्र द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आदित्य और सुमित की जोड़ी ने जीता मुकाबला

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में 24 वीं उत्तराखंड स्टेट जूनियर एवं सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप जारी है। गुरुवार को प्रतियोगिता के तहत जूनियर सिंगल्स, डबल्स व मिक्स डबल्स के मुकाबले खेले गए। जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अगले चक्र में प्रवेश किया। हेमवती नंदन बहुगुणा इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में आदित्य कनवाल और सुमित मेहता की जोड़ी ने शिखर शर्मा व शिवांश कार्की को पराजित किया। जबकि आयुष्मान व दीपांक वर्मा की जोड़ी ने आकर्षण कुमार व मनोज भारती, गौरव भट व प्रतीक मेहरा ने हर्षित बड़ोनी व नीरज कांति की जोड़ी को पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया। वहीं, पहले दिन हुए मुकाबले पुरुष वर्ग के बीच हुए मुकाबले में करन सिंह ने अपूर्व को 22-20, 21-15, हर्षित सुयाल ने पारस राना को 21-10, 21-10, शौर्य यादव ने अमन विश्वकर्मा को 21-12, 21-14, तरुण पंत ने मोहित तिवारी को 24-22, 21-17, शिवम मेहता ने आकाश सजवान को 21-13, 21-15, वंदित ने निश्चय को 21-11, 21-15, श्रेय डोबाल ने अभिजीत मिश्रा को 21-17, 17-21, 21-11, सि)ार्थ ने वेदांत राजपाल को 21-9, 21-16 और दीपक कोश्यारी ने शुभ कठैत को 21-12, 21-13 से पराजित कर दूसरे चक्र में प्रवेश किया। यहां संघ के प्रदेश सचिव बीएस मनकोटी, डीके जोशी, गोकुल मेहता, नंदन सिंह, डा. संतोष बिष्ट समेत अन्य खेल प्रेमी मौजूद रहे।

समर स्टडी में स्वास्थ्य शिविर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। समर स्टडी हॉल विद्यालय में छात्राओं के संपूर्ण स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए एक विशेष मासिक धर्म जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं ने भाग लिया। प्रधानाचार्य अनुज भाटिया ने डॉ. नवप्रीत कौर सहोता स्वागत किया।

सत्र का उद्देश्य छात्राओं को मासिक धर्म से संबंधित स्वच्छता, सही देखभाल, मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना था। सत्र का संचालन स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टर नवप्रीत सहोता द्वारा किया गया, जिन्होंने बेहद सरल और प्रभावी ढंग से छात्राओं को मासिक धर्म के वैज्ञानिक तथ्यों और इससे जुड़ी सावधानियों के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं के द्वारा पूछे गए सवालों के उत्तर दिये गये।

विद्यालय की अध्यक्षा मुक्ता सिंह ने डॉक्टर नवप्रीत सहोता को धन्यवाद दिया तथा साथ ही यह भी कहा कि हमारा उद्देश्य छात्राओं को न केवल शिक्षा बल्कि उनके स्वास्थ्य और आत्मसम्मान के प्रति भी जागरूक करना है। इस तरह के सत्र आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। यह जागरूकता सत्र छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ और उन्होंने खुलकर अपनी जिज्ञासाएं साझा कीं। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर दीपाली सिंह शिक्षिका निधि गुप्ता, शुभांगी गुप्ता, अनीता तिवारी, पूनम अरोरा, निशा शर्मा गीता भारद्वाज व अन्य शिक्षिकाएं उपस्थित थी।

इनरव्हील क्लब ने किया वृक्षारोपण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉ. सुरुचि सक्सेना के मार्गदर्शन में इनरव्हील क्लब काशीपुर द्वारा प्रोजेक्ट हरीतिमा के अन्तर्गत वृहद् पौधारोपण किया गया। यह पौधारोपण क्षेत्र की प्रतिष्ठित देवर्षि पेपर्स में संपन्न हुआ। क्लब द्वारा लगभग 30 से अधिक पुष्प एवं छायादार वृक्षों के पौधे रोपित किया गये। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय ने बताया कि हरीतिमा वर्ष भर चलने वाला प्रोजेक्ट है जिसके तहत हर माह विभिन्न स्थलों पर पौधे लगाए जाने हैं। भविष्य में नगर निगम के साथ भी इस प्रोजेक्ट पर काम करने की योजना है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट एडिटर प्राची अग्रवाल, सीजीआर निधि अग्रवाल, सचिव डॉ. निमिशा अग्रवाल, देवर्षि मिल्स से मनीषा अग्रवाल, उपाध्यक्ष ऋचा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रूपाली अग्रवाल, शोभा सिंघल, आईएसओ पूनम जोशी, रंजीता कौर, अंजलि गोयल, स्वाति अग्रवाल, स्मृति अग्रवाल रहे।

जन अधिकारों के संघर्ष का संदेश

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कालाढूंगी। शहीद उधम सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर क्रांतिकारी किसान मंच ने आज उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस मौके पर संगठन ने सरकार की जनविरोधी नीतियों और सांप्रदायिक राजनीति के खिलाफ आवाज उठाई।

क्रांतिकारी किसान मंच के संयोजक आनंद पांडे ने कहा, आज सरकारें मेहनतकश जनता के अधिकार छीन रही हैं और सत्ता के संरक्षण में बैठे लोग जाति-धर्म के नाम पर लोगों को बांट रहे हैं। यह लोग देश की आजादी के लिए शहीद होने वालों का भी अपमान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई को नगर निगम को ज्ञापन देने के बाद ही शहीद उधम सिंह पार्क की सफाई और रंगाई-पुताई हुई। यह दिखाता है कि जनता को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना होगा। बलबीर कंबोज ने क्रांतिकारी किसान मंच को पार्क की सफाई के लिए बधाई देते हुए कहा, हमें शहीद उधम सिंह के विचारों से प्रेरणा लेकर सांप्रदायिकता के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। अंबेडकर विचार मंच के मदन चंद्र और शेखर चंद्र ने भी शहीद को श्रद्धांजलि दी और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में भुवन को. हली, बबलू भट्ट, सुदेश कंबोज, हर्षित, मोहन मटियाली, गगनदीप, अली हुसैन, रजनी जोशी, मयंक गुप्ता, ममता रानी, कुलवंत सिंह आदि मौजूद रहे। सभा का संचालन आनंद पांडे ने किया।

मारपीट कर युवक को गंभीर घायल करने वाले तीन लोग गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। ड्रोन से चोरी की अफवाहों के चलते धारदार हथियारों से लैस होकर अराजकतत्वों द्वारा एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल करने के आरोप में आईटीआई थाना पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में अन्य व्यक्ति फरार बताए गए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। विगत कुछ दिनों से जनपद में ड्रोन से चोरी व अन्य घटना कारित करने की अफवाहों के चलते कुछ अराजक तत्वों द्वारा झुण्ड बनाकर रात्रि के समय धारदार हथियारों से लैस होकर अकेले आने-जाने वाले लोगों व वाहनों से चलने वाले लोगों के साथ बिना वहज उन्हें चोर आदि बताकर उनके साथ अभद्रता, मारपीट करना व गाड़ी तोड़ना आदि घटनाओं का अंजाम दिया जा रहा था। विदित हो कि खड़कपुर देवीपुरा निवासी बॉबी पुत्र चुनमुन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि 28 जुलाई की रात लगभग 12 बजे उसका भाई दीपक काम करके अपने घर वापस आ रहा था, तो खोखरा मंदिर को जाने वाली रोड, रेलवे फाटक पर कई अज्ञात युवकों ने बिना किसी वजह के उसके भाई को रोक कर लाठी डन्डों व हथियारो से बुरी तरह मारना पीटना शुरू कर दिया, जिससे उसका सिर फट गया और वह बुरी तरह घायल हो गया। बॉबी ने बताया कि उन्होंने अपने भाई को बाजपुर रोड स्थित निजी हॉस्पिटल ले गये, जहां उसे आईसीयू में भर्ती किया गया। रुपयों की व्यवस्था न होने के कारण रात को हम उसे अपने घर ले गये, फिर ज्यादा तबियत खराब होने पर उसे चामुंडा मंदिर के निकट निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहा उसका इलाज चल रहा है। बॉबी ने बताया कि जिन लोगों ने उसके भाई के साथ मारपीट की, उन लोगो ने उसके भाई को लटका कर खींचते हुए वीडियो बनाकर रेलवे क्रॉसिंग पर फेंकने का वीडियो वायरल किया है। गाँव वालों ने वीडियो में दिखायी दे रहे लोगो की पहचान कर आकाश पुत्र महेन्द्र सिंह, हरिओम पुत्र चन्द्रपाल, अमन पुत्र बलवीर सिंह, जानकी, कृष्णा पुत्र मुकेश, सुमित पुत्र रघुवीर, भूरा उर्फ अभिषेक पुत्र सोमपाल, छोटू पुत्र बलवीर सिंह, मोनू पुत्र मुछड़िया, विनय व चाँद की पहचान कर ली है। इनके अलावा भी अन्य 10-12 लोग और इस घटना में शामिल थे। इन लोगों ने उसके भाई को जान से मारने की नीयत से मारपीट कर गम्भीर रुप से घायल किया है। आईटीआई थाना पुलिस ने 10 नामजद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा तत्काल घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों व घटना के समय आरोपियों द्वारा बनाई गयी घटना की वीडियो का गहन अवलोकन करने तथा घटनास्थल के आस-पास के लोगों से पूछताछ व जानकारी करने पर घटना में शामिल लोगों की शिनाख्त की गयी तथा घटना में संलिप्त तीन अभियुक्तों आकाश पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी खड़कपुर देवीपुरा, अभिषेक पुत्र सोमपाल सिंह निवासी कटैया वीरपुर पोस्ट महुआखेड़ागंज तथा हरिओम पुत्र स्व. चन्द्रपाल सिंह निवासी खड़कपुर देवीपुरा को बुधवार को ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को आज न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में उन्हें उपकारागार हल्द्वानी भेज दिया गया। उक्त घटना में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। पुलिस टीम में कुन्दन सिंह रौतेला थानाध्यक्ष, उपनिरीक्षक शंकर सिंह बिष्ट, उपनिरीक्षक प्रकाश सिंह बिष्ट, अपर उपनिरीक्षक पुष्कर दत्त भट्ट, कांस्टेबल नीरज शुक्ला, कांस्टेबल राजेश भट्ट, चालक ललित चौधरी व पुलिस सहयोगी अमिताभ सिजवाली थे।

राशन डीलर के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने राशन की कालाबा. जारी करने वाले राशन डीलर के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया है। डीलर की दुकान पहले ही सस्पेंड की जा चुकी है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी आशुतोष भट ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि विगत 11 मार्च 2025 को ढकिया गुलाबो स्थित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के अनुबंध पत्र सस्पेंड किये गए हैं परन्तु माह मार्च 2025 का अवशेष खाद्यान्न उक्त दुकान पर अवशेष होने के कारण एसडीएम द्वारा जनहित को देखते हुए अवशेष सरकारी खाद्यान प्राप्त किये जाने हेतु टीम गठित की गई थी। भट ने बताया कि उपरोक्त क्रम में टीम द्वारा 15 मई से निलंबित सस्ता गल्ला विक्रेता दलजीत सिंह को नोटिस जारी कर 17 मई को समय सुबह 11 बजे ढकिया गुलाबो स्थित उक्त दुकान की सील को खोलने की कार्यवाही की जाने की इत्तिला दी गई। उसी दिन टीम द्वारा उक्त दुकान से खाद्यान्न बरामद किया गया। बरामद खाद्यान्न में गेहूं में 2.019 कुंतल की कमी तथा चावल में 7.231 कुंतल की कमी पाई गयी। विक्रेता को 22 मई को नोटिस जारी कर माह जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक के समस्त अभिलेख कार्यालय को उपलब्ध कराने हेतु लिखा परन्तु आतिथि तक विक्रेता द्वारा कोई भी अभिलेख कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराये गए हैं जिस कारण विक्रेता के अभिलेखों के आधार पर स्टॉक की जांच नहीं की जा सकी परन्तु माह मार्च 2025 के ऑनलाइन वितरण की जांच से स्पष्ट है कि विक्रेता द्वारा माह मार्च 2025 किसी भी कार्डधारक को खाद्यान नहीं दिया गया। भट ने बताया कि खाद्यान्न की मात्रा में जो अंतर परिलक्षित हो रहा है उससे स्पष्ट है कि विक्रेता द्वारा 2.019 कुंतल गेहूं तथा 7.231 कुंतल खाद्यान्न की कालाबाजारी कर दी गई है जो कि आवश्यक वस्तु अधि. नियम 1955 (यथा संशोधित) की धारा 3/7 का स्पष्ट उल्लंघन है। उक्त के क्रम में डीएम उधम सिंह नगर के आदेश 26 जुलाई 2025 से निलंबित सस्ता गल्ला विक्रेता दलजीत सिंह के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (यथा संशोधित) की धारा 3/7 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किये जाने की अनुमति प्रदान की गई है।

सूचना: नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे कुछ दस्तावेज़ों में मेरा नाम नीरू बिष्ट दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम नन्दिता बिष्ट पत्नी स्व. विरेन्द्र बिष्ट है।

अत: भविष्य में मुझे नन्दिता बिष्ट के नाम से जाना व पहचाना जाए।

नन्दिता बिष्ट
पत्नी स्व. विरेन्द्र बिष्ट
निवासी- म0नं0 128, गौला हैड, काठगोदाम, हल्द्वानी (नैनीताल)।

बड़े उलटफेर का साक्षी रहा इस बार पंचायत चुनाव

सियासत के प्रमुख चेहरों ने अप्रत्याशित रूप से दर्ज कराई जीत, कई बड़े चेहरे चारों खाने चित

'गांव की सरकार' का पुर्नगठन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दो चरण में हुए मतदान के बाद गुरुवार सुबह आठ बजे से मतगणना हुई। हल्द्वानी विकासखंड की सबसे हाट जिला पंचायत सदस्य सीट रामड़ी आनसिंह (पनियाली) में सबसे बड़ा उलेटफेर हुआ। यहां निर्दलीय प्रत्याशी डा. छवि कांडपाल बोरा ने भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी बेला तोलिया को 2380 मतों के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज की। वहीं गौलापार के चोरगलिया आमखेड़ा सीट से लीला देवी ने भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी अनीता बेलवाल को 3895 मतों के अंतर से पराजित किया। रामपुर रोड स्थित एचएन इंटर कालेज में गुरुवार सुबह आठ बजे से हल्द्वानी विकासखंड की प्रधान, बीडीसी, ग्राम पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य पद के लिए मतों की गणना प्रारंभ हुई। सबसे पहले प्रधानों की मतगणना हुई। ग्राम लाखनमंडी से ज्योति चौसाली पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो गई थी। नयागांव कटान से गजेंद्र प्रसाद, खनवाल कटान से पूनम, चोरगलिया आमखेड़ा से गीता देवी, सीतापुर से सोनिया प्रीत राय, बसंतपुर से सुनीता बर्गली (निर्विरोध), किशनपुर रैक्वाल से तारा सिंह, सुंदरपुर रैक्वाल से उमा रैक्वाल, लछमपुर से तनुजा पांडे, जगतपुर से यशवंत कार्की, कुंवरपुर से चित्रा बिष्ट, देवला तल्ला से बालम सिंह, नवाडखेड़ा से राजू, देवला मल्ला से बची सिंह, खेड़ा से यमुना सनवाल (निर्विरोध), पनियाली से कपिल सिंह देवका, बजुनिया हल्दू से दिनेश चंद्र, रामड़ी आनसिंह से गीता, पीपलपोखरा से विनोद सिंह (निर्विरोध), बचीनगर नंबर 1 से हरेंद्र सिंह, कमलुवागांजा मेहता से मनीष चंद्र, गुजरौड़ा से ऋतु जोशी, चौसला से पूजा, जयपुर पाडली से हेम चंद्र, नाथुपुर पाडली से रेखा आर्य (निर्विरोध), लामाचौड़ खास से परमजीत कौर, रामपुर लामाचौड़ से महेश चंद्र प्रधान निर्वाचित हुई। इसके उपरांत क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए मतगणना हुई। हल्द्वानी ब्लाक से सबसे पहले लाखनमंडी बीडीसी सीट का परिणाम आया। लाखनमंडी बीडीसी सीट से मनमोहन गड़कोटी विजयी रहे। चोरगलिया आमखेड़ा से इंद्रजीत सिंह, बसंतपुर से गीता कुाल, सुंदरपुर रैक्वाल से गंगा देवी, लछमपुर से दीपक सुनौरी, कुंवरपुर से रेखा नगरकोटी, देवला मल्ला से अनीता देवी, खेड़ा से जीवन चंद्र, खनवाल कटान से गीतिका, जगतपुर से विक्रम बर्गली, हरिपुर जमनसिंह से भूपेंद्र सिंह (निर्विरोध), बजूनिया हल्दू से

राधा सुयाल, रामड़ी आनसिंह से नीता बिष्ट, बचीनगर से मीना पांडे बीडीसी निर्वाचित हुई। देर रात खबर लिखे जाने तक मतों की गणना जारी रही।

मेयर के घर पहुंचीं छवि, हलचल तेज़

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 'पंचायत' वेबसीरीज़ आपने ज़रूर देखी होगी। उसमें ग्राम प्रधानी के चुनाव में प्रधान मंजू देवी चुनाव हार जाती हैं, हालांकि उनके चुनाव हारने की उम्मीद चलचित्र की पटकथा में किसी को नहीं थी। लेकिन मंजू देवी को भूषण की पत्नी क्रांति देवी चुनाव मैदान में अप्रत्याशित रूप से शिकस्त दे देती हैं। कुछ ऐसा ही हुआ है त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कुमाऊं की सबसे हॉट सीट मानी जा रही हल्द्वानी ब्लॉक की 21-रामणी आनसिंह जिला पंचायत सदस्य सीट पर। निवर्तमान जिला पंचायत बेला तोलिया यहां से बुरी तरह से चुनाव हारी हैं और डा. छवि कांडपाल बोरा ने जीत का परचम लहरा दिया। बेला तोलिया चुनाव हार जाएंगी ऐसा मुमकिन नहीं लग रहा था। मगर इस सीट पर भाजपा तीन खेमों में तब बंट गयी थी जब यहां से भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता प्रमोद बोरा ने अपनी पत्नी छवि कांडपाल को बेला के सामने प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतार दिया। इसके

लिए प्रमोद बोरा को भाजपा की ओर से अनुशासनात्मक कार्यवाही का भी सामना करना पड़ा लेकिन उन्होने इसकी परवाह किए बगैर मैदान में डटे रहना उचित समझा और आज नतीजा सबके सामने है। छवि कांडपाल ने बेला तोलिया को 2380 वोटों के भारी अंतर से चुनाव हराया है। यहां कांटे का मुकाबला था। तीन भाजपा नेताओं की पत्नियां यहां से एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में थीं। लाखन निगल्टिया की पत्नी उमा निगल्टिया, प्रमोद तोलिया की पत्नी बेला तोलिया और प्रमोद बोरा की पत्नी डा. छवि कांडपाल बोरा। इस सीट को लेकर भाजपा पसोपेश में थी। बहरहाल भाजपा ने यहां पर बेला तोलिया के लिए अपना सारा समर्थन न्योछावर कर दिया। कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने खुलकर बेला को समर्थन किया और चुनाव प्रचार की बागडोर खुद संभाली। बेला तोलिया की हार एक तरह से न सिर्फ भाजपा की हार है बल्कि विधायक भगत की साख पर भी इस हार से बट्टा लग गया है। छवि कांडपाल को 9118 वोट पड़े जबकि बेला तोलिया को मात्र 6738 वोटों पर संतोष करना पड़ा और छवि ने बेला को 2380 मतों के भारी अंतर से पराजित कर दिया। मतगणना स्थल पर प्रमोद बोरा के समर्थकों का जोश और उत्साह देखने लायक था। जबकि भाजपा खेमे के चेहरे उतरे हुए थे। हालांकि जीत के बाद छवि और उनके पति प्रमोद ने भाजपा में अपनी आस्था को बरकरार बताया है कि लेकिन इस हकीकत से मुंह नहीं चुराया जा सकता है कि प्रमोद बोरा ने भाजपा को अपनी ताकत का एहसास करा दिया है। प्रमोद बोरा की 'छवि' निखरकर सामने आई है और उसने भाजपा को मंथन का मौका भी दे दिया है। वहीं चुनाव परिणामों के बाद हल्द्वानी की राजनीति का एक नया ही रूप देखने को मिला। छवि कांडपाल बोरा चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले महापौर गजराज बिष्ट से मिलने पहुंचीं। जिसने भाजपा की अंदरूनी राजनीति में बहस को जगह दे दी है। छवि को मेयर ने कमल का फूल भेंट किया।

दूसरी बार प्रधान चुनीं गयीं उमा रैक्वाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ग्राम प्रधाानी में भी मुकाबले रोचक रहे और लोगों का धयान लगातार आकर्शित करते रहे। गौलापार सुंदरपुर रैक्वाल से ग्राम प्रधान उमा रैक्वाल ने अपना दबदबा बरकरार रखा है। उमा ने अपनी प्रतिद्वंदी दीपा देवी को 140 मतों से करारी शिकस्त दी है। बता दें कि उमा रैक्वाल इस समय भी ग्राम प्रधाान हैं। सुंदरपुर रैक्वाल में उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों पर जनता ने फिर से मुहर लगाई है। अपनी जीत पर उन्होंने सभी क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया और यह जीत उन्होंने क्षेत्र की जनता की जीत बताते हुए कहा कि जनता ने उनपर जो दोबारा भरोसा जताया उस पर वह पूरी तरह खड़ी उतरेंगी और पूर्व में छूटे हुए विकास कार्य को और आगे बढाएंगी। उमा को 654 मत मिले, जबकि दीपा देवी को 514 मत ही मिले। उमा ने 140 मतों से जीतीं। उमा के पति समाजसेवी नीरज रैक्वाल ने गांव की जनता को देवतुल्य बताया और ऐतिहासिक जीत के लिए आभार जताया।

'प्रमोद की छवि, प्रमोद की बेला पर भारी पडी'

शाह टाइम्स ब्यूंरो

हल्द्वानी। रामड़ी आनसिंह (पनियाली) जिला पंचायत सीट में प्रमोद की छवि, प्रमोद की बेला पर आखिरकार भारी पड़ी। भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय ही मैदान में उतरी डा. छवि कांडपाल बोरा ने भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी एवं निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया को 2380 मतों से करारी शिकस्त दी। छवि को 9118 मत हासिल हुए, जबकि बेला को 6738 मत ही प्राप्त हो सके। उमा धपोला निगल्टिया को 2769 और कांग्रेस अधिकृत प्रत्याशी विमला तड़ागी को 1686 मत हासलि हुए। रामड़ी आनसिंह जिला पंचायत सीट शुरू से ही काफी चर्चा में रही। सीट महिला आरक्षित होते ही भाजपा के तीन वरिष्ठ नेताओं ने अपनी पत्नियों के लिए भाजपा अधिकृत के लिए दावेदारी कर दी। भाजपा नेता लाखन निगल्टिया ने अपनी पत्नी उमा धपोला निगल्टिया, प्रमोद तोलिया ने बेला तोलिया और प्रमोद बोरा ने छवि कांडपाल बोरा के लिए पार्टी से टिकट की दावेदारी की, लेकिन पार्टी ने निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया को अपना अधिकृत प्रत्याशी बना दिया। जिसके बाद न तो छवि पीछे हटीं और न ही उमा धपोला निगल्टिया मैदान से हटीं और मुकाबला भाजपा के अंदर ही त्रिकोणीय हो गया। मतगणना के आंकड़ों को देखें तो रामड़ी आनसिंह के प्रत्येक बूथ से छवि कांडपाल बोरा को भरपूर वोट हासिल हुए। बेला तोलिया के खुद के क्षेत्र पनियाली से भी छवि ने काफी वोट झटके। कमलुवागांजा मेहता, लामाचौड़ खास, लामाचौड़ रामपुर, बचीनगर आदि क्षेत्रों में छवि को बंपर वोट मिले। **इधर,** जीत के बाद डा. छवि कांडपाल बोरा ने कहा कि यह जीत जनता की जीत है।

गौलापार में भाजपा की अनीता को भी बड़ी हार का सामना करना पड़ा, लीला बिष्ट विजयी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ऐसा नहीं है कि पंचायत चुनाव के नतीजे सिर्फ कुमाऊं की सबसे हॉट सीट रामणी आनसिंह पर ही अप्रत्याशित रहे हों। गौलापार क्षेत्र से भी चुनाव के नतीजे बिल्कुल चौकाने वाले सामने आए हैं। यहां पर भी भाजपा समर्थित उम्मीदवार मुकेश बेलवाल की पत्नी अनीता बेलवाल को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। यहां पर निर्दलीय लीला बिष्ट ने अनीता को 3895 मतों के बड़े अंतर से चुनाव हरा दिया। लीला बिष्ट गौलापार के संघर्षशील युवा नेता अर्जुन बिष्ट की पत्नी हैं, जो पूर्व में जिला पंचायत सदस्य रहे हैं। लीला बिष्ट भी पूर्व प्रधान रही हैं। गौलापार क्षेत्र की चोरगलिया आमखेड़ा जिला पंचायत सीट से चुनावी मैदान में उतरी निर्दलीय प्रत्याशी लीला बिष्ट ने बड़ा राजनीतिक उलटफेर करते हुए भाजपा समर्थित प्रत्याशी अनीता बेलवाल को भारी मतों से पराजित कर दिया है। लीला बिष्ट की यह जीत न सिर्फ भाजपा के लिए बड़ा झटका है, बल्कि क्षेत्र की राजनीति में बदलाव का संकेत भी दे रही है। चुनाव परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। जीत के बाद लीला बिष्ट ने अपने बयान में कहा कि यह जीत क्षेत्र की जनता की जीत है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय जनता के साथ ही अपने पति अर्जुन बिष्ट के संघर्ष और कड़ी मेहनत को दिया। लीला बिष्ट ने कहा कि उनकी प्राथमिकता चोरगलिया और गौलापार क्षेत्र में तेज़ी से विकास कार्य करवाना होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और पारदर्शिता के साथ काम किया जाएगा। बहरहाल राजनीति गलियारों में पकड़ बनाए रखने वाले जानकारों का कहना है कि मुकेश बेलवाल की पत्नी का चुनाव हारना एक तरह से चौकाने वाला है। जानकारों का यहां तक कहना है कि मुकेश बेलवाल सांसद अजय भट्ट के करीबी माने जाते हैं और कहीं न कहीं अंदरखाने में मुकेश बेलवाल को उनका पूरा समर्थन हासिल था, लेकिन एक सांसद के समर्थन के मुकाबले पर एक युवा नेता अपनी पत्नी को बड़े अंतर से जीत दिलाकर ले गया।

सनातन में पाखंड का स्थान नहीं: स्वामी यतींद्रानंद गिरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पंच दशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि ने गुरुवार को काठगोदाम स्थित भारत विकास परिषद शाखा के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के आवास पहुंचे और पत्रकार वातौ करते हुए उन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिए प्रदेश सरकार के 'ऑपरेशन कालनेमि' की सराहना की। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में आडंबर और ढोंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है और भगवा चोला पहनकर बाबा बनने वाले ढोंगियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। स्वामी गिरि ने धर्म विशेष के लोगों द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कांवड़ियों की आड़ में सनातन धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह भी आरोप लगाया कि इन कांवड़ियों के जरिए करोड़ों का व्यापार किया जाता है, पत्थर फेंके जाते हैं और इसके चलते सनातन धर्म की छवि पर बुरा असर पड़ता है। स्वामी यतींद्रानंद गिरि ने इस दौरान सरकार से सनातन धर्म के सुरक्षा के लिए भगवा वस्त्र पहनने के लिए कुछ नियम तय करने की अपील की। साथ ही धर्मांतरण पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध और आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण की आवश्यकता जताई। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की धामी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सनातन धर्म के प्रति सकारात्मक कार्य कर रही है। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना को लेकर उन्होंने इसे दुखद बताया और श्रद्धालुओं के लिए वहां बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वामी गिरि ने यह भी सुझाव दिया कि प्रदेश के धार्मिक क्षेत्रों के प्रवेश द्वार पर शनि मंदिर के बजाय बजरंग बली हनुमान और भगवान गणेश के मंदिर स्थापित किए जाने चाहिए। इस मौके पर राजेश अग्रवाल और मॉर्निंग वॉकर वेलफेयर क्लब के अध्यक्ष हरीश चंद्र पांडे मौजूद रहे।

स्कूटी चालक पर मुकदमा

हल्द्वानी। एक महिला को टक्कर मारने वाले स्कूटी सवार युवक के खिलाफ पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रातीघाट नया चौरसा गरमपानी निवासी आशा देवी पत्नी सुरेश चंद्र ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि बीती 6 जुलाई को वह ओकेट होटल के पास सड़क पार कर रहीं थी, तभी तेज रफ्तार स्कूटी चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गई। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात स्कूटी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

आरोपों के घेरे में नामी युनिवर्सिटी

मृतक छात्रा वाश्वी के पिता ने कहा- बेटी की रैगिंग हुई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भीमताल स्थित एक निजी शिक्षण संस्थान में पढ़ने वाली बीसीए द्वितीय वर्ष की छात्रा की मौत के मामले में मृतका के पिता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि संस्थान के सीनियर बच्चों ने वाशवी के साथ रहने वाली जूनियर छात्रा की रैगिंग की थी।

इसका वाशवी ने वीडियो भी बनाया था और इसी के बाद अचानक उसकी मौत हो गई। पिता का आरोप है कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती, बल्कि यह हत्या का सुनियोजित षड्यंत्र है। पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। बता दें कि लखनऊ उत्तर प्रदेश के मड़ियांव थानाक्षेत्र स्थित वेदनाथपुरम में रहने वाली 18 वर्षीय छात्रा वाशवी तोमर पुत्री रामकृष्ण तोमर भीमताल के एक नामी शिक्षण संस्थान में बीसीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा थी। बताया जा रहा कि बीते बुधवार को उसका शव कमरे के अंदर फंदे से लटकता पाया गया था। उसकी मौत के बाद पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे वाशवी के पिता ने बताया कि उनकी बेटी सुबह सवा नौ बजे पढ़ने जाती थी। दोपहर एक बजे छुट्टी के बाद वह दो बजे तक कमरे में पहुंच जाती थी। शिक्षण संस्थान की ओर से उन्हें शाम को साढ़े पांच बजे के आसपास फोन किया गया। फोन करने वाले ने उनसे कहा कि वार्डन ने उन्हें तत्काल संस्थान में पहुंचने को कहा है। उन्होंने बेटी से बात कराने के लिए कहा, लेकिन बात नहीं कराई गई। आनन-फानन में वह अपने साले व अन्य लोगों के साथ भीमताल पहुंच गए। छात्रा के पिता का आरोप है कि पुलिस के पहुंचने से पहले उनकी बेटी के शव को फंदे से उतार दिया गया। बेटी के साथ दो से तीन बजे के बीच अनहोनी हुई और उन्हें इसकी सूचना काफी देर से दी गई। वह संस्थान पहुंचे, लेकिन वार्डन ने उनसे मुलाकात तक नहीं की। उन्होंने बताया कि बेटी प्रथम वर्ष में पढ़ने आई एक छात्रा के संग हास्टल के कमरे में रहती थी। मंगलवार को एक सीनियर उनके कमरे में आई और यह कहा कि उसे छात्रा की काउंसलिंग करनी है। जूनियर से रैगिंग की गई। इसका उनकी बेटी ने न केवल विरोध किया, बल्कि वीडियो भी बनाया। यह वीडियो उन्हें वाहट्सएप पर भेजा गया। इस बारे में उन्होंने बेटी से कहा था कि इसकी शिकायत वार्डन से जाकर करे। छात्रा के पिता का कहना है कि बेटी की मौत का राज कुछ और है। इधर, पुलिस ने डाक्टर के पैनल से पोस्टमार्टम कराया और वीडियोग्राफी की। एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि मामले में निष्पक्ष जांच कराई जाएगी।

कमरे में मिली महिला योगा ट्रेनर की लाश, पुलिस जांच में जुटी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों में मुखानी थाना क्षेत्र में किराए के कमरे में रह रही एक योग ट्रेनर ज्योति की मौत हो गई। ज्योति का शव उसके कमरे से बरामद किया गया। घटना का पता तब चला जब उसकी दोस्त ने उसे कई बार फोन किया, लेकिन कॉल का जवाब नहीं मिलने पर वह मौके पर पहुंची। कमरे में घुसने पर ज्योति को फर्श पर बेहोश पड़ी मिली। इसके बाद शोर मचने पर आसपास के लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ज्योति को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार ज्योति की मौत के समय शरीर पर कोई जख्म के निशान नहीं मिले हैं। उसकी मृत्यु के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही चलेगा। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। ज्योति के पति कमल सबनानी जोधपुर में रहते थे और नौकरी करते थे, जबकि ज्योति लंबे समय से अकेले जेकेपुरम में एक किराए के कमरे में रह रही थी। बताया जाता है कि पति से विवाद के कारण वह एक समय से अकेले रह रही थी। बुधवार शाम को ज्योति घूमने के लिए घर से बाहर निकली थीं, लेकिन कुछ समय बाद वापस आ गईं। आम तौर पर वह जल्दी उठती थीं, लेकिन गुरुवार को उनका दरवाजा देर तक नहीं खुला, जिससे उनकी दोस्त चिंतित हुई और उसे फोन किया। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र जोशी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत की असली वजह का खुलासा होगा। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

कई के नामों की घोषणा, गिनती देर रात तक जारी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कोटाबाग। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना देर रात तक जारी रही फिलहाल साम 8 बजे तक ग्राम प्रधान पद से नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों के नामों की घोषणा की गयी है। जिनमें बासी ग्राम सभा से प्रकाश सिंह बिष्ट ने सुरेंद्र सिंह को 138 मतों से हराया, कुन खेत ग्राम सभा लक्ष्मी आर्य ने सावित्री देवी को 162 मतों से हराया, नया पांडे गांव ग्राम सभा से हिरा सिंह बोरा ने उमेश तिवारी को एक मत से हराया, नाथुनगर ग्राम सभा से पुष्पा मनराल ने हेमा तिवारी को 336 वोटो से पराजित किया। बजूनियाहल्दु ग्राम सभा से ममता गर्जोला नंदी जोशी को 1991 मत, ग्राम सभा धापाला से पुष्पा कुमारी ने हेमा देवी को 96, ग्राम सभा पतलिया से भावना तिवारी ने शीला बिष्ट को 360, घुघु सिगड़ी

ग्राम सभा से विक्रम कुमार ने दीपक कुमार को 10, पांडेगांव ग्रामसभा प्रभा पांडे ने हेम चंद्र को 82, बगड़ मल्ला ग्राम सभा से पूरन चंद्र विजय कुमार को 65, गोरिया देव ग्राम सभा से मोहन सुयाल ने आनंद नेगी को 14, पतलिया ग्राम सभा से भावना तिवारी ने शीला बिष्ट को 360, ग्राम सभा सौड़ निशा बिष्ट ने 90 वोटों से ललिता को हराया। मेहरोड़ा ग्राम सभा से राजेंद्र चद्र ने गोरी शंकर को 12 मता, डौनपरेवा ग्राम सभा से दयाल सिंह ने 45, अमोठा ग्राम सभा से गीता देवी ने शालिनी देवी को 8, विद. रामपुर ग्राम सभा से किशोर देउपा ने कैप्टन पी एस बौरा 7, तलिया ग्राम सभा से चंदू सनवाल ने उमेश कबडवाल को 100, दोहनिया ग्राम सभा से प्रेमा देवी 218 मतों से विजय रहीं। इसी प्रकार चांदपुर ग्राम सभा से लक्ष्मी रावत ने कमलेश चौधरी को 21, पूरनपुर ग्राम सभा से राजू कर को 60, पूरनपुर ग्राम सभा से राजू कार्की से 80 मतों से परमजीत कौर विजयी रहीं। रतनपुर ग्राम सभा से आशा मेहरा ने प्रेमा देवी को 228, गुलजारपुर बंकी से अमिता बिष्ट की 713 मतों से बंपर जीत हुई। रामपुर ग्राम सभा से मोहन सिंह सैनी ने रमेश कम्बोज को 377, देवलचौड़ ग्राम सभा से नेहा पांडे 70 वोटों से जीतीं। ग्राम प्रधान प्रत्यासी रेखा बधानी पवलगढ़ से जीतीं। धमोला से ग्राम प्रधान प्रत्याशी रश्मि, ग्राम प्रधान प्रत्याशी पत्ता पानी से ममता रौतेला, गैबुआ ग्राम प्रधान प्रत्याशी गंगा बिष्ट, गिनती गांव से प्रधान प्रेमा बजवाल, भीमपुरी प्रधान वर्षा कुमारी, आंवलाकोट में ममता वर्मा, ग्राम प्रधान बाघनी, हरीश बधानी, छड़ा से बिपिन भट्ट ग्राम प्रधान चुने गए। वहीं, क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर बजुनियाहल्दू से मिनीता जोशी, तलिया से राहुल पंत, नोदा से विनीता बिष्ट, विदरामपुर से मनीषा जंतवाल, नाथुनगर से गीता तिवारी, ओखलढुंगा से रेखा, डौन परेवा से विनोद चंद्र, बगड़ से दीप चंद्र आर्या, सोड से शुभम बिष्ट, अमोठा से रमेश नैनवाल, घुघुसिगडी से मोहन सिंह अधिकारी, पतलिया से तरुण कुमार, आंवलाकोट से दीपा ढोड़ियाल, गिन्नती गांव से हरपाल सिंह, नयागांव से चंदन सिंह मनोहर लाल, रतनपुर स्वीटी कुमारी, कमोला से अपूर्वा बिष्ट, वहीं जिला पंचायत गुलजारपुर से अनीता आर्या, गैबुआ से अरनब कंबोज विजय हुए। खबर लिखे जाने तक मतों की गिनती जारी थी। तलिया से हेम नैनवाल आगे बढ़त बनाए हुए हैं।

रोटरी क्लब ने निभाया सामाजिक दायित्व

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रोटरी क्लब हल्द्वानी और महावीर सत्संग सभा हल्द्वानी ने नगर निगम कन्या इंटर कॉलेज, काठगोदाम में 'शिक्षा उदय प्रण' के तहत एक विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर विद्यालय की 155 छात्राओं और स्टाफ को नए वस्त्र एवं सहयोग राशि प्रदान की गई, जिससे सेवा अभियान की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन महापौर गजराज सिंह बिष्ट, रोटरी क्लब के अध्यक्ष मनोज शाह, बालकिशन अरोड़ा और इंदर भुटियानी ने संयुक्त रूप से किया। महापौर श्री बिष्ट ने रोटरी क्लब की सेवा भावना की सराहना की और उम्मीद जताई कि क्लब भविष्य में विद्यालय की आधारभूत संरचना और अन्य आवश्यकताओं में भी सहयोग करेगा। रोटरी क्लब के अध्यक्ष श्री शाह ने बताया कि 'हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट' के तहत इस विद्यालय को आगामी पांच वर्षों के लिए गोद लिया गया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय के समग्र विकास के लिए एक चरणबद्ध योजना तैयार की गई है, जिसमें शैक्षणिक, भौतिक और सांस्कृतिक सुधार शामिल होंगे। सभा के प्रतिनिधि श्री कुबेर भुटियानी ने सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे समाज के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस कार्यक्रम में शहर के प्रमुख प्रतिष्ठित व्यक्तियों और रोटरी क्लब सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें डा. प्रविंद्र रौतेला, आरपी सिंह, अशोक मित्तल, अनिल कर्नाटक, वीके शर्मा, वीके लाहोटी, आरआर आर्या, गिरीश बिष्ट, हरीश पाण्डेय, मन्नू भुटियानी सहित भुटियानी परिवार के सदस्य भी शामिल थे।

'भारत को जानो' प्रतियोगिता आयोजित

हल्द्वानी। भारत विकास परिषद द्वारा भारत को जानो सामान्य ज्ञान लिखित प्रतियोगिता कराई गयी। जिसमें 6500 बच्चों ने भाग लिया। शाखा अध्यक्ष दीपक बख्शी ने बताया कि भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन पूरे देश में किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपने देश, संस्कृति और समसामयिक विषयों के बारे में जानकारी प्रदान करना है। प्रतियोगिता में 30 मिनट की लिखित परीक्षा दी जाती है, जिसमें धर्म, संस्कृति, इतिहास, राजनीति, भूगोल, खेल, साहित्य, विज्ञान और समसामयिक विषयों पर आधारित प्रश्न होते हैं। प्रतियोगिता के संयोजक सीमा बख्शी, सौरभ अग्रवाल और अविनाश सेठी ने बताया कि अब नगर स्तरीय प्रश्न मंच का आयोजन शीघ्र ही किया जाएगा। इस मौके पर डा. अभिषेक मित्तल, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, मयंक मित्तल, अमित राजपाल, गीतू केसरवानी, एकता अग्रवाल थे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पुलिस मुठभेड़ में किसान का हत्यारोपी दबोचा

- पुलिस पर फायर झोंके, जवाबी कार्रवाइ, पैर में गोली लगी

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। पुलिस ने बुधवार देर शाम मुठभेड़ में किसान के हत्यारोपी निशान सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर दो राउंड फायर झोंके। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके बायें पैर में गोली लगी। इससे वह घायल हो गया। फिलहाल उसका सितारगंज उप जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मंगलवार देर शाम लगभग 7:30 बजे ग्राम सैजनी में निशान सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी ग्राम सैजनी ने आपसी कहासुनी में सुरजीत सिंह पुत्र धीर सिंह की को गोली मारकर हत्या कर दी थी। किसान सुरजीत नानकमत्ता के पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा के रिश्तेदार थे।

घटना के बाद से पुलिस की चार टीमें आरोपी की गिरफ्तारी में जुटी थीं। बुधवार देर शाम मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम गोठा से बसगर की तरफ जाने वाले रास्ते पर जब एक बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने पुन: उसको पकड़ने की कोशिश की तो बाइक सवार की ओर से फिर से फायरिंग की गई। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। इसमें बाइक सवार के बायें पैर में गोली लग गई। आरोपी की शिनाख्त निशान सिंह के रूप में हुई। उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा समेत पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसएसपी ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की। आरोपी निशान सिंह पर सितारगंज कोतवाली में गैंगस्टर, फिरौती के लिए अपहरण, आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे पंजीकृत हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे।

नाबालिग के अपहरण का इनामी आरोपी दबोचा

- तीन वर्ष से था फरार, 25 हजार का इनामी था घोषित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। स्पेशल टास्क फोर्स एवं रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने संयुक्त अभियान में एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर तीन वर्ष से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इस मामले में पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ आरबी चमोला के पर्यवेक्षण में एक टीम का गठन किया गया। एसटीएफ की कुमायूं यूनिट द्वारा कोतवाली रुद्रपुर पुलिस के साथ एक ज्वाइंट ऑपरेशन में 25000 रुपए के इनामी भगोड़े अपराधी अमरजीत कश्यप उर्फ अमर कश्यप पुत्र विजय कश्यप निवासी दूधियानगर रेशमवाड़ी रुद्रपुर को रुद्रपुर से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए इनामी की गिरफ्तारी के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री भुल्लर द्वारा बताया कि एसटीएफ की गठित टीम द्वारा पिछले ढाई माह से काम करते हुए अपने अथक प्रयास से उक्त अपराधी की गिरफ्तारी की गयी। गिरफ्तार अपराधी के विरुद्ध वर्ष 2021, 2022 में उत्तराखण्ड के रुद्रपुर थाने में मारपीट व झगड़े के दो मुकदमें दर्ज हैं। अभियुक्त वर्ष 2022 में रुद्रपुर से एक नाबालिक लड़की का अपहरण कर ले गया था और पूरे साढ़े तीन साल फरार रहा।

इस दौरान वह दिल्ली, मथुरा, महाराष्ट्र और गुजरात में छिपकर रहा था। आखिरकार टीम द्वारा उसे ट्रेस करते हुए ढूंढ निकाला गया और गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया।

उन्होंने बताया एसटीएफ को उक्त अपराधी के थाना रुद्रपुर क्षेत्र में होने का इनपुट मिला था। जिस पर कोतवाली रुद्रपुर पुलिस से सम्पर्क किया गया और कोतवाली रुद्रपुर पुलिस को साथ लेकर एक ज्वाइंट ऑपरेशन में क्षेत्र में पुलिस द्वारा जाल बिछाया गया और नाकेबन्दी घेराबन्दी करके अपराधी को गिरफ्तार किया गया तथा कोतवाली रुद्रपुर में ले जाकर दाखिल किया गया। कोतवाली रुद्रपुर में उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली एसटीएफ टीम में निरीक्षक एमपी सिंह, हेका. गोविन्द बिष्ट, संजय कुमार, सुरेन्द्र सिंह कनवाल,का– गुरवंत सिंह, दीपक भट्ट, कोतवाली रुद्रपुर पुलिस के प्रभारी निरीक्षक मनोज रतूड़ी, उप निरीक्षक चंदन बिष्ट, का. विजय दरमाल व दीपचंद शामिल थे।

एक नजर

मानसिक स्वास्थ्य विषय पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिला चिकित्सालय रुद्रपुर में प्रमुख अधीक्षक डा. आरके सिन्हा की अध्यक्षता में आशा कार्यकर्ताओं के साथ एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती तथा प्रसूता महिलाओं को होने वाली मानसिक समस्याओं के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान डा. ईश कुमार डल्ला द्वारा मानसिक स्वास्थ्य, विशेष रूप से गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान महिलाओं को होने वाली मानसिक परेशानियों, उनके लक्षण, रोकथाम एवं उपचार संबंधी जानकारी विस्तार से दी गई। उन्होंने बताया कि समय पर पहचान और सहयोग से मानसिक समस्याओं का सफलतापूर्वक समाधान किया जा सकता है। इस अवसर पर डा. मधु माथुर, संजय रावत, उमेश पाल, लक्ष्मी पोखरिया सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भी प्रतिभाग किया और अपने विचार साझा किए। प्रमुख अधीक्षक डा. सिन्हा ने आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समुदाय स्तर पर महिलाओं की मानसिक स्थिति को समझने और समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में आशाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जेसीज में हुआ गोस्वामी तुलसीदास का जन्मोत्सव समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जेसीज पब्लिक स्कूल रुद्रपुर में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आरडी शर्मा ने विद्यार्थियों को गोस्वामी तुलसीदास के जीवनवृत्त एवं श्रीरामचरितमानस के विद्यार्थी जीवन में महत्व के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि श्रीरामचरितमानस की सिद्ध चौपाइयों में जीवन की कठिन समस्याओं का समाधान मिलता है। उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की रचनाओं में भी समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं अंधाविश्वासों के विषय में बताया गया है तथा साथ-साथ उन्हें दूर करने का संदेश भी दिया गया है। विद्यार्थियों ने गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व और खूबियों पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस के महत्व और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिता के विषय में बताया। 9वीं कक्षा की छात्रा सोनल गंगवार ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास एक महान कवि, संत और भद्र थे तथा उनकी सबसे प्रसिद्ध रचना श्रीरामचरितमानस ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र को भारतीय जनमानस तक पहुंचाया है। कक्षा नौ की छात्रा आश्रेया पाण्डेय ने गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य श्रीरामचरित मानस का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि यह पवित्र ग्रंथ सदैव लोगों को प्रेरित करता है। उनके आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक विकास में सहायता करता है। कक्षा चार के विद्यार्थियों ने श्रीरामचरितमानस के दोहे और चौपाइयों का वाचन किया।

विद्यालय के निदेशक सुधांशु पन्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी अपने माता-पिता एवं गुरूजनों के वचनों के अनुयायी होकर ही अपने कर्म पथ पर अग्रसर होकर जीवन सफल बना सकते हैं।

एलएलएम परीक्षा में टॉपर रहे कुमार रजत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। चाणक्य लॉ कॉलेज रुद्रपुर के छात्र-छात्राओं द्वारा एलएलएम फाइनल सेमेस्टर की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर उच्च स्तरीय अंक प्राप्त कर एक बार फिर से सफलता की नई ऊंचाइयां प्राप्त की है। कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल द्वारा घोषित परीक्षाफल में कुमार रजत ने 90.25 प्रतिशत अंक हासिल कर कालेज मे प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर जैसमीन संधू 88.44 प्रतिशत के साथ रही और तृतीय स्थान पर छवि अग्रवाल 88.25 प्रतिशत अंको के साथ रही। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर कॉलेज के चेयरमैन एसपी सिंह एवं प्रबंध निदेशक रविंद्र सिंह बिष्ट द्वारा उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई। प्राचार्य डॉक्टर दीपाक्षी जोशी द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए कहा गया कि यह संस्थान द्वारा दी जा रही उच्च कोटि की शिक्षा का ही परिणाम है कि एलएलएम जैसी उच्च स्तरीय परीक्षा में शत प्रतिशत परीक्षार्थी सफल रहे हैं इस अवसर पर प्राध्यापक सलीम अहमद, अनिल कुमार, डा. आयशा अमीन प्रतिभा सिंह, डा. रुबीना, उपासना तिवारी, मनप्रीत कौर, डा. हरकमल कौर, दीपाली नबियाल, आकांशा रघुवंशी ने भी हर्ष व्यक्त किया।

मंडी गेट पर जलमग्न मार्ग की पटरी परेशानी का कारण बनी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिणाम जानने हेतु मंडी परिसर के गेट पर एकत्रित प्रत्याशियों के समर्थक जमकर कीचड़ में लतपथ हुए।

कृषि उत्पादन मंडी समिति के मुख्य द्वार के बाहर जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत, वार्ड सदस्य, ग्राम पंचायत अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों के समर्थक बड़ी संख्या में बाजेवाले गाजे, फूल मालाओं के साथ एकत्रित थे। जीत की घोषणा के बाद बाहर आने वाले विजयी प्रत्याशियों को फूल माला पहनाने वाले समर्थकों में होड़ सी मची रहती है। जीत की खुशी में जलमग्न खटीमा-पीलीभीत मार्ग की पटरी में लतपथ होते रहते थे। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का परिणाम जानने यहां पहुंचे विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थक कीचड़ में सनने पर मायूस मौजूदा व्यवस्था को कोसते रहते हैं। शासन- प्रशासन की अनदेखी के चलते बड़ी संख्या के समर्थक इस अवस्था से त्रस्त रहे।

पूर्व विधायक ठुकराल के पैतरे में फंसे रह गए सत्ता और विपक्ष के नेता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। खानपुर से सुषमा हालदार भारी वोटों से जीत, पूर्व विधायक राजकुमार ठकराल की मेहनत लाई रंग, लोगों ने किया खुलकर वोट, सुषमा और ठुकराल ने मतदाताओं / सहयोगियों का दिल से किया आभार व्यक्त।

22 खानपुर पूर्व जिला पंचायत सदस्य से पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल समर्थित सुषमा हालदार जीती। बीजेपी-कांग्रेस समर्थ प्रत्याशी को पीछे छोड़ चली सुषमा हालदार लगभग 8500 हजार वोट से जीत हासिल की है। पूर्व विधायक ठुकराल का जलवा कायम रहा। जनता ने खुलकर ठकराल को अपना आशीर्वाद दिया।

पालिकाध्यक्ष जोशी का कापड़ी के बयान पर पलटवार

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी ने कहा कि खटीमा का विधायक बनने के बाद भुवन चंद्र कापड़ी जी का एक ही काम विरोध व गलत बयान बाजी करना यह गया है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में गुरुवार को होने वाली मतगणना का कार्य सुचारु चल रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक कापड़ी विकास कार्य संपन्न कराने के बजाय हर समय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विरोध करने में लगे रहते है। हमेशा खटीमा के शांत प्रिय माहौल को खराब करने व बिगाड़ने का काम विधायक द्वारा कार्य किया जाता है।

प्रशासन मुस्तैदी से मतगणना कार्य कर रहे हैं। अगर किसी प्रकार की आशंका थी तो वह मौके पर समाधान करा सकते थे। हम कभी भी विधायक कापड़ी के इशारे पूरे नहीं होने देंगे। आरोप लगाकर अपने घर चले जाना इनकी पुरानी आदत बन चुकी है। विधायक कापड़ी चाहते हैं कि यहां का माहौल बिगड़े।

बलिदान दिवस पर शहीद ऊधम सिंह को किया याद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहीद ऊधम सिंह की शहादत को याद करते हुए बलिदान दिवस के रूप में भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला कार्यालय परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में नगर के जनप्रति. निधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए और उनकी अमर गाथा को नमन किया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, महापौर विकास शर्मा, उप जिलाधिकारी गौरव पाण्डेय, सीएमओ डा. बलवीर सिंह, नगर आयुक्त सहित कई विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों ने शहीद ऊधम सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया। इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने कहा कि शहीद ऊधम सिंह जैसे वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की आजादी का मार्ग प्रशस्त किया। उनकी कुर्बानी भारतवर्ष की आत्मा में रची-बसी है। ऊधम सिंह का जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण और अत्याचार के खिलाफ अदम्य साहस का प्रतीक है। ऐसे क्रांतिकारी योद्धा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। महापौर ने युवाओं से अपील की कि वे शहीदों के बताए रास्ते पर चलते हुए देशहित में कार्य करें। उन्होंने कहा कि केवल राष्ट्रभक्ति के नारों से नहीं, बल्कि अपने कर्मों और कर्तव्यों के माध्यम से देश के लिए कुछ कर दिखाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद ऊधम सिंह ने जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेकर न केवल क्रांतिकारी इतिहास रचा बल्कि भारतीयों की आत्मा को भी गौरवान्वित किया। आज जो हम आजाद भारत में खुले आसमान में सांस ले रहे हैं, उसका श्रेय उन्हीं बलिदानियों को जाता है। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को शहीदों के सपनों का भारत बनाने के लिए प्रेरित होकर आगे आना होगा। केवल तकनीकी विकास ही नहीं, सामाजिक और नैतिक मूल्यों की स्थापना भी जरूरी है। इस मौके पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने संकल्प लिया कि शहीदों की कुर्बानी को भुलाया नहीं जाएगा और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जाएगा।

मतगणना के दौरान विजय क्षेत्र पंचायत सदस्य को उठाने का आरोप

- भाजना नेता प्रीत ग्रोवर से मारपीट
- रुद्रपुर विधायक शिव व गदरपुर विधायक पाण्डेय आमने सामने
- हालात बेकाबू, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर/गदरपुर। पंचायत चुनाव की मतगणना के दौरान विजय हुए क्षेत्र पंचायत सदस्य को उठाने के मामले में रुद्रपुर विधायक शिव अरा. रा और गदरपुर विधायक अरविंद पांडे के समर्थक आमने सामने हो गए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। दोनों के बीच तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप का दौर कैमरों के सामने चला, जिससे भाजपा की अंदरूनी कलह सतह पर आ गई।

मतगणना के दौरान मतगणना स्थल के बाहर उस समय खलबली मच गई जब मतगणना स्थल नवीन अनाज मंडी के बाहर क्षेत्र पंचायत सदस्य के जीते हुए प्रत्याशी को उठाने को लेकर दो पक्षों में तीखी बहस हो गई। भाजपा नेता प्रीत ग्रोवर पर एक व्यक्ति द्वारा किसी बात को लेकर हमला कर दिया गया। जिसके बाद मौके पर मौजूद भाजपा व कांग्रेस के कार्यकर्ता भी आपसी तकरार के पश्चात मारपीट पर उतारू हो गए। मामले की जानकारी मिलते ही भाजपा के रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा व गदरपुर के विधायक अरविन्द पाण्डे भी वहां पर आ गए। दोनों में तीखी नोंकझोंक होने पर पुलिस अधिकारी सक्रिय हो गए और उनके निर्देश पर पुलिस ने वहां मौजूद लोगों को भगाने के लिए उन पर लाठियां भांजनी शुरू कर दी। बताया जाता है कि इसमें प्रीत ग्रोवर आदि को चोटें आ गई। जहां एक ओर विधायक शिव अरोरा का आरोप है कि हमलावर एक आपराधिक किस्म का भूमाफिया व्यक्ति है जिस पर कई आपराधिक मुकदमें चल रहे हैं। उनका कहना था कि पुलिस एवं मीडिया की मौजूदगी में भाजपा कार्यकर्ता प्रीत ग्रोवर से अभद्रता कर उन पर हमला किया गया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा के ही विधायक अरविंद पाण्डे का कहना था कि कोई मारपीट नहीं हुई है। सभी भाजपा के ही कार्यकर्ता हैं। आपस में बैठ कर मामला सुलझा लिया जाएगा। साहब सिंह निवासी श्रीरामपुर ने बताया कि उनके साथी गगनदीप के साथ धक्का मुक्की की गई है। पुलिस भी उन लोगों को परेशान कर रही है। पुलिस अधिकारी विधायक शिव अरोरा और उनके समर्थकों के साथ ही विधायक अरविन्द पाण्डे व उनके कार्यकर्ताओं को समझाने में लगे रहे। कार्यकर्ता जब आपस में उलझने लगे तो थानाध्यक्ष राजेश पाण्डे की अगुवाई में पुलिसकर्मियों ने लाठियां भांजकर नियमों का हवाला देते हुए उन्हें मतगणास्थल से काफी दूर तक धकेल दिया। यह मामला राजनैतिक गलियारे में सुर्खियां बना हुआ है। क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे ने कहा कि पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए हल्का बल प्रयोग किया है। प्रभारी निरीक्षक जसवीर चौहान, निरीक्षक राजेश पांडे सहित उनकी टीम ने ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू करना और भीड़ को पीछे हटने का कार्य किया। मामले में पुलिस के आलाधिकारी नजर बनाए हुए हैं।

फिलहाल इस घटना ने भाजपा की अंदरूनी राजनीति को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। खासकर तब जब पंचायत चुनाव के नतीजे आने वाले हैं।

पार्टी की छवि पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। दूसरी ओर विपक्षी दलों को इस पूरे विवाद से राजनीतिक मुद्दा मिल गया है। गदरपुर की यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था के लिहाज से गंभीर है, बल्कि यह भाजपा की संगठनात्मक अनुशासन पर भी सवाल खड़ा करती है। देखना यह होगा कि पार्टी और प्रशासन इस विवाद से कैसे निपटते हैं और दोषियों को क्या सजा मिलती है। वहीं जिलाधिकारी नितिन भदौरिया और एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और प्रशासनिक अफसरों को निर्देश दिए कि कोई भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ न कर सके। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गहमा–गहमी के बीच शुरू हुई मतगणना

शिमला पिस्तौर से निवर्तमान ब्लाक प्रमुख ममता जल्होत्रा ने 1500 से अधिक वोटों से दर्ज की जीत

- महिला प्रत्याशियों ने जीत के साथ मतगणना का किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव के दो चरणों में सम्पन्न हुए मतदान के बाद भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रात: से मतगणना का कार्य प्रारम्भ हुआ। जिसमें चुनाव परिणाम की घोषणा के साथ साथ विजयी होने वाले प्रत्याशियों व उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ने लगी। मतगणना केन्द्र के बाहर समर्थकों ने अपने विजयी प्रत्याशियों को मालायें पहनाकर जोरदार स्वागत किया और ढोल की थाप पर जमकर नृत्य भी किया।

रामपुर मार्ग पर पीएम श्री अटल उत्कृष्ट आदित्य नाथ झा राजकीय इंटर कालेज में बनाए गए मतगणना केन्द्र पर जिलाधिकारी नितिन भदौरिया व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा की देखरेख में चुनाव अधिकारियों द्वारा प्रात: 8 बजे से रुद्रपुर ब्लाक क्षेत्र की जिला पंचायत की 4, प्रधान पद की 42, क्षेत्र पंचायत पद की 40 व वार्ड सदस्यों के 442 पदों के लिए मतगणना का कार्य प्रारम्भ किया गया। चुनाव परिणाम में शिमला पिस्तौर से निवर्तमान ब्लाक प्रमुख ममता जल्होत्रा ने 1500 से अधिक वोटों से जीत दर्ज की। शांतिपुरी क्षेत्र से क्षेत्र पंचायत सदस्य के रूप में गंगा देवी बिष्ट तो शांतिपुरी नम्बर 3 व 4 से ग्राम प्रधान के रूप में बाचूनी देवी बिष्ट विजयी घोषित हुई। ग्राम सभा खमिया नं. 3 व 4 से बीडीसी सदस्य पद पर गंगा तारा विजयी रहीं। ग्राम सभा जहवार नगर से प्रधान पद पर तारा पाण्डेय विजयी रही। ग्राम सभा शांतिपुरी नंबर 3 व 4 से प्रधान पद पर बचुली देवी ने परचम लहराया। ग्राम पंचायत तुर्कागोरी में कु. रोली 378 मत लेकर विजयी रही। खमिया नं. दो में कविता तिवारी 845 वोट लेकर विजयी रही। गडरिया बाग में शशिकला यादव 664 वोट लेकर विजयी रही।

सितारगंज अंतर्गत ग्राम सभा सुरेन्द्र नगर में ग्राम प्रधान पद पर सुमन विजयी रही। गुरुग्राम में विटिका मिस्त्री ने ग्राम प्रधान पद पर बाजी मार ली। जबकि गोविंदनगर में साधना राय विजेता घोषित हुई। मतगणना केन्द्र के बाहर शांति व्यवस्था बनाये रखने व यातायात सुचारू रूप से जारी रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

हज्जन नरगिस और हाजी शकील ने दर्ज की जीत

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्राम शक्तिनगर पुछड़ी क्षेत्र में हज्जन नरगिस को 915 और मैनाज को 737 वोट पड़े। यहां पर हज्जन नरगिस और हाजी शकील अहमद अंसारी ने जीत हासिल की।पिछली बार भी शक्तिनगर पुछड़ी सीट पर हज्जन नरगिस ने ही जीत दर्ज की थी। हज्जन नरगिस और प्रधान प्रतिनिधि हाजी शकील अहमद अंसारी ने बताया कि यह जीत जनता की जीत है।विकास के बल पर शक्तिनगर पुछड़ी क्षेत्र की जनता ने उन्हें एक बार फिर मौका दिया है।कहा कि जीत का श्रेय वह जनता को देना चाहते हैं।उन्होंने कहा कि वह जनता के भरोसे को टूटने नहीं देंगे और क्षेत्र में लगातार विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किया है और ना ही करेंगे।सबका साथ और सबका विकास के बल पर लगातार विकास कार्य किया जाएगा।

कड़े सुरक्षा प्रबंधन एवं शांतिपूर्वक संपन्न हुई मतगणना

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव की मतगणना आज कड़े सुरक्षा प्रबंधन के बीच शुरू हुई।चंपावत,लोहाघाट पाटी एवं बाराकोट में सुबह 8:00 बजे से शुरू हुई मतगणना बेहद कड़ी एवं सुअवस्थित सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू की गई। जिसमें डेढ़ घंटे बाद से मतदान पेटियों से ग्राम प्रधान बाद में इसके कुछ देर बाद बीडीसी सदस्य निकलने लगे। विजई प्रत्याशियों के समर्थकों ने जमकर होली, दिवाली जैसी खुशियां मनाई जाने लगी।मतगणना स्थल से 200 मीटर के दायरे में किसी बाहरी व्यक्ति को घुसने की इजाजत नहीं थी। उपजिला निर्वाचन अधिकारी डॉ जीएस खाती एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी एसएस राणा सुबह से ही अंतिम समय तक लोहाघाट मतगणना केंद्र में डेरा डाले हुए थे।

जिलाधिकारी मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अजय गणपति दिनभर चारों ब्लॉकों में मतगणना केंद्रों में बराबर निगरानी करते रहे। पुलिस के सामने आज चुनाव परिणाम आने के बाद पैदा होने वाली गुटीय संघर्ष से निपटने की भी भारी जिम्मेदारी थी। जिन स्थानों में ऐसी संभावना बनी हुई थी वहां के विजई प्रत्याशियों को उन्हें सुरक्षित घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी।चारों ब्लॉकों में जिला पंचायत सदस्यों की मतगणना तो हुई लेकिन विजई प्रत्याशियों का प्रमाण पत्र जिला पंचायत के आरओ विमल सूठा द्वारा चंपावत में जारी किए गए।

सबसे पहले 5:30 बजे बाराकोट ब्लॉक की मतगणना का कार्य संपन्न हुआ। चुनाव प्रेक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि दूसरे चरण में चंपावत ब्लॉक में लगभग 8:00 बजे मतगणना का कार्य संपन्न हुआ। जबकि प्रथम चरण के चुनाव प्रेक्षक त्रिलोक सिंह मर्तोलिया के अनुसार लोहाघाट एवं पाटी ब्लॉक में शाम 7:30 बजे तक मतगणना का कार्य जारी रहा। निर्वाचित सभी प्रतिनिधियों को देर शाम प्रमाण पत्र जारी किए गए। चुनाव परिणामों को लेकर मतगणना केंद्र के 200 मीटर के दायरे में लोगों की भारी भीड़ एकत्रित थी। विजई प्रत्याशियों को उसी वक्त प्रमाण पत्र न मिलने से उन्हें मतगणना समाप्त होने तक का इंतजार करना पड़ा।

विजयी ग्राम प्रधान पर हमला, कई घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में ग्राम टांडा मल्लू में विजयी ग्राम प्रधान सोनिया पुत्री अब्दुल सब्बार के विजयी जुलूस में कुछ लोगों द्वारा धारदार हथियारों और लाठियो से हमले के कारण अब्दुल सब्बार, उनके भाई सहित एक दर्जन लोग घायल हो गए घायलों को उपचार के लिए ब्रजेश हॉस्पिटल व सरक.ारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जिसमें इकराम हुसैन पुत्र अनवर हुसैन,सरफराज पुत्र सरताज निवासी टांडा,

आसिफ पुतुल अनवर हुसैन निवासी टांडा, सोनी, शाहिद, शहनाज और हारून अंसारी आदि लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

एसएसआई मनोज नयाल ने बताया कि चुनावी रंजिश के तहत दो पक्षों में मारपीट हो गई।जिसमें कुछ लोग घायल हो गए हैं। जिनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एक नजर

श्वेता बिष्ट ने 61 वोटो से जीती

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्राम शंकरपुर भूल से विधायक पुत्रवधू श्वेता बिष्ट ने 61 वोटो से जीत हासिल की है।श्वेता बिष्ट ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी की बहन नीमा नेगी को हराया है।यह सीट सबसे हॉट सीट मानी जा रही थी।श्वेता बिष्ट ने यह सीट दूसरी बार जीती है।इससे पहले भी वह इसी सीट से क्षेत्र पंचायत सदस्य थी।

विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने इसका श्रेय क्षेत्र की जनता को दिया है।उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में उनकी पुत्रवधू और पुत्र ने जनता के बीच रहकर विकास किया है और आगे भी लगातार विकास कार्य किया जाएगा।

वन्यजीवों की सुरक्षा और मानव वन्यजीव संघर्ष को लेकर किया जागरुक

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कार्बेट टाइगर रिजर्व की बिजरानी, सर्पदुली रेंज,सुरक्षा इकाई , रामनगर वन प्रभाग की कोसी रेंज एवं स्थानीय पुलिस टीम द्वारा आपरेशन मानसून के अंतर्गत वन एवं वन्यजीवो की सुरक्षा और मानव वन्यजीव संघर्ष रोकने को लेकर संयुक्त फ्लैग मार्च किया गया।मानसून सत्र में वन एवं वन्यजीव सुरक्षा सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत ऑपरेशन मानसून कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

इसी क्रम में कार्बेट के डायरेक्टर डॉ० साकेत बडोला के दिशा-निर्देशों एवं डिप्टी डायरेक्टर राहुल मिश्रा के मार्गदर्शन और पार्क वार्डन अमित कुमार के नेतृत्व में वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी किये जाने के उद्देश्य से कार्बेट टाइगर रिजर्व की बिजरानी, सर्पदुली, सुरक्षा इकाई, रामनगर वन प्रभाग की कोसी रेंज और पुलिस बल के साथ एक संयुक्त फ्लैग मार्च किया गया।बिजरानी रेंज के रेंजर भानु प्रकाश हर्बोला के नेतृत्व में बिजरानी, सर्पदुली रेंज एवं सुरक्षा इकाई, कार्बेट टाइगर रिजर्व एवं रामनगर वन प्रभाग की कोसी रेंज के अधिकारी और कर्मचारी गर्जिया वन परिसर में एकत्रित हुए।रेंजर भानु प्रकाश हर्बोला,रेंजर संजय कुमार पाण्डे और सुरक्षा इकाई द्वारा फ्लैग मार्च के उद्देश्य से अवगत कराते हुए वर्षाकाल में होने वाली अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने एवं उन्हें विफल करने के लिए निर्देशित किया गया गया। वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रेरित कर उन्हे कार्बेट टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा के तहत विशेष सघन गश्त आदि करने के लिए निर्देशित किया गया।गर्जिया चौकी से स्टाफ लदुवा, रिंगौड़ा, आमडण्डा, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-309 और स्थानी रेलवे स्टेशन होते हुये, चोरपानी, कानियाँ, हिम्मतपुर डोटियाल क्षेत्र के भाग का सघन चौकिंग करते हुए सांवल्दे वन परिसर पहुँचा। इस दौरान स्थानीय ग्रामवासियों के मध्य जगह-जगह रूक कर स्थानीय लोगों से वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में सहायता करने के लिए आग्रह किया गया। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचित करने के लिए कहा गया।

टीम द्वारा उक्त फ्लैग मार्च के दौरान स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप टेण्ट लगाकर रह रहे घूमन्तु समुदाय के लोगों से भी पूछताछ की गयी। स्थानीय ग्रामवासियों से क्षेत्र में किसी नये व्यक्ति की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल उसकी सूचना निकटतम वन चौकी में देने के लिए भी आग्रह किया गया।सांवल्दे चौकी पहुँचने पर वन कर्मियों को रेंजर भानु प्रकाश हर्बोला द्वारा सम्बोधित किया गया।वन कर्मियों को वन एवं वन्यजीवों के महत्व को समझाते हुए वन एवं वन्यजीव सुरक्षा में पूर्ण सर्तकता एवं निगरानी बरतने के लिए अपील की गयी। स्टाफ को रेंज सीमाओं में स्थित विभिन्न ग्रामों, डेरों, खत्तों आदि में रह रहे बाहरी संदिग्ध व्यक्तियों से सम्बन्धित इन्टैलिजेन्स प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया गया।इस दौरान रेंजर भानु प्रकाश हर्बोला,रेंजर संजय कुमार पाण्डे, धर्मपाल सिंह नेगी,रमन सिंह, मानसी अरोरा,प्रमोद सत्यवली, कृष्ण चन्द्र पन्त, मोहन चन्द्र उप्रेती आदि मौजूद रहें।

भाजपा समर्थित प्रत्याशी ने भाजपा के पूर्व विधायक की बेटी को किया पराजित

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। जिले की सर्वाधिक हॉट एवं प्रतिष्ठा से जुड़ी पाटन पाटनी जिला पंचायत सीट में भाजपा समर्थित सचिन जोशी की पत्नी सुनीता जोशी ने रिकॉर्ड वोटो से अपनी जीत दर्ज कर पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल की बेटी सुष्मिता को भारी मतों से हराकर यह सीट अपने नाम कर ली है।

यह इत्तफाक था कि वर्ष 2008 में जब सचिन पीजी कॉलेज के 22 वर्षीय छात्र थे तो सभी छात्रों ने उनकी सेवा को देखते हुए उन्हें अपने कंधों में उठाकर इसी सीट से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ाया था। जिसमें उन्होंने पूर्व विधायक की पत्नी को हराकर वह सुर्खियों में आए थे।

सरकारी आदेश बने सस्ता गल्ला विक्रेताओं के गले की हड्डी

- माने तो राशनकार्ड धारक नाराज न माने तो पूर्ति विभाग का डंडा

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेता असमंजस की स्थिति में हैं कि सरकारी आदेश माने तो राशनकार्ड धारक मारने मरने को तैयार हैं और सरक.ारी आदेश न माने तो पूर्ति विभाग उनके खिलाफ कारवाई करने को तैयार बैठा है। सरकार के तुगलकी फरमान से सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं में सरकार के खिलाफ रोष बना हुआ है।

मुफ्त का सरकारी राशन खाने वाले राशनकार्ड धारकों के लिए सरकार की ओर से सरकारी सस्ता गल्ला डिपो पर बिक्री के लिए मलका दाल,मडुआ तथा नमक अनिवार्य किया गया है परन्तु मुफ्त का सरकारी राशन खाने वालों को यह आदेश हजम नहीं हो रहा है। मुफ्त का सरकारी राशन खाने की आदत डाल चुके राशनकार्ड धारक नमक,मडुआ तथा मलका दाल खरीदने से इन्कार कर रहे हैं। जिंससे राशनकार्ड धारकों एवं सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं में तकरार बढ़ते बढ़ते मारपीट की स्थिति तक पहुंच गई है। नगर के कई सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने बताया की सरकार की ओर से मुफ्त में राशन लेने वालों के लिए सरकार की ओर से बिक्री के लिए हर माह डिपो होल्डरों को प्रति राशन कार्ड धारक को दो किलो नमक,दो किलो मडुआ तथा एक किलो मलका दाल बेचना अनिवार्य किया गया है लेकिन राशन कार्ड धारक नमक,मडुआ तथा मलका दाल खरीदने से स्पष्ट मना कर रहे हैं। जिससे राशन कार्ड धारकों और डिपो होल्डरों में तकरार बढ़ते बढ़ते मारपीट के रूप में बदलने की स्थिति में आ गई है।

सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं में सरकार के निर्णय जिसमें नमक ,मलका दाल एवं मडुआ राशनकार्ड धारकों को बेचने के लिए डिपो होल्डरों को मजबूर किया जा रहा है के कारण डिपो होल्डरों में सरकार के प्रति रोष बढ़ता जा है। डिपो होल्डरों का कहना है कि वह असमंजस की स्थिति में है कि सरकारी आदेश माने तो राशनकार्ड धारक मारने मरने को तैयार है परन्तु नमक, मडुआ तथा मलका दाल खरीदने को तैयार नहीं है और सरकारी आदेश न माने तो पूर्ति विभाग उनके खिलाफ कारवाई करने को तैयार बैठा है। इस स्थिति से डिपो होल्डर मानसिक तनाव में हैं।

नमक, मलका दाल की क्वालिटी बेहद घटिया

राशनकार्ड धारकों का आरोप है कि सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं के यहां उपलब्ध नमक, मलका दाल बेहद घटिया क्वालिटी की है जो खाई नहीं जा सकती है। उच्च कोटि का नमक व मलका दाल उपलब्ध हो तो खरीदने में कोई आपत्ति नहीं है।

राशनकार्ड धारकों का कहना है कि रही बात मडुआ की तो सरकार को सोचना चाहिए कि तराई क्षेत्र में मडुआ कौन खाता है, पर्वतीय क्षेत्रों में मडुआ खाया जाता है तो तराई के राशनकार्ड धारकों को मडुआ जबरदस्ती खरीदने पर सरकार मजबूर नही कर सकती है। जब राशनकार्ड धारकों से हमारे संवाददाता ने जानकारी चाही तो उनका आरोप है कि सरकारी सस्ता गल्ला डिपो पर निम्न क्वालिटी का नमक, मडुआ तथा मलका दाल है उसे खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है जो अनुचित है इसी को लेकर राशनकार्ड धारकों एवं डिपो होल्डरों में तकरार बढ़ रही है जो कभी भी गम्भीर स्थिति पैदा कर सकती है।

कोतवाल ने मीडिया कर्मियों से की बदसलूकी

- आरओ से मतगणना अपडेट मांगने पर बौखलाए कोतवाल
- मीडिया कर्मियों को मारा धक्का, मुक.दमा दर्ज करने की दी धमकी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। पीलीभीत रोड स्थित कृषि मंडी समिति परिसर में प्रातः 8 बजे से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना चल रही थी। मतगणना स्थल के पास मीडिया सेंटर बनाया गया था। वहीं प्रशासन द्वारा मीडिया सेंटर पर मतगणना अपडेट उपलब्ध कराने की बात कही गई थी लेकिन प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक चली मतगणना के बाद भी जब मीडिया सेंटर पर अपडेट उपलब्ध नहीं कराया गया तो मीडिया कर्मी आरओ से मतगणना अपडेट की मांग कर रहे थे। इसी दौरान बौखलाए कोतवाल मनोहर सिंह दसौनी ने मीडिया कर्मियों के साथ बदसलूकी करते हुए धक्का मुक्की शुरू कर दी। उग्र हुए कोतवाल ने खटीमा के वरिष्ठ पत्रकार केदार सोनकर जो काफी लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे हैं उनके साथ बदसलूकी और अभद्रता करते हुए धक्का मार कर नीचे गिरा दिया। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की भी धमकी दे डाली। वहीं घटना को लेकर मीडिया कर्मियों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। वहीं समस्त मीडिया कर्मियों ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ कोतवाल द्वारा की गई बदसलूकी और अभद्रता की कड़ी निंदा करते हुए कोतवाल के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। वहीं मीडिया कर्मियों ने मुख्यमंत्री से मिलकर इस घटना को उनके संज्ञान में लाने की बात कही।

इस दौरान धीरेंद्र मोहन गौड़, दीपक फुलेरा, स्वतंत्र प्रकाश आजाद, खड़क सिंह गैड़ा, अनीस अहमद, ,ओम प्रकाश मौर्य, कृति रुमाल, करन सतवाल, असद जावेद, जितेंद्र पारूथी, गुरदीप सिंह गगन, मुस्तकीम मलिक, सूरज सिंह गुसाईं, गोरख नाथ, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने कहा कि यदि पुलिस द्वारा किसी पत्रकार के साथ अभद्रता की गई है तो इसकी हम घोर निंदा करते हैं। घटना की जानकारी होने पर मैंने उच्च अधिकारियों से वार्ता की है तथा जो दोषी हैं उनके खिलाफ कार्यवाही की बात कही है। पत्रकार बंधुओ का हमेशा से उच्चित सम्मान बना था, बना है और बना रहना चाहिए। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकार हमारी रीढ़ की हड्डी है।

भाजपा हमेशा पत्रकारों का सम्मान करती रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी हमेशा पत्रकारों के हितों की बात करते आए हैं। इस बारे में मुख्यमंत्री धामी को भी अवगत कराया जाएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कराने की हम कोशिश करेंगे।

मत पेटियों से निकली गांव की सरकार, प्रत्याशियों में उत्साह

- सुरक्षा को लेकर किए गए कड़े इंतजाम
- विधायक दीवान सिंह बिष्ट की बहू श्वेता बिष्ट ने बीड़ीसी के चुनाव में जीत दर्ज की है
- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संपन्न हुई मतगणना

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में पंचायत चुनाव की मतगणना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लगातार जारी है। मत पेटियों की गांव की सरकार निकल कर आ गई है। रामनगर में अब तक 12 प्रधान व 10 बीड़ीसी के नतीजे आ गए हैं। तीसरे चरण की मतगणना चल रही है। देर रात 12 बजे तक सभी नजीते आ सकते हैं।

सुबह आठ बजे से शुरू मतगणना के नतीजे दस बजे आने शुरू हो गए थे। इसी के साथ क्यारी से नवीन सती,टेडा राशि रावत,भलोन धर्मेंद्र कुमार,पाटकोट रमेश चंद्र,चुकुम -सौरभ कुमार,नाथूपुर इंदु लटवाल,गजपुर छोई सुरेश बिष्ट,पूछड़ी नरगिस, मंगलार हेमंत बिष्ट,ढिकुली खष्टी देवी,कठियापुल जसकरण सिंह व चिलकिया तनुप्रिया ने प्रधानी जीती है। वहीं अब तक भूपेंद्र कुमार किशनपुर छोई, मोरध्वज लटवाल नाथूपुर,भावना रावत पूछड़ी, जस्सागांजा रामसिंह जलाल, हंसी जलाल दयारामपुर टांडा,सुमन रावत ढिकुली,तेल.ीपुरा से बीडीसी मुदस्सिर मलिक,अजय पाटकोट, संजय नेगी निर्विरोध टेढ़ा व श्वेता बिष्ट शंकरपुर भूल से बीड़ीसी का चुनाव जीती है। वहीं विधायक दीवान सिंह बिष्ट की बहू श्वेता बिष्ट ने बीड़ीसी के चुनाव में जीत दर्ज की है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी की दीदी नीमा नेगी से उनका कांटे का मुकाबला हुआ। पहले राउंड में नीमा नेगी आगे रही, विधायक की बहू ने आखिरी राउंड में 61 वोटों से जीत दर्ज की है। वह ब्लॉक प्रमुख की दावेदार है।

शहर से सटे शंकरपुर भूल विधायक का गांव है। यहां पर विधायक दीवान सिंह बिष्ट के आवास होने के साथ ही उनके रिश्तेदार भी रहते हैं। उनकी बहू श्वेता बिष्ट इससे पहले भी यहीं से बीड़ीसी रह चुकी है। इस बार भी बीड़ीसी का चुनाव लड़ी। पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने भी अपने दीदी नीमा नेगी को शंकरपुर भूल से चुनाव लड़ाया। रामनगर की यह सीट सबसे अधिक लोक.प्रिय बन गई थी। शुरूआती रुझानों में संजय नेगी की दीदी आगे रही। कई राउंड तक श्वेता बिष्ट पीछा करती देखी। लेकिन आखिरी राउंड में श्वेता बिष्ट ने नीमा नेगी को 61 वोटों से हरा दिया। बताया जा रहा है कि श्वेता भाजपा से ब्लॉक प्रमुख की दावेदार हैं। वह जल्द ही वरिष्ठ नेताओं के सामने अपनी दावेदारी पेश करेंगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार आनंद ने दर्ज की जीत

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। जिला पंचायत की गरसाड़ी सीट से भाजपा प्रत्याशी आनंद अधिकारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी दीपक जोशी को भारी मतों से परा.जित कर अपने लिए जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी में पहुंचने का रास्ता खोल लिया है। आनंद को 5,555 तथा उनके प्रतिद्वंद्वी दीपक जोशी को 1,199 मत मिले। ताजा चुनाव परिणामो के अनुसार आनंद के अधिकांश समर्थक जिला पंचायत सदस्य चुने गए हैं। 15 सदस्यीय जिला पंचायत में इनके तीन समर्थक पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

उत्तराखंड के प्रमुख राजकीय ठेकेदार दिलीप सिंह अधिकारी के बेटे आनंद अधिकारी किस मुहूर्त में पहली बार चुनाव मैदान में उतरे हैं,कि सारी परिस्थितिया शुरू से ही उनके अनुकूल चल रही है। आनंद के घोर परिवा.रिक प्रतिद्वंदी भाजपा के पूर्व विधायक रहे हैं,जो वर्तमान में भी आनंद की राह में बहुत बड़ा अवरोध बने हुए थे।लेकिन उनकी बेटी सुष्मिता को मिली करारी हार के कारण अब आनंद की कटीली राह और आसन हो गई है।

प्रॉपर्टी डीलर पर चलाई गोली, फिर थाने पहुंचा आरोपी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में उस वक्त दहशत का माहौल पैदा हो गया। जब कार सवार एक बदमाश ने पिस्टल निकालकर प्रॉपर्टी डीलर पर तान दिया और दो राउंड फायरिंग कर दहशत का माहौल पैदा कर दिया। इससे पहले ही पुलिस अभियुक्त की खोजबीन करती। खुद अभियुक्त लाइसेंसी पिस्टल लेकर थाने पहुंच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार फुलसुंगी थाना ट्रांजिट कैंप निवासी पवन गंगवार प्रॉपर्टी डीलर है और उनका चौराहे पर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से कार्यालय भी है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की दोपहर प्रॉपर्टी डीलर अपने कार्यालय में थे कि तभी एक कार कार्यालय के सामने रूकती है और दो व्यक्ति कार से उतरकर कार्यालय पहुंचते है। बताया जा रहा है कि प्रॉपर्टी प्रकरण को लेकर आरोपी व पवन के बीच गहमागहमी हो जाती है और जैसे ही प्रॉपर्टी डीलर ने अभियुक्तों को लताड़ लगाकर कार्यालय से बाहर जाने को कहा। बस क्या था आवेश में आए एक व्यक्ति ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाली और पहली गोली कार्यालय के अंदर ही चला डाली और जब वहां मौजूद लोग पकड़ने की कोशिश करते। तभी अभियुक्त बाहर की ओर निकला और प्रॉपर्टी डीलर पर पिस्टल तानते हुए दूसरा फायर हवाई कर डाला। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए और सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पहुंची। अभी पुलिस घटना की तफ्तीश कर ही रही थी कि पता चला कि गोली चलाने वाला आरोपी खुद ही थाना ट्रांजिट कैंप पहुंचा और गोली चलाने का मुख्य आरोपी बताया। जिसे देखकर वहां तैनात पुलिस भी हैरान रह गई और अभियुक्त को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी है। गोली कांड की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है।

केदारनाथ यात्रा दूसरे दिन भी रही बंद, जंगलों से निकाले गए यात्री

- गौरीकुंड शटल पार्किंग और मनकुटिया मंदिर के बीच हो रहा भूस्खलन,केदारनाथ धाम में दो दिनों से विद्युत आपूर्ति बाधित, गौरीकुंड में फंसे सभी तीर्थयात्रियों को भेजा गया सोनप्रयाग,

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की यात्रा दूसरे दिन भी बंद रही। रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे के सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच मलबा और बोल्डर आने से आवाजाही पूर्ण रूप से बंद पड़ी हुई है, जबकि पैदल मार्ग के मुनकटिया में भी लगातार भूस्खलन हो रहा है, जिस कारण तीर्थयात्रियों की परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। राजमार्ग को खुलने में कितना समय लगेगा, यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। एनएच विभाग की मशीने राजमार्ग को दुरूस्त करने में जुटी हुई हैं, जबकि गौरीकुंड में फंसे सभी तीर्थयात्रियों को जंगलों के रास्ते निकालकर सोनप्रयाग पहुंचा दिया गया है। सोनप्रयाग में बैरियर लगाकर किसी भी तीर्थयात्री को केदारनाथ की ओर नहीं भेजा जा रहा है।

पहाड़ों में मानसूनी बारिश के साथ ही भूस्खलन का दौर जारी है और लगातार बारिश व भूस्खलन होने से परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। बारिश व भूस्खलन का सबसे बुरा असर केदारनाथ धाम की यात्रा पर पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी केदारनाथ धाम की यात्रा पूर्ण रूप से बंद रही, जबकि रेस्क्यू अभियान जारी रहा। केदारनाथ धाम में विद्युत आपूर्ति भी दो दिनों से ठप पड़ी हुई है। गौरीकुंड में फंसे सभी तीर्थ यात्रियों का रेस्क्यू पूर्ण हो चुका है।

रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे के सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच बंद मार्ग को खोलने में अभी समय लग सकता है। राजमार्ग पर लगातार भूस्खलन हो रहा है। केदारनाथ धाम जाने के लिए सोनप्रयाग पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों को वापस भेजा जा रहा है।पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने बताया कि बीते मंगलवार की सांय गौरीकुण्ड से सोनप्रयाग की तरफ करीब डेढ़ किलोमीटर दूरी पर पहाड़ी से सड़क पर बोल्डर्स, मलबा, पत्थर आने से सड़क मार्ग व पैदल मार्ग आवागमन को लेकर पूरी तरह से बाधित हो गया था। मार्ग के खुलने तक केदारनाथ धाम से वापस आ रहे यात्रियों को वैकल्पिक पैदल मार्ग तैयार कर सुरक्षा बलों जिला पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में आपसी समन्वय के साथ निकाले जाने की कार्यवाही की गयी। गौरीकुंड में फंसे सभी तीर्थयात्री को सुरक्षित उनके गन्तव्य के लिए भेजा गया है। वहीं बाधित चल रहे मार्ग को एनएच विभाग स्तर से खोले जाने की कार्यवाही गतिमान है तथा मार्ग खुलने में अभी समय लग सकता है।

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तन्कीह तलब

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (व.ख.)/एफ.टी.सी. महोदय, जनपद रामपुर।
मूल वाद संख्या-312 सन् 2020
सिंघल ओवरसीज, ग्राम दिबदिबा, तहसील बिलासपुर, जिला रामपुर द्वारा प्रोपराइटर रोशन लाल वादी

बनाम

1.एस.जी. फूड इन्डस्ट्रीज निकट ओमेक्स, रिवेरा कालोनी, फौजी मटकोटा रोड़, निकट शान्ति कालोनी, पोस्ट भूरारानी, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर एक पार्टनरशिप फर्म द्वारा उपेन्द्र कुमार चौधरी पुत्र श्री नानक सिंह चौधरी लेम्डा-17 ओमेक्स रिवेरा कालोनी, निकट सिडकुल एवं कलेक्ट्रेट रुद्रपुर उधमसिंह नगर उत्तराखण्ड।
2.राजीव कुमार चौधरी पुत्र श्री जयपाल चौधरी निवासी एफ 114 निकट किंगस्टन ईस्टेट, एलियन्स कालौनी, निकट डा. प्रकाश चन्द्र, ई.एन.टी. सर्जन ग्राम भूरारानी, काशीपुर रोड रुद्रपुर, उधमसिंह नगर उत्तराखण्ड (पार्टनर एस.जी.फूड इन्डस्ट्रीज प्रतिवादी संख्या-1)।
हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत आदेशात्मक/ आज्ञापक व्यादेश की डिक्री हेतु दायर की है, लिहाजा आपको हुक्म होता है कि वे बतारीख हरबजैल का असालतन या मार्फत के जो हालात मुकदमा से करार वाकई वाकिफ किया गया है और जो कुल अहम मुताल्बिक मुकदमा का जवाब दे सके या जिनके पास कोई शख्स हो जो जवाब ऐसे हवालात दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा भी करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्दावेज पेश करे जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेही के इस्तेमाल करना चाहते हो।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैर हाजिरी आपका मसमुआ फैसला होगा। दस्तखत मेरे और मोहर के आज बतारीख 31/07/2025 ई. जारी किया गया।
तारीख वास्ते दाखिल करने जवाब 20/08/2025

मुन्सरिम
न्यायालय सिविल जज (व.ख.)/एफ.टी.सी. रामपुर।

मारपीट का मामला, साम्प्रदायिक रूप

मौलाना पर कार्रवाई के लिए हिन्दु संगठनों के कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर के मल्लीताल क्षेत्र में मारपीट का मामला सांप्रदायिक स्वरूप लेने के बाद अभी थमा नहीं है। बुधवार की देर रात भारी बवाल के बाद वीरवार की सुबह फिर तमाम हिंदूवादी संगठन कार्यकर्ता मौलाना पर कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली पहुंच गए, जहां एसपी ने वार्ता कर कार्रवाई का भरोसा दिलाया तो लोग माने। इधर युवती स्वजनों के साथ नहीं जाने की बात पर अड़ी हुई है, जिसे मां के सुपुर्द करने के लिए मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया है। बता दे कि बुधवार को मारपीट के मामले में पुलिस ने पूछताछ के लिए सूखाताल निवासी हनी नवाब को कोतवाली बुलाया था, जिसके समर्थन में एक हिंदू युवती भी कोतवाली पहुंची थी। स्वजन युवती को तलाशते हुए

कोतवाली पहुंचे तो मुस्लिम युवक के समर्थन में उसे देख भड़क गए। इस बीच तमाम हिंदूवादी संगठन कार्यकर्ताओं ने कोतवाली पहुंचे युवक पर तमाम आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कर लोगों को वापस भेजा तो मुस्लिम समुदाय के मौलाना के कोतवाली पहुंचने पर फिर मामला गर्म हो गया। देर रात तक हंगामे के बाद पुलिस ने हनी नवाब को घर भेज दिया। इस बीच कुछ युवकों ने हनी के घर जाकर उसके पिता से मारपीट की, वहीं हिंदूवादी संगठन कार्यकर्ता भी मौलाना के विरुद्ध तहरीर देकर चले गए। दूसरी ओर वीरवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की, विहिप सह महामंत्री विवेक वर्मा, बजरंग दल के प्रखंड संयोजक मनोज कुमार के नेतृत्व में तमाम लोग कोतवाली पहुंचे। जहां लोगों ने एसपी डा.जगद.ीश चंद्रा से वार्ता कर संबंधित मौलाना पर कार्रवाई की मांग की। करीब आधे घंटे चली वार्ता के बाद पुलिस के मामले में दूसरे पक्ष को कोतवाली बुलाकर बात करने का आश्वासन दिया तो लोग माने। वार्ता करने वालों में कुनाल बेदी, आदित्य चंद्रवंशी, रौनक सकसेना, अनुज सकसेना, मोहित सहदेव, विनोद सिंह, सौरभ, राहुल, अनिल ठाकुर समेत तमाम लोग मौजूद रहे। इधर रात भर पुलिस संरक्षण में रहने के बाद भी युवती पिता और अन्य स्वजनों के साथ जाने को तैयार नहीं हुई। रात ही उसकी मां को चंडीगढ़ से बुलाया गया। एसपी ने बताया कि युवती को मजिस्ट्रेट के समक्ष बयानों के लिए पेश किया गया है। मामला फिलहाल नियंत्रण की स्थिति में है।

मेडिकल कॉलेज में दीवान सिंह को सेवानिवृत्त होने पर विदाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कॉलेज में वाहन चालक के पद पर स्थायी रूप से सेवाएं दे रहे दीवान सिंह को एक भव्य विदाई समारोह में सम्मानित किया गया। दीवान सिंह ने 19 सितंबर 1996 से संस्थान में अपनी सेवा शुरू की थी, और तब से लेकर अब तक अपने कर्मठ, निष्ठावान और ईमानदार कार्यों के कारण उन्होंने संस्थान में अपनी महत्वपूर्ण पहचान बनाई। विदाई समारोह में प्रभारी प्राचार्य डा. आरजी नौटियाल ने कहा दीवान सिंह ने हमेशा अपने कार्यों के माध्यम से संस्थान के प्रति समर्पण और ईमानदारी का परिचय दिया है। उनके कार्यकाल के ये लम्बे वर्ष केवल समय की गणना नहीं, बल्कि संस्थान के लिए अनमोल रहे हैं। चिकित्सा अधीक्षक डा. जीएस तितियाल ने भी दीवान सिंह के योगदान की सराहना करते हुए कहा राजकीय मेडिकल कॉलेज की प्रगति में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है। समारोह में डा. आरजी नौटियाल, डा. जीएस तितियाल, पारितोष पंत, डा. आनंद बल्लभ ओली, पुनीत अग्रवाल, गजेन्द्र सिंह भंडारी, पंकज बोरा, रवि पाल, आलोक उप्रेती, गजेन्द्र दरम्वाल सहित कई अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर

जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता कल से

हल्द्वानी। खेल निदेशालय उत्तराखंड, देहरादून के तत्वावधान में और जिला प्रशासन नैनीताल के मार्गदर्शन में, जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन नैनीताल के समन्वय से हल्द्वानी (नैनीताल) में जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह प्रतियोगिता 2 अगस्त 2025 से 3 अगस्त 2025 तक, स्पोर्ट्स स्टेडियम हल्द्वानी में प्रातः 9 बजे से शुरू होगी। प्रतियोगिता में बालक/बालिका अंडर-17, अंडर-19 और ओपन वर्ग की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं में सफल खिलाड़ी 22 अगस्त 2025 को हरिद्वार में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए अंतिम तिथि 1 अगस्त 2025 है। इच्छुक खिलाड़ी अपनी प्रविष्टि प्रशिक्षक कल्पित चौसाली (मोबाइल-8445617178) या जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के डीके काण्डपाल (मोबाइल-9837306519) से संपर्क करके भेज सकते हैं।

सफाई कर्मियों का आंदोलन स्थगित

नैनीताल। देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संगठन ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रस्तवित आंदोलन स्थगित कर दिया है। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल व ईओ रोहिताश शर्मा की मौजूदगी में हुई वार्ता के बाद उनकी समस्या का हल हो चुका है। बता दें कि बीते दिवस सफाई कर्मचारी संघ ने लेखा कक्ष में ताला जड़ दिया था और वीरवार से आंदोलन की चेतावनी दी। इसे लेकर पालिकाध्यक्षए ईओ व लेखाधिकारी के बीच वार्ता हुई। वार्ता में किसी भी कर्मचारी नेता व अन्य को नहीं आने दिया गया। अध्यक्ष त्रिलोचन टांक ने बताया कि पालिका ने कर्मचारी भविष्य निधि, अर्जित अवकाश, सीजनल व आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय, सेवानिवृत कर्मियों की ग्रेज्युटी, पेंशन व एरियर व मेडिकल बिल भुगतान सभी पर सहमति जताई है। पालिकाध्यक्ष डा. खेतवाल का कहना है कि ईओ के चुनाव ड्यूटी में होने तथा हाल के दिनों के उनके निजी कारणों से वह कार्यालय नहीं पहुंच सकी। वीरवार को ईओ व लेखाधिकारी से वार्ता के बाद कर्मचारी हित में निर्णय लिए जा चुके हैं।

गाजियाबाद के युवक पर दुष्कर्म का आरोप

नैनीताल। करीब एक माह पूर्व नैनीताल घूमने आई दिल्ली की एक युवती ने गाजियाबाद के युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। सगाई तय होने के बाद युवती युवक के साथ घूमने के लिए नैनीताल आई हुई थी। युवती की शिकायत के बाद तल्लीताल पुलिस ने युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। तल्लीताल थाने में शिकायत करते हुए युवती ने कहा है कि वह गाजियाबाद निवासी एक युवक के साथ एक माह पूर्व नैनीताल आई थी जिसे वह तीन महीने से जानती थी और उनकी सगाई भी तय हो गई थी। युवक उसको नैनीताल के एक होटल में लेकर गया। जहां पर युवक ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए लेकिन अब युवक उससे शादी करने से मना कर रहा है। तल्लीताल थाने के थाना प्रभारी रमेश सिंह बोरा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर बीएनएस की धारा 64 के तहत गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) निवासी अमन मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भगवान शाह व अभिषेक बोरा सेवानिवृत्त

नैनीताल। कुमाऊं मंडल विकास निगम के संविदा में तैनात कर्मी भगवान शाह तथा अभिषेक बोरा वीरवार को सेवानिवृत हो गए। इस मौके पर निगम के अधिकारियों व कर्मियों ने उन्हें विदाई देते हुए उनके बेहतर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के कार्यकारी अध्यक्ष कंचन चंदोला ने कहा कि यह हमारा दुर्भाग्य है कि वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारी नियमित नहीं किया जा रहे हैं जिससे कर्मचारी बेहद मायूस हैं। उन्होंने कहा अब समय आ गया है कि इस लड़ाई को अंतिम रूप देकर कर्मचारियों को नियमित कराया जाए। सरकार से लड़ाई जारी रहेगी, साथ ही मुखयमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी उन्होंने प्रार्थना है कर्मचारियों को शीघ्र नियमित कर उन्हें इसका लाभ दिया जाए। इस मौके पर महाप्रबंधक विजय नाथ शुकल समेत संतोष, ऑपरेशन मैनेजर शिवम शर्मा,भगत सिंह, अजय अजय, भूपेंद्र सिंह रौतेला, देवेंद्र बिष्ट, रवि पवार, हरीश पांडे, भारत चंदोला, दीपक जोशी, मोहन चंद्र जोशी, दिनेश उपाध्याय, मुकुल जोशी, बहादुर सिंह रावत, मुन्नी देवी, जितेन कुमार जीतू व रितिक आदि कर्मी मौजूद रहे।

युवक को रास्ते में घेरकर पीटा

हल्द्वानी। अपने भाई के घर जा रहे एक युवक को रास्ते में कुछ अराजक तत्वों ने रोक दिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। इतना ही नहीं अराजक तत्वों ने युवक पर धार्मिक टिप्पणी की और लोहे की रॉड से पीटा। पीडित युवक ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए कार्यवाही शुरु कर दी। जानकारी के अनुसार किदवई नगर निवासी अब्दुल अहद सिद्दीकी ने पुलिस को तहरीर में कहा कि बीती 29 जुलाई की दोपहर वह स्कूटी पर सवार होकर अपने भाई के घर जा रहा था। पीडित ने आरोप लगाया कि जैसे ही वह जजी के पास पहुंचा तभी काठगोदाम निवासी कार्तिक, व कमलेश नामक युवकों ने अपने साथियों के साथ कार और स्कूटी से मेरा रास्ता रोक दिया। आरोप है कि तभी रुकते ही आरोपियों ने धार्मिक टिप्पणी करते हुए गाली-गलौज शुरु कर दी। जब इसका विरोध किया तो उन्होंने लोहे के डंडों और बेल्ट से मुझ पर हमला बोल दिया। इतना ही नहीं उन्होंने मेरे पास रखे 6700 सौ रुपये की नगदी भी लेघ्ली। इधर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरु कर दी।

कोकोडेमा बनाने की विधि बताई

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के माता जिया रानी महिला अध्ययन केंद्र के अंतर्गत तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन वीरवार को प्रतिभागियों को कोकोडेमा बनाने की विधि बताई। केंद्र की प्राध्यापक डा. किरन तिवारी ने मल्टी लेयर प्लास्टिक की संरचना उसके उपयोग और उसका पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पर एक प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया उसके उपरांत प्लास्टिक फैब्रिक मेकिंग और उसे किस प्रकार अनेक प्रयोग की चीज बनाई जा सकती है के बारे में बताया। बताया कि मंदिर में उपयोग किए जाने वाले नारियल की रेशे से किस प्रकार उपयोगी वस्तु बनाई जा सकती हैं और मार्केट में उनकी कैसे बिक्री की जा सकती है। इस अवसर पर प्रतिभागियों को कोकोपीट निकलना और रेशे से कोकोडेमा बनाना सिखाया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने कई प्रकार के कोकोडेमा बनाए, कोकोडेमा गार्डनिंग की एक जापानी तकनीक है जिसे वर्तमान में सस्टेनेबल प्रोडेक्ट्स कहा जाता है।

कार्यक्रम में लगभग 80 छात्र-छात्राओं, विश्वविद्यालय के छात्र. छात्राओं एवं महिला समूहों ने प्रतिभाग किया। केंद्र की निदेशक प्रो.नीता बोरा शर्मा ने बताया कि माता जिया रानी महिला अध्ययन केंद्र निरंतर विद्यार्थियों को प्रेरित करता रहा है और इन तीन दिन की कार्यशाला में बच्चों को इस प्रकार से प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे उन्हें स्किल डेवलप हो और भी अपनी इस हुनर से कुछ ना कुछ कार्य कर आर्थिक रूप से स्वालंबी बन सके। कार्यक्रम के पश्चात प्रो. नीता बोरा शर्मा और डा. किरन तिवारी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मीनाक्षी बिष्ट, भावना शाह, प्रमिला बिष्ट, ममता, प्रकृति समूह, देवरानी-जेठानी स्वयं सहायता समूह, लक्षिता, महीका, सत्येंद्र, अविनाश, राकेश, सचिन तथा डीएसबी परिसर के विद्यार्थी एवं शोधार्थी शामिल रहे।

अनूठा पौधारोपण आंदोलन जारी

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आवाहन पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2025 को लेकर जारी किया जा रहा राज्य में अनूठा पौधारोपण आंदोलन वीरवार को 391 वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोडने के तहत स्लोगन देवभूमि में पर्यटक बनकर आईए पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत उनके नेतृत्व में पलेटा स्थित धूसाखान शिव मंदिर परिसर में एक पौधा धरती मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया। सथ ही पूर्व में लगाए गए पौधों का संरक्षण भी किया गया। गुरुरानी ने कहा कि उनका पौधारोपण आंदोलन जारी रहेगा।

कहीं जश्न, कहीं मायूसी के बादल छाए

समाचार लिखे जाने तक जारी थी मतों की गिनती

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नैनीताल जिले के आठ विकास खंडों के अधिकांश परिणाम समाच.ार लिखे जाने तक घोषित कर दिए गए थे जबकि कई विकास खंडों में भी अभी भी मतगणना का दौर जारी था। दूसरी ओर चुनाव में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य व जिला पंचायत सदस्य के पदों पर चयनित प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों के साथ जश्न मनाया तो दूसरी ओर हारे प्रत्याशी व उनके समर्थक गम में डूबे नजर आए। भीमताल विकास खंड के गेठिया प्रथम से डा. हरीश सिंह बिष्ट ने 162 मतों से जीत हासिल की, उन्हें कुल 345 मत पड़े। बता दें डा.बिष्ट इससे पहले भीमताल विकास खंड के बलाक प्रमुख रह चुके हैं। जिला पंचायत की ज्योलीकोट-खुर्पाताल सीट से निर्दलीय प्रत्याशी देवकी बिष्ट ने विजय हासिल की है। क्षेत्र पंचायत सीट देवीधूरा से निवर्तमान ज्येष्ठ प्रमुख हिमांशु पांडे ने जीत हासिल की है। निवर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य कोटाबाग ब्लॉक निशा बिष्ट ने सौड़ ग्रामसभा में प्रधान पद पर विजय दर्ज की। निशा पूर्व ग्राम प्रधान सौड़ प्रकाश नारायण बिष्ट की धर्मपत्नी हैं। ये इनके परिवार कि लगातार पांचवी जीत है। इससे पहले निशा बिष्ट की सास लीला देवी दो बार ग्राम प्रधान रही। निशा बिष्ट के पति प्रकाश नारायण सिंह बिष्ट भी इससे पहले ग्राम प्रधान रह चुके हैं। परिवार की जनसेवा और विश्वास पर इस बार भी ग्राम वासियों ने मुहर लगाई है।

भीमताल ब्लॉक में भाजपा को मिली करारी हार, चार में से एक सीट भी नहीं बचा पाए दिग्गज

नैनीताल। भाजपा को जिला पंचायत सीट में भीमताल ब्लॉक से भी करारी हार का सामना करना पड़ा है। ब्लॉक में जिला पंचायत की चार सीट हैं, जिसमें एक सीट में भी भाजपा काबिज होने में सफल नहीं हो सकी। इससे सा़फ है कि ब्लॉक के लोगों में भाजपा के नेताओं के प्रति आक्रोश है। जिला पंचायत जंगलियागांव व मेहरागांव, अमृतपुर की सीट में भाजपा के दिग्गजों द्वारा चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंकी गयी थी, उसके बाद भी सीट को नहीं बचा पाये। सीट में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। जंगलियागांव सीट से भाजपा ने निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया व मेहरागांव से पूर्व ब्लॉक प्रमुख अम्बा आर्या को मैदान में उतारा था। जंगलियागांव से निर्दलीय विपिन जंतवाल जीते, जबकि मेहरागांव से कांग्रेस के जिशान्त कुमार ने बाजी मारी। ज्योलीकोट खुर्पाताल सीट से देवकी बिष्ट व अमृतपुर से हेमा भट्ट ने भाजपा प्रत्याशी को हराया।

मेहरागांव से जिशान्त, जंगलिया से विपिन ने भाजपा को दी मात

नैनीताल। भीमताल जिला पंचायत मेहरागांव से कांग्रेस प्रत्याशी जिशान्त कुमार ने भाजपा के प्रत्याशी पूर्व ब्लॉक प्रमुख अम्बा आर्या को पराजित किया। वही जंगलिया गांव सीट से विपिन जंतवाल ने भाजपा के अनिल चनौतिया को हराया। अमृतपुर सीट से हेमा भट्ट ने भी भाजपा प्रत्याशी रजवार को हराकर जीत दर्ज की। ज्योलिकोट-खुर्पाताल सीट से देवकी बिष्ट ने जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी आशा गोस्वामी व निर्दलीय प्रत्याशी लेखा भट्ट को हराकर जिला पंचायत सीट पर कब्जा किया। बता दें कि पूर्व ब्लॉक प्रमुख गणेश बिष्ट की पत्नी शिक्षिका के पद से सेवानिवृत्त देवकी बिष्ट पहली बार चुनावी मैदान में थी और जीत भी दर्ज कर ली। दोनो ही सीटों पर भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ रहा है। बता दें कि मेहरागांव सीट से पूर्व ब्लॉक प्रमुख व भाजपा प्रत्याशी अंबा आर्य से सीधा मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी जिशान्त कुमार से हुआ। जिसमे जिशान्त ने 1732 मतों से बाजी मार ली है। वही ज्योलीकोट खुर्पाताल सीट से भी भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ रहा है।

विक्रम कुमार बने घुघू सिगड़ी के ग्राम प्रधान

नैनीताल। कोटाबाग ब्लॉक विक्रम कुमार ने घुघूं सिगड़ी ग्रामसभा में प्रधान पद पर विजय दर्ज की है। विक्रम कुमार पूर्व ग्राम प्रधान घुघू सिगड़ी, नवीन चंद्र के पुत्र हैं। विक्रम कुमार के परिवार से पूर्व में इनके पिता प्रधान व चाचा तालिया से जिला पंचायत सदस्य रहे हैं। परिवार की जनसेवा और विश्वास पर इस बार भी ग्राम वासियों ने मुहर लगाई है। विक्रम ने अपनी जीत का श्रेय अपने परिवार को अपने गाँव की मामृशक्ति, युवा शक्ति व बुजुर्गों के आशीर्वाद को दिया।

यात्री का खोया बैग रेलवे सुरक्षा बल ने बरामद कर लौटाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लखनऊ-काठगोदाम एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री का बैग गायब हो गया। परेशान यात्री ने तुरंत रेल सहायता फोन नंबर 139 पर शिकायत दर्ज की, जिसके बाद मंडल नियंत्रण कक्ष ने घटना की सूचना रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट काठगोदाम को दी। बीट पर तैनात कांस्टेबल पारसनाथ ने गाड़ी संख्या 15043 में कोच एस-04 के प्रसाधन में एक लावारिश बैग देखा। बैग को खोलकर जांचने पर उसमें प्रियांशु धामी नामक व्यक्ति के स्कूल के सभी मूल प्रमाण पत्र, कपड़े, हेडफोन, चार्जर, जूते आदि मिले। एक प्रमाण पत्र पर युवक का मोबाइल नंबर पाया गया। रेलवे सुरक्षा बल काठगोदाम के प्रभारी निरीक्षक तरुण वर्मा ने बताया कि मोबाइल नंबर के आधार पर युवक से संपर्क किया गया। सूचना मिलते ही प्रियांशु धामी, जो कि पिथौरागढ़ (उत्तराखंड) का निवासी है, मौके पर पहुंचे। रेलवे सुरक्षा बल ने पुख्ता जांच के बाद बैग और सभी दस्तावेज़ युवक के परिवार के सामने सुपुर्द कर दिए। प्रियांशु धामी, जो कि लखनऊ से काठगोदाम तक यात्रा कर रहे थे, ने बताया कि गाड़ी जब बरेली जंक्शन पर पहुंची, तो उनका बैग गायब मिला था। इसके बाद उन्होंने 139 पर शिकायत दर्ज कराई। बैग और दस्तावेज़ मिलने पर प्रियांशु ने रेलवे सुरक्षा बल का आभार व्यक्त किया।

हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई आज

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने प्रदेश में चल रही 2 हजार पदों पर पुलिस भर्ती प्रक्रिया के मामले में आयु सीमा में छूट दिए जाने को लेकर दायर याचिका पर अब शुक्रवार (आज) सुनवाई होगी। बता दें कि वीरवार को याचिकाकर्ता की तरफ से अवगत कराया कि पूर्व में कोर्ट ने कोर्ट की बिना परमिशन के रिजल्ट खोलने पर रोक लगा दी थी परन्तु कमीशन ने बिना कोर्ट की अनुमति लिए फिजिकल का रिजल्ट घोषित कर दिया जो कि कोर्ट के आदेश की अवमानना है। मामले के अनुसार चमोली निवासी रोशन सिंह ने याचिका दायर कर कहा है कि पुलिस विभाग में जिला रिजर्व पुलिस, पीएसी, आईआरबी के लिए 20 अकटुबर 2024 को यूके एसएससी चयन आयोग ने 2 हजार पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। जिसकी चयन प्रक्रिया वर्तमान में गतिमान है। विज्ञप्ति में 1550 नए पद और 450 पद वर्ष 2021-22 तथा 23 के रिक्त पड़े पदों को भी शामिल किया गया। याचिका में आगे कहा गया कि पूर्व में भर्ती नही होने के कारण उनकी उम्र अधिक हो गयी है। लिहाजा उनको भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आयु सीमा में छूट दी जाय। यही नही उनका यह भी कहना है कि पुलिस भर्ती के लिए जो आयु सीमा निर्धारित की गई है वह 18 से 22 वर्ष है। उसमें भी संसोधन किया जाय। इस मामले में उत्तराखंड बेरोजगार संघटन कई बार सरकार को अपने प्रत्यावेदन दे चुका है। लेकिन उसके बाद भी उस पर कोई विचार नही किया गया। याचिका में कहा गया है कि पुलिस की भर्ती में सामील होने के लिए प्रदेश के नवयुवकों की आयु सीमा 22 साल से बढ़ाकर कम से कम 25 साल की जाय क्यों यह परीक्षा राज्य सरकार साल दर साल नही कराती।

ऊखीमठ ब्लॉक में लाज बचाने में नाकाम रहे भाजपा प्रत्याशी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक के अन्तर्गत जिला पंचायत त्रियुगीनारायण व ल्वारा वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपनी जीत दर्ज की है। जिला पंचायत के त्रियुगीनारायण वार्ड पर निर्दलीय प्रत्याशी अमित मैखंडी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी दिवाकर गैरोला को 197 मतों से हराया, जबकि इस वार्ड पर भाजपा अधिकृत प्रत्याशी दिनेश उनियाल छटवें स्थान पर रहे।

जिला पंचायत त्रियुगीनारायण वार्ड पर निर्दलीय प्रत्याशी अमित मैखण्डी ने 1599 मतों के साथ शानदार जीत दर्ज की, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी दिवाकर गैरोला 1402 मत हासिल कर सके। इस

वार्ड पर धर्मेश नौटियाल 708, नितिन जमलोकी 698, उपेन्द्र रमोला 680, दिनेश उनियाल 540, रोबिन रावत 503, जीत सिंह 348, बीरेन्द्र सिंह 153 तथा देव प्रकाश सेमवाल सौ मत हासिल कर सके। जिला पंचायत ल्वारा वार्ड पर निर्दलीय प्रत्याशी सुबोध बगवाड़ी ने भाजपा अधिकृत प्रत्याशी सुमन्त तिवारी को 225 मतों से हराया है। इस वार्ड पर निर्दलीय प्रत्याशी सुबोध बगवाड़ी ने 1510 मत हासिल कर जीत दर्ज की है, जबकि उनके प्रतिद्वंदी भाजपा अधिकृत प्रत्याशी सुमन्त तिवारी ने 1285 मत हासिल किए हैं, जबकि शैलेन्द्र कोटवाल 1244, हुक्म सिंह फर्स्वाण 1231 तथा मनोज ने 125 मत हासिल किए। विजय प्रत्याशियों ने मुख्य बाजारों मे विजय जुलूस निकालकर जनता का अभिवादन किया जा रहा है। वहीं जिला पंचायत कालीमठ सीट से निर्दलीय प्रत्याशी सरोज राणा ने ऐतिहासिक जीत की, जबकि परकंडी में भी निर्दलीय प्रत्याशी प्रीती पुष्पवाण ने जीत हासिल की।

प्रेमचंद की जयंती पर साहित्य परिचर्चा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल में मुंशी प्रेम चंद्र की जयंती के मौके पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग कुविवि डीएसबी परिसर नैनीताल में प्रेमचंद का महत्वपूर्ण निबंध साहित्य का उद्देश्य का वाचन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें सृष्टि गंगवार तथा धीरज कुमार ने निबंध का वाचन किया तथा समस्त विद्यार्थियों ने परिचर्चा में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो. चन्द्रकला रावत ने प्रेमचंद के साहित्यिक महत्व पर प्रकाश डाला। संयोजक प्रो. शिरीष कुमार मौर्य (विभागाध्यक्ष हिन्दी) ने प्रेमचंद के विचार, भाषा और सौद्धांतिकी पर चर्चा करते हुए प्रेमचंद साहित्य का आज भी प्रासंगिक होना हमारे सामाज की असफलता बताया। कार्यक्रम संयोजक डा. शशि पाण्डे ने प्रेमचंद के साहित्यिक मूल्यों पर प्रकाश डाला तथा संचालन शोधार्थी देवेन्द्र कुमार ने किया। इस अवसर पर मेधा

नैलवाल, डा. मथुरा इमलाल, डा. कंचन आर्या, डा. दीक्षा मेहरा समेत शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रयोगांक संस्था के कलाकारों द्वारा उनके द्वारा मुंशी प्रेम चंद्र रचित कहानियों पर चर्चा करते हुए उनकी रचनाओं को आम आदमी के सबसे निकट बताया। इस आयोजन मे उनकी कहानी बड़े भाई साहब का पाठ किया गया। आज भी बड़े भाई साहब और छोटे भाई की बातें उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी तब थी जब ये कहानी लिखी गई होंगी। बैठक को आगे बढ़ाते हुए संस्था के अध्यक्ष प्रमोद बिष्ट ने कहा की प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 10 अगस्त (रविवार) को प्रयोगाक नैनीताल द्वारा स्वर्गीय निर्मल पांडे के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक नाट्य प्रस्तुति की जा रही है। संस्था के उमेश कांडपाल ने बताया प्रयोगांक संस्था नैनीताल अब तक विभिन्न विषयों पर हजारों नुक्कड़ नाटकों एवं नाट्य प्रस्तुतियों का सफलतापूर्वक आयोजन कर चुकी है। इस आयोजन में नवीन बेगाना, मदन मेहरा, अमन कुमार, रोहित वर्मा, योगिता तिवारी, उमेश कांडपाल, नासिर अली, नीरज डालाकोटी, अनवर रजा, कौशल साह जगाती, पंकज रंधावा, विवेक खोलिया, मुकेश धस्माना, आदित्य कुमार, मिथिलेश पांडे, एच एस राणा, अनिल कुमार, वीरेंद्र साह आदि उपस्थित थे।

महोत्सव को लेकर बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नगर पालिका प्रशासन व नंदा देवी महोत्सव की आयोजक संस्था श्री राम सेवक सभा के बीच वीरवार को श्री नंदा देवी महोत्सव को लेकर बैठक हुई। पालिकाध्यक्ष डा.सरस्वती खेतवाल व सभासदों की मौजूदगी में हुई बैठक में आयोजक संस्था के अध्यक्ष मनोज साह के नेतृत्व में सभा पदाधिकारी पहुंचे। अध्यक्ष मनोज साह ने मेले को अन्य वर्षों से भव्य करने की अपील की। पालिकाध्यक्ष डा. खेतवाल ने बताया कि इस बार दुकाने कैनोपी वाली बनेगी जिससे मेले में एकरूपता आएगी, शहर में आधा दर्जन से अधिक तोरणद्वार बनाए जाएंगे। पूरे नगर व बाजार को बिजली की मालाओं से सजाया जाएगा। लोगों की सुविधा के लिए छोटे झूलों का किराया जीएसटी समेत 25 व बड़ों का जीएसटी समेत 50 रुपया किया गया है। बैठक में ईओ रोहिताश शर्मा समेत संजय कनवाल, सभी सभासद समेत सभा के महासचिव जगदीश चंद्र बवाड़ी, विमल चौधरी रहे।

जिला पंचायत कंडियालगांव से कांग्रेस समर्थित की जीत

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र की पट्टी उपली रमोली स्थित जिला पंचायत कंडियालगांव सीट से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी विजय देवी ने 1751 मतों के भारी अंतर से शानदार जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 5257 मत प्राप्त हुए, जबकि भाजपा समर्थित प्रत्याशी शुशीला राणा को 3506 मतों पर संतोष करना पड़ा।

यह जीत न केवल राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय जनसमर्थन और विकास की उम्मीदों का स्पष्ट संकेत भी देती है।

निर्वाचन परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद विजय देवी ने अपने समर्थकों के साथ प्रतापनगर मुख्यालय से मांजफ, जखवालगांव और लंबगांव होते हुए कंडियालगांव तक भव्य विजय जुलूस निकाला। इस दौरान रास्तेभर लोगों ने फूल-मालाओं और नारों से उनका स्वागत किया। उन्होंने लोगों से आशीर्वाद लिया और भरोसा दिलाया कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगी। विजय देवी ने अपने संबोधन में कहा कि यह जीत केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता की जीत है। विजय जुलूस के दौरान क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

It is informed to the General Public that my High School Certificate C B S E Board Roll no. 5331734 year 2013-15 and B.A Degree year 2021 Roll no 180690230082 Kumaun University is Lost.
-SAHIL PRABHAKAR
S/o Hitender Prabhakar
H No. 5, P G M Enclave
Near Khokhratal Mandir
Kashipur, US Nagar (UK).

फोर्टिस-गंभीर विवाद

कोच को पिच देखने का पूरा अधिकार है: गिल

● हम सभी ने इतना क्रिकेट खेला है कोच और कप्तान समेत कई बार हम पिच पर गए है , समझ नहीं आता इतना हंगामा किस बात का था

लंदन, वार्ता। मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय टीम को ओवल में सरे के मुख्य ग्राउंड्समैन ली फोर्टिस द्वारा पिच को करीब से देखने से रोकने को भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अनावश्यक करार दिया।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और फ़ोर्टिस के बीच तब नोकझोंक हुई जब वे मुख्य स्क्वायर के आसपास भीड़ और प्रशिक्षण सामग्री होने से चिंतित थे। कथित तौर पर उन्होंने भारतीय टीम को सुझाव दिया कि उन्हें पिच से 2.5 मीटर दूर खड़े होकर पिच देखनी चाहिए। गंभीर को फोर्टिस की ओर उंगली दिखाते और बार-बार यह कहते हुए देखा गया कि वे 'सिर्फ एक ग्राउंड्समैन' हैं।

गिल, जो उस घटना के दौरान मैदान पर मौजूद नहीं थे, ने ओवल में पांचवें टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा कि कल जो हुआ, मुझे लगा कि वह बिल्कुल गैर-जरूरी था। यह पहली बार नहीं है जब हम विकेट देख रहे थे, हम लगभग दो महीने से वहां हैं। एक कोच को पूरा अधिकार है कि वह पास जाकर विकेट देख सके और मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ गलत है। मुझे सच में समझ नहीं आ रहा कि क्यूरेटर ने हमें विकेट देखने की इजाजत क्यों नहीं दी। गिल ने कहा कि सीरीज के पिछले चार स्थानों हेडिंग्ले, एजबस्टन, लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड पर किसी भी क्यूरेटर ने भारतीय टीम को पिच या स्क्वायर देखने से नहीं रोका था। गिल ने कहा कि जहां तक मुझे याद है, हमें कभी कोई निर्देश नहीं मिले थे। अगर आप रबर स्पाइक्स पहने हों या नंगे पैर हों, तो आप विकेट को पास से देख सकते हैं। हम इस सीरीज में पहले ही चार मैच खेल चुके हैं, और हमें पिच देखने से किसी ने नहीं रोका। हम सभी ने इतना क्रिकेट खेला है, हम कोच और कप्तान समेत कई बार पिच पर गए हैं, मुझे समझ नहीं आता कि इतना हंगामा किस बात का था। भारत के सीरीज में 2-1 से पिछड़ने के बाद, आखिरी टेस्ट से पहले, गिल से पूछा गया कि क्या जरूरी मैच जीतने के दबाव ने गंभीर की प्रतिक्रिया को उकसाया होगा। गिल ने कहा कि बिल्कुल नहीं, अगर कोई पिच क्यूरेटर आकर हमें विकेट की तरफ देखने के बजाय तीन मीटर पीछे से देखने के लिए कहेगा, तो ऐसा हमारे साथ पहले कभी नहीं हुआ। हम इतने लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और जब तक आप रबर स्पाइक्स पहने हुए हैं या नंगे पैर हैं, आपको विकेट को पास से देखने की इजाजत है। यह कोच और कप्तान का काम है। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के बाद से टीमों के बीच कई बार तीखी बहस हुई है, इसके बावजूद गिल ने कहा कि इंग्लैंड और भारत के बीच रिश्ते मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनकी टीम ने इन घटनाओं के दौरान जिस तरह का व्यवहार किया, उसका 'कोई अफसोस' नहीं है। उन्होंने कहा, ''रिश्ता बहुत अच्छा है, लेकिन जब आप मैदान पर होते हैं, तो आप अंततः मैच जीतने की कोशिश करते हैं, और दोनों टीमें काफी प्रतिस्पर्धी रही हैं।

नागपुर में दिव्या देशमुख का भव्य स्वागत

नागपुर, वार्ता। युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में जॉर्जिया के बटुमी में फिडे महिला विश्व शतरंज कप 2025 का खिताब जीता, का नागपुर में भव्य स्वागत किया गया। समारोह की शुरुआत डा. बाबा साहेब अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई, जहां दिव्या का भव्य स्वागत किया गया। शहर द्वारा अपनी 'शतरंज रानी' का सम्मान किए जाने पर हवाई अड्डा जयकारों, तालियों और पारंपरिक बैंड की धुनों से गूंज उठा। हवाई अड्डे से, एक भव्य अभिनंदन रैली शहर के मध्य की ओर बढ़ी, जिसके मार्ग में लोग पुष्प वर्षा कर रहे थे और तिरंगा लहरा रहे थे। विभिन्न सामाजिक और खेल संगठनों ने दिव्या का स्वागत किया और उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। दिव्या ने वैश्विक शतरंज मंच पर नागपुर, महाराष्ट्र और भारत का नाम रोशन किया है। नागपुर शहर की सड़कें दिव्या को बधाई देने वाले बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स से सजी हुई थीं।

बारिश के कारण दूसरी बार रुका 5वां टेस्ट

सुदर्शन-नायर नाबाद, भारत 85/3, गिल 21 रन बनाकर रनआउट, गावस्कर का रिकॉर्ड तोडा

ओवल, वार्ता। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां टेस्ट लंदन के द ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टास जीतकर गेंदबाजी चुनी है। फिलहाल, बारिश के कारण खेल रुका हुआ है। अगर बारिश शुरू नहीं हुई तो रात 9.15 बजे खेल शुरू होगा। भारतीय टीम ने पहली पारी में 3 विकेट पर 85 रन बना लिए हैं।

साई सुदर्शन और करुण नायर नाबाद हैं। कप्तान शुभमन गिल 21, केएल राहुल 14 और यशस्वी जायसवाल 2 रन बनाकर आउट हुए। गिल को गस एटकिंसन ने डायरेक्ट थ्रो पर रनआउट किया। जबकि राहुल को क्रिस वोक्स ने बोल्ड और जायसवाल को एटकिंसन ने पगबाधा आउट किया। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस सीरीज में 743 रन बना चुके हैं। वे एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान बने हैं। गिल ने सुनील गावस्कर (732 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा। जो गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। शुभमन गिल इंग्लैंड में एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी कप्तान बने हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स (722 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा। वे वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ने 1966 में बनाया था। बारिश के कारण 80 मिनट देरी से शुरू हुआ दूसरा सेशन साउथ लंदन स्थित द ओवल मैदान पर बारिश के कारण जल्दी लंच कर दिया गया था। करीब एक घंटे 20 मिनट के बाद दूसरे सेशन का खेल शुरू हुआ। इस दौरान ग्राउंड स्टाफ ने कड़ी मेहनत करके मैदान को सुखाया। साउथ लंदन में फिर से बारिश लौट आई है। ऐसे में फिर से खेल रोकना पड़ा है। अहम बात यह कि भारत ने दूसरे सेशन के आधे घंटे में कप्तान गिल का विकेट गंवा दिया है। 28वें ओवर में भारतीय टीम ने तीसरा विकेट गंवा दिया है। यहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल 21 रन बनाकर रनआउट हो गए। उन्हें गस एटकिंसन ने डायरेक्ट थ्रो पर रनआउट किया। गिल टेस्ट करियर में दूसरी बार रनआउट हुए हैं। इससे पहले वे राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ रनआउट हुए थे। ओवल टेस्ट के दूसरे सेशन का खेल करीब 2 घंटे की देरी से शुरू हुआ।

शाम 5रू23 बजे बारिश के कारण जल्दी लंच का ऐलान कर दिया गया था। 23 ओवर के इस सेशन में इंग्लिश बालर्स का दबदबा रहा। भारतीय ओपनर केएल राहुल 14 और यशस्वी जायसवाल 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 16वें ओवर में भारतीय टीम ने दूसरा विकेट गंवाया। यहां केएल राहुल 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें क्रिस वोक्स ने बोल्ड कर दिया। इससे पहले यशस्वी जायसवाल (2 रन) गास एटकिंसन का शिकार बने थे। वे स्टंप आउट हुए। 13वें ओवर में जोश टंग की यार्कर बाल खेलने के प्रयास में साई सुदर्शन क्रीज पर गिर गए। टंग ने ओवर की दूसरी बाल पर इनस्विंग यार्कर डाली, जो आफ स्टंप की ओर से रही। बाल ने बल्ले का अंदरूनी किनारा लिया और सुदर्शन के पैड पर लगी। इससे सुदर्शन पिच पर गिर पड़े। इस ओवर के साथ पहले घंटे के खेल का समापन हुआ। ड्रिंक्स ब्रेक तक भारतीय टीम ने एक 36 रन बनाने में एक विकेट गंवाया। केएल राहुल और साई सुदर्शन की जोड़ी नाबाद रही। ओली पोप ने बतौर फील्डिंग कैप्टन 14 रिव्यू लिए हैं। इनमें से पहला रिव्यू सफल रहा है। इससे पहले 12 रिव्यू असफल रहे, जबकि एक अंपायर्स काल पर गया था। भारत ने ओवल टेस्ट की पहली पारी के तीसरे ओवर में विकेट गंवा दिया। यहां ओपनर यशस्वी जायसवाल 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें गस एटकिंसन ने स्टंप किया।

पाकिस्तान वेटरन लीग डब्ल्यूसीएल के फाइनल में

● भारत ने सेमीफाइनल खेलने से मना कर दिया था, चैंपियनशिप में चौथे नंबर पर रही भारतीय टीम

नई दिल्ली, वार्ता। रिटायर्ड क्रिकेटर्स के टूर्नामेंट वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में पाकिस्तान फाइनल में पहुंच गया है। डब्ल्यूसीएल ने बुधवार देर रात यह जानकारी दी। भारत ने पाकिस्तान के साथ सेमीफाइनल मैच खेलने से मना कर दिया था। यह मुकाबला कल बर्मिंघम में खेला जाना था।

इससे पहले भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तान के साथ 20 जुलाई को होने वाला ग्रुप मैच भी नहीं खेला था। तब मैच रद्द करके दोनों टीमों में अंक बांट दिए गए थे, लेकिन अब पाकिस्तानी टीम अपने ग्रुप में टाप पर होने और चार जीत के साथ नौ अंक हासिल करने के कारण फाइनल में पहुंच गई है। वहीं, भारत छह टीमों वाले इस टूर्नामेंट में चौथे नंबर पर रहा। टीम को एक मैच में जीत और तीन में हार मिली, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। पाकिस्तान का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल के विजेता (आस्ट्रेलिया या साउथ अफ्रीका) से होगा। डब्ल्यूसीएल बोला- हम जो करते दर्शकों के लिए करते हैं, डब्ल्यूसीएल ने देर रात एक्स पर पोस्ट करके पाकिस्तान के फाइनल में पहुंचने की जानकारी दी। डब्ल्यूसीएल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि हम हमेशा खेल की ताकत पर भरोसा करते हैं। हालांकि, जनभावना का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। आखिर हम जो कुछ भी करते हैं, अपने दर्शकों के लिए ही करते हैं। हम भारत चैंपियंस के सेमीफाइनल से हटने के फैसले का सम्मान करते हैं व पाक चैंपियंस की प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी का भी सम्मान करते हैं। सभी बातों को ध्यान में रखते हुए भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच का मैच रद्द कर दिया गया है। पाकिस्तान चैंपियंस फाइनल में जाएगा। लीग की स्पान्सर कंपनी ईजमाई ट्रिप ने भी बुधवार को ही सेमीफाइनल मैच से हटने का ऐलान किया था।

कंपनी के को-फाउंडर निशांत पिटी ने ग पोस्ट में लिखा था कि हम डब्ल्यूसीएल में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। हालांकि, पाक के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ साथ नहीं चल सकता। ईजमाई ट्रिप भारत के साथ खड़ा है। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करता हो। कुछ चीजें खेल से भी बड़ी होती हैं। देश पहले, व्यापार बाद में।

बीसीए अध्यक्ष ने भारत अंडर-19 टीम में शामिल होने पर सूर्यवंशी को बधाई दी

पटना, वार्ता। बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में शामिल होने पर आज बधाई दी। आईपीएल 2025 में धूम मचाने के बाद, बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पिछले महीने इंग्लैंड दौरे पर सुर्खियों में छा गए।

भारत और इंग्लैंड को विश्व कप में हराना सबसे मुश्किल होगा: कप्तान एलिसा हीली

● ऑस्ट्रेलिया भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट की ट्रॉफी को उठाने का प्रबल दावेदार

सिडनी, वार्ता। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भविष्यवाणी की है कि इस साल होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में उनकी टीम के लिए भारत और इंग्लैंड दो ऐसी टीमें होंगी जिन्हें हराना सबसे मुश्किल होगा। हीली ने आज यहां क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रायोजन कार्यक्रम में पत्रकारों से बात की और इस अनुभवी विकेटकीपर ने खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सब कुछ सही दिशा में है क्योंकि वे 37 सालों में महिलाओं के 50 ओवरों के विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने की कोशिश में हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व कप्तान शेरोन ट्रेड्रिया के नेतृत्व में 1982 और 1988 में लगातार दो विश्व कप जीते थे और सात बार की चैंपियन टीम इस साल भारत और श्रीलंका में होने वाले इस आयोजन में इस प्रसिद्ध ट्रॉफी को उठाने की प्रबल दावेदारों में से एक के रूप में उतरेगी। लेकिन हीली दुनिया की नंबर 1 वनडे टीम को लेकर कुछ भी हल्के में नहीं ले रही हैं और उन्होंने रैंकिग में अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों इंग्लैंड (दूसरे) और भारत (तीसरे) को 30 सितम्बर से शुरू होने वाले आठ टीमों के टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए संभावित बाधा के रूप में नामित किया है।

पावर ट्रॉंसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
अधिशासी अभियन्ता (परियोजना मुख्यालय भुगतान इकाई), कार्यालय विद्युत भवन, नजदीक आई०एस०बी०टी० क्रासिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून-248002 दूरभाष नं0 0135-2760628
Email:- ee_phqpu@ptcul.org

निविदा सूचना

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्य/आपूर्ति हेतु निविदायें दिनांक **27.08.2025** को 14.00 बजे तक पंजीकृत/स्पीडपोस्ट द्वारा आमन्त्रित की जाती हैं, जो उसी दिन 15:00 बजे उपस्थित निविदादाताओ के सम्मुख खोली जायेगी। प्रतिष्ठित निविदादाता जो सम्बन्धित कार्यो का अनुभव प्रमाणपत्र रखते है व इनकमटैक्स/जी.एस.टी./ई.पी.एफ. में रजिस्टर्ड है, के द्वारा निविदा प्रपत्र दिनांक **25.08.2025** तक किसी भी कार्य दिवस में अनुरोध पत्र के साथ निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 100.00+18% जी.एस.टी० अर्थात् रू० 118.00 (प्रतिदेय) का किसी भी राष्ट्रीय बैंक द्वारा जारी बैंक ड्राफ्ट जो General Manager Project, Office PTCUL, Dehradun के पक्ष में देय हो, जमाकर इस कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक निविदा की धरोहर धनराशि रू० 3,000.00 हैं।

1) **T-11/2025-26:** पिटकुल परियोजना मुख्यालय के अधीनस्थ परियोजना कार्यालयों में Printer Cartridges उपलब्ध करवाने का कार्य।
2) **T-12/2025-26:** पिटकुल परियोजना मुख्यालय के अधीनस्थ परियोजना कार्यालयों में साफ-सफाई से सम्बन्धित सफाई का सामान उपलब्ध करवाने का कार्य।
3) **T-13/2025-26:** पिटकुल मुख्यालय विद्युत भवन परिसर के L.H.S के स्टोर में रैक्स स्थापित करवाने का कार्य ।
4) **T-14/2025-26:** पिटकुल मुख्यालय विद्युत भवन बिल्डिंग में 01 नं0 LED T.V/Display क्रय कर स्थापित करवाने का कार्य।
5) **T-15/2025-26:** पिटकुल परियोजना मुख्यालय के अधीनस्थ परियोजना कार्यालयों में Tag-File की आपूर्ति का कार्य।

पत्रांक: 1456/मु0भु0इ0/पिटकुल/
दिनांक: 31.07.2025
अधिशासी अभियन्ता (प0मु0भु0इ0)

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें"

MAHATMA GANDHI CENTRAL UNIVERSITY
[A Central University established by an Act of Parliament]
Dr. Ambedkar Administrative Building, Motihari, East Champaran-845401, Bihar
Email: osdadmin@mgcub.ac.in | Website: www.mgcub.ac.in

RECRUITMENT NOTICE FOR STATUTORY POSITIONS

Online Applications for the posts of First Finance Officer and Controller of Examinations invited from eligible candidates to be filled up on regular/deputation/contract basis. For more details, please visit University Website **(www.mgcub.ac.in).**
Last Date for submission of Online Application is 5th August 2025.
cbc 21336/12/0001/2526

पावर ट्रॉंसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
अधिशासी अभियन्ता (जानपद मुख्यालय), कार्यालय विद्युत भवन, नजदीक आई०एस०बी०टी० क्रासिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून-248002 दूरभाष नं0 0135-2532772 मो0नं0 7088112452
email:- hqpu@ptcul.org

निविदा सूचना

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्य/आपूर्ति हेतु निविदायें दिनांक **25.08.2025** को 14.00 बजे तक पंजीकृत/स्पीडपोस्ट द्वारा आमन्त्रित की जाती है, जो उसी दिन 15:00 बजे उपस्थित निविदादाताओ के सम्मुख खोली जायेगी। प्रतिष्ठित निविदादाता जो सम्बन्धित कार्यो का अनुभव प्रमाण पत्र रखते है व इनकमटैक्स/जी.एस.टी./ई.पी.एफ. में रजिस्टर्ड है, के द्वारा निविदा प्रपत्र दिनांक **23.08.2025** तक किसी भी कार्य दिवस में अनुरोध पत्र के साथ निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 100.00+18% जी.एस.टी० अर्थात् रु० 118.00 (प्रतिदेय) का किसी भी राष्ट्रीय बैंक द्वारा जारी बैंक ड्राफ्ट जो Executive Engineer, HQPU, PTCUL के पक्ष में देय हो, जमाकर इस कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक निविदा की धरोहर धनराशि रू० 3,000.00 हैं।

1) **T-11/2025-26:** पिटकुल मुख्यालय "विद्युत भवन" बिल्डिंग के भूतल पर स्थापित प्रसाधन कक्ष में मरम्मत एवं अनुरक्षण का कार्य एवं अन्य जानपद सम्बन्धित अनुरक्षण कार्य।
2) **T-12/2025-26:** पिटकुल मुख्यालय "विद्युत भवन बिल्डिंग में विभिन्न तलों पर ACP Sheet स्थापित करवाने का कार्य एवं अन्य जानपद सम्बन्धित अनुरक्षण कार्य।
3) **T-13/2025-26:** पिटकुल मुख्यालय "विद्युत भवन" के भूतल पर स्थापित पिछले दरवाजे पर Toughnned Glass स्थापित करवाने का कार्य एवं अन्य जानपद सम्बन्धित अनुरक्षण कार्य।
4) **T-14/2025-26:** पिटकुल मुख्यालय "विद्युत भवन" में स्थापित S.T.P Plant में openwell Submersible Pump की आपूर्ति एवं स्थापित करवाने का कार्य एवं अन्य जानपद सम्बन्धित अनुरक्षण कार्य।
5) **T-15/2025-26:** पिटकुल मुख्यालय "विद्युत भवन" परिसर में पौध रोपण एवं Lawn की देखरेख सम्बन्धी अनुरक्षण कार्य एवं अन्य जानपद सम्बन्धित अनुरक्षण कार्य।

पत्रांक: 1455/मु0भु0इ0/पिटकुल/
दिनांक: 31/07/2025
अधिशासी अभियन्ता, जानपद (मु०)

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें"

केनरा बैंक भारत सरकार का उपक्रम **Canara Bank** A Government of India Undertaking
सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

आस्ति वसूली प्रबंधन (एआरएम) ।। शाखा
ए-27, प्रथम तल, हौज खास, नई दिल्ली-110016
ईमेल: **cb3038@canarabank.com**

ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से ऋणी(यों) व गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि प्रतिभूति ऋणदाताओं को बंधक/दृष्टिबंधक/प्रभारित नीचे वर्णित चल/अचल सम्पत्ति, जिस पर केनरा बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया है, को "जहां है जैसी है", "जो है कैसी है" और जैसी भी है" के आधार पर नीचे वर्णित दिनांकों को बंधक सम्पत्ति की बिक्री आयोजित की जाएगी। **प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और 9 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन धारा अधिनियम 2002 के अधीन**

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए कृपया **https://baanknet.com/** (मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड),. (सम्पर्क नं. **8291220220**, ईमेल: **Support.BAANKNET@psballiance.com** या केनरा बैंक की वेबसाइट **www.canarabank.com** में दिए गए लिंक "ई-नीलामी" को देखें। आरक्षित मूल्य की **10%** ईएमडी राशि मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड **https://baanknet.com/** पोर्टल के ई-वॉलेट में सीधे जमा की जानी है या चालान बनाकर उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करना है।

क्र. सं.	शाखा का नाम / कर्जदार/गारंटर्स/बंधककर्ता का नाम एवं पता	चल/अचल संपत्ति का विवरण और कब्जे की स्थिति	कुल बकाया राशि	a. आरक्षित मूल्य (रु.) b. धरोहर राशि (रु.) c. बोली वृद्धि (रु.) d. बिक्री सूचना की तिथि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय (प्रत्येक 5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ) / ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी से पूर्व अपोइंटमेंट लेकर सम्पत्ति का निरीक्षण किया जा सकता है और सम्पर्क व्यक्ति का नाम
1	**मैसर्स केएमसी प्लास्टोकेम प्रोप. नवीन कुमार गुप्ता** प्लॉट नंबर ए-2बी, आईईई (ग्रोथ सेंटर), सिगड्डी कोटद्वार, पौरी गढ़वाल, उत्तराखंड- 246149 **प्रोप. नवीन कुमार गुप्ता** डी-6, अरिहंत विहार, कृष्णा नगर, पी.ओ. गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार, उत्तराखंड-249407 **श्री वैभव गुप्ता (गारंटर)** डी-6, अरिहंत विहार, कृष्णा नगर, पी.ओ. गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार, उत्तराखंड-249407	स्वामी श्री नवीन गुप्ता पुत्र श्री वेद प्रकाश गुप्ता के माध्यम से मैसर्स केएमसी प्लास्टोकेम के नाम प्लॉट नंबर ए-2बी, आईआईई, सिगड्डी कोटद्वार जिला- पौड़ी गढ़वाल स्थित फैक्ट्री भूमि और भवन, क्षेत्रफल 4089.34 वर्ग मीटर, के पट्टा विलेख का ईएमटी चौहद्दी - उत्तर : प्लॉट नंबर-ए2ए, दक्षिण : 24 मीटर चौड़ी रोड, पूर्व : खाली भूमि, पश्चिम : 12 मीटर चौड़ी रोड (सम्पत्ति बैंक के भौतिक कब्जे में है)	रूपये 9,09,56,711.84 दिनांक 31.03.2021 तक साथ ही 01.04.2021 की अतिरिक्त ब्याज दर, साथ ही व्यय, अन्य शुल्क आदि, वसूली घटाकर यदि कोई हो तो	a. ₹.2,32,00,000/- b. ₹.23,20,000/- c. ₹.1,00,000/- d. 29.07.2025	**20.08.2025** अपराह्न 12.30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे के बीच / **19.08.2025** अपराह्न 05.00 बजे तक	किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11.00 से सांय 4.00 बजे के बीच श्री दीक्षांत सरकार (अधिकारी) मो. 9667732023 श्री मनोज कुमार (प्राधिकृत अधिकारी) मो. 8826933887
2	**मैसर्स सनी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रॉप. पप्पू कुमार पुत्र सोरन सिंह** 580 ब्रह्मपुरी निरंजनपुर देहरादून 248001 **श्री पप्पू कुमार पुत्र सोरन सिंह** 580 ब्रह्मपुरी, निरंजनपुर, देहरादून 248001 **मैसर्स प्रमिला पत्नी पप्पू कुमार** 580 ब्रह्मपुरी, निरंजनपुर, देहरादून 248001	मौजा बरहमावाला, परगना सेंट्रल दून, देहरादून में स्थित खसरा नंबर 235 (पुराना खसरा नंबर 32) क्षेत्रफल 900 वर्ग फीट या 83.643 वर्ग मीटर भूमि पर निर्माणाधीन सम्पूर्ण आवासीय सम्पत्ति चौहद्दी - पूर्व : श्री अर्जुन की भूमि भुजा माप 30 फीट, पश्चिम : श्रीमती कमला शर्मा की भूमि, भुजा माप 30 फीट, उत्तर : 20 फीट चौड़ी रोड, भुजा माप 30 फीट, दक्षिण : श्रीमती कमला शर्मा की भूमि, भुजा माप 30 फीट (संपत्ति बैंक के सांकेतिक कब्जे में है)	रु. 41,37,873.80 प्लस आगे टीओडी, ब्याज और अन्य व्यय @18.15% और 30.04.2024 से देय अतिरिक्त ब्याज और अन्य व्यय, वसूली घटाकर यदि कोई हो	a.₹.44,10,000/- b. ₹.4,41,000/- c. ₹.50,000/- d. 24.07.2025	**20.08.2025** अपराह्न 12.30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे के बीच / **19.08.2025** अपराह्न 05.00 बजे तक	किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11.00 से सांय 4.00 बजे के बीच श्री सिद्धार्थ शुक्ला मो. 9928875879 श्री मनोज कुमार (प्राधिकृत अधिकारी) मो. 8826933887
3	**मैसर्स एसआरएल ट्रेडर्स सी/ओ पवन कुमार सिंह** वनखंडी नाथ नगर, चुकटी देवरिया, रुद्रपुर रोड किच्छा, जिला उधम सिंह नगर, उत्तराखंड और **श्री पवन कुमार सिंह (मालिक/उधारकर्ता) पुत्र श्री रोशन लाल,** वनखंडी नाथ नगर, चुकटी देवरिया, रुद्रपुर रोड किच्छा, जिला उधम सिंह नगर, उत्तराखंड	श्री पवन कुमार सिंह पुत्र श्री रोशन लाल के नाम ग्राम जयनगर, तहसील रूद्रपुर उधमसिंह नगर में खुली भूमि खतौनी नंबर 00065, खसरा नंबर 230, परिमाप 74.35 वर्ग मीटर चौहद्दी - पूर्व : 30 फीट चौड़ी रोड, पश्चिम : अन्य व्यक्ति की सम्पत्ति, उत्तर : पंकज कुमार की सम्पत्ति, दक्षिण : कंचन सिंह की सम्पत्ति, स्वामित्व धारक का नाम : श्री कुंवर पाल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री रामजी लाल	रूपये 99,68,006.76 दिनांक 08.11.2022 तक, साथ ही 09.11.2022 से उस पर अतिरिक्त ब्याज और अन्य कानूनी शुल्क, मूल्यांकन शुल्क और विविध शुल्क तथा वसूली घटाकर यदि कोई हो तो	a. ₹.7,00,000/- b. ₹.70,000/- c. ₹.10,000/- d. 24.07.2025	**20.08.2025** अपराह्न 12.30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे के बीच / **19.08.2025** अपराह्न 05.00 बजे तक	किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11.00 से सांय 4.00 बजे के बीच श्री सिद्धार्थ शुक्ला मो. 9928875879 श्री मनोज कुमार (प्राधिकृत अधिकारी) मो. 8826933887
4	**मैसर्स कुँवर पाल सिंह एंड कंपनी प्रोप. श्री कुँवर पाल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री रामजी लाल** निवासी ग्राम सधौला, पोस्ट मकदूमपुर, परगना मंगलौर, तहसील-रुड़की, जिला हरिद्वार-247656 **श्री कुँवर पाल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री रामजी लाल निवासी** ग्राम सधौला, पोस्ट मकदूमपुर, परगना मंगलौर, तहसील: रुड़की, जिला हरिद्वार-247656	ग्राम सधौला, पोस्ट मकदूमपुर, परगना मंगलौर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार-247656 स्थित सम्पूर्ण आवासीय सम्पत्ति का ईएमटी, कुल भूमि क्षेत्रफल परिमाप 158.92 वर्ग मीटर अर्थात 1710.00 वर्ग फीट। चौहद्दी - पूर्व : तीरपाल का मकान, पश्चिम : राजवीर सिंह का मकान, उत्तर : सुरेशपाल का मकान, दक्षिण : कुंवरपाल का मकान और रास्ता 10' (सम्पत्ति बैंक के भौतिक कब्जे में है)	रूपये. 39,95,782.71 दिनांक 27.08.2020 तक प्लस 01.08.2020 से प्रभावी ब्याज प्लस व्यय वसूली 27.08.2020 के बाद	a.₹.6,50,000/- b. ₹.65,000/- c. ₹.10,000/- d. 24.07.2025	**20.08.2025** अपराह्न 12.30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे के बीच / **19.08.2025** अपराह्न 05.00 बजे तक	किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11.00 से सांय 4.00 बजे के बीच श्री सिद्धार्थ शुक्ला मो. 9928875879 श्री मनोज कुमार (प्राधिकृत अधिकारी) मो. 8826933887

दिनांक: 31.07.2025, स्थान : नई दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

पुत्र के झगड़े का बदला लेने के लिए

पड़ौसी की हत्या करने वाला पिता गिरफ्तार

❖तीन दिन पूर्व स्कूल में बच्चों के झगड़े में आपस में भिड़े थे पड़ोसी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अपने पुत्र के झगड़े का बदला लेने के लिए पिता ने पड़ोसी की गला दबाकर हत्या की थी। पुलिस ने मुख्य हत्या आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट की पेशी के बाद हत्या आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

गंगनहर कोतवाली को नैतिक माहेश्वरी निवास निवासी रावत टेंट वाली गली सुभाषनगर ने तहरीर देकर बताया कि मंगलवार रात के वक्त वह अपने पिता अजय माहेश्वरी, मां भावना माहेश्वरी और भाई पार्थ माहेश्वरी के साथ घर पर था। तभी पड़ोसी अमित शर्मा का परिवार रोड पर खड़ा होकर गाली गलौज कर रहा था। विरोध करने के लिए पिता अजय माहेश्वरी और भाई पार्थ माहेश्वरी बाहर गए थे। तभी पड़ोसी अमित शर्मा के परिवार ने पिता और भाई पर गलत टिप्पणी करने का आरोप लगाकर गाली गलौज शुरू कर दी। मामला बढ़ा तो पड़ोसी अमित शर्मा ने अपने परिवार के साथ मिलकर पिता अजय माहेश्वरी का गला दबा दिया। काफी लोगों ने पिता को छुड़ाने का भी प्रयास किया। इस बीच

पिता बेसुध होकर सड़क पर गिर पड़े। जिसके बाद पड़ोसी अमित शर्मा का परिवार घटनास्थल से फरार हो गया। पिता को एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने पिता को चेकअप में मृत घोषित कर दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी। पुलिस ने पिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। बृहस्पतिवार को पुलिस ने मुख्य हत्या आरोपी अमित शर्मा निवासी सुभाषनगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में अमित शर्मा ने बताया कि उनका पुत्र और पड़ोसी अजय का पुत्र एक स्कूल में पढ़ते हैं। दोनों बच्चों में किसी बात को लेकर स्कूल में झगड़ा हो गया था। जिसके बाद उन्होंने अपने पुत्र के झगड़े का बदला लेने के लिए पड़ोसी अजय की गला दबाकर हत्या कर दी थी। पुलिस टीम में इंस्पेक्टर आरके सकलानी, अपर उप निरीक्षक मनीष कवि, कांस्टेबल प्रभाकर और लाल सिंह शामिल रहे

कार की टक्कर से बीटेक छात्र की रीड की हड्डी टूटी

❖कार चालक के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। आईआईटी के बीटेक छात्र को कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में छात्र गंभीर घायल है। घायल छात्र के पिता ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

रुड़की कोतवाली को सुरेश कुमार बुनकर निवासी महार खुर्द वाया सामोद जिला जयपुर राजस्थान में तहरीर देकर बताया कि पुत्र जीतेश कुमार आईआईटी में बीटेक द्वितीय वर्ष का छात्र है। मंगलवार सुबह आठ बजे पुत्र साइकिल पर सवार होकर लेक्चर हॉल के लिए हॉस्टल से निकला था। तभी आईआईटी कैंपस में यूके-17 नंबर की काररर ने पुत्र को टक्कर मार दी थी। जिसमें पुत्र के रीड की हड्डी में फैक्चर हो गया। पुत्र को संस्थान के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इंस्पेक्टर मनी भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि यूके-17 नंबर के अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सड़क दुर्घटना में साथी की मौत मामले में दोस्त पर मुकदमा दर्ज

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। सड़क दुर्घटना में साथी की मौत होने पर मृतक की भाभी ने दोस्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को देखने के लिए पुलिस ने तैयारी की है। गंगनहर कोतवाली को संध्या निवासी पूर्ववाली गणेशपुर ने तहरीर देकर बताया कि 11 जून को जेठ नरेंद्र पाल सुबह किसी काम से बाहर गए थे। लेकिन देर शाम तक भी घर में लौटे थे। जिसके बाद 12 जून को पता चला की जेठ मालवीय चौक के पास सड़क दुर्घटना में घायल होने पर सिविल अस्पताल पहुंचे थे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जेठ को देहरादून के लिए रेफर कर दिया गया था। जहां देहरादून के अस्पताल में जेठ को मृत घोषित कर दिया गया था। देहरादून पुलिस ने जेठ के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। जिसके बाद परिवार ने घटनास्थल से जांच पड़ताल की तो दुर्घटना के संबंध में अहम जानकारी मिली थी। पीड़ित परिवार के मुताबिक नरेंद्र पाल अपने साथी अमित सोलंकी निवासी पीपलवाली गली के पास पनियाला वाले रोड आजादनगर के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। इस बीच अमित सोलंकी लापरवाही से बाइक चला रहा था। जबकि जेठ नरेंद्र पीछे बैठे थे। तभी किसी तरह जेठ बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिसके बाद अमित सोलंकी ने जेठ नरेंद्र पाल को गंभीर रूप से घायल होने पर वहीं छोड़ दिया था। इंस्पेक्टर आरके सकलानी ने बताया कि आरोपी अमित सोलंकी निवासी आजादनगर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

केवी-1 में पुस्तकों की प्रदर्शनी का शानदार आयोजन

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 एक रूडकी में आज हिंदी के सुप्रसिद्ध लेखकमुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर उनके द्वारा रचित पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इनमे उनकी पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन प्राचार्य चन्द्र शेखर बिष्ट ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 31 जुलाई 1880को वाराणसी के पास एक गांव लम्ही में जन्मे प्रेमचंद ने अपने साहित्य में शोषण और अधीनता, लालच और भ्रष्टाचार, गरीबी और जाति व्यवस्था के बारे में लिखा। उन्होंने निरंतर गरीबी के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी लेखनी हमेशा शोषण और अन्याय के खिलाफ चलती रही, और इसी गुण ने प्रेमचंद को आधुनिक पाठकों के लिए भी प्रासंगिक बना दिया द्य नमक का दरोगा, दो बैलों की कथा या ईदगाह जैसी महान कहानियां आज भी स्कूली पाठ्यपुस्तकों में पढ़ने के लिए हैं। इस अवसर पर उप प्राचार्या संगीता खोराना ने कहा कि किसी भी महान लेखक एवं कवि की रचनाओं को पढना ही उनको

सच्ची श्रद्धांजलि है। मुंशी प्रेमचंद हिंदी साहित्य के एक प्रसिद्ध लेखक थे, जिन्हें उपन्यास सम्राट के रूप में भी जाना जाता है। प्रेमचंद ने हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं में लेखन किया और अपने समय के सबसे लोकप्रिय लेखकों में से एक थे। पुस्तकालयाध्यक्ष पूनम कुमारी ने कहा कि महान कवियों तथा लेखकों की जयंती पुस्तकालय में मनाने का मुख्य उद्येश्य विद्यार्थियों को उनकी रचनाओं से अवगत कराना है तथा साहित्य पढने के प्रति उनकी रूचि को जागृत करना है। प्रेमचंद जी की जयंती के अवसर पर उनकी रचनाओं की प्रदर्शनी का आयोजन विद्यार्थियों को उनकी रचनाओं से अवगत कराना तथा हिंदी साहित्य को पढने के लिए प्रेरित करना हैद्य सभी उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा प्रेमचंद की रचनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

ढाई कुंतल गो मांस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा गौमांस व भैंसवंशीय पशु मांस वजन लगभग 250 किलोग्राम सहित एक अभि0 को किया गिरफ्तार तथा एक फरार हो गया है। दिनांक-30/7/2025 को थाना भगवानपुर पुलिस को मुखबीर खास द्वारा सूचना दी गयी की गाँव चोली शाहबुद्दीनपुर में मुंतजीर पुत्र सईद की मीट की दुकान के अंदर मुंतजीर पुत्र सईद तथा मोहसीन पुत्र सईद के द्वारा अवैध रुप से बिना लाईसेंस के भैंसवंशीय पशुकटान के साथ गाय काटकर गाय का मांस भी बेचा जा रहा है। दुकान है जहा पर दो व्यक्ति पशु मांस की कांट-छांट कर रहे हैं। इन व्यक्तियों की नजर पुलिस कर्मियों पर पडने पर पुलिस कहते ही इस दुकान के पीछले दरवाजे से भागने लगे। जिस पर पुलिस कर्म गण तुरंत दरवाजा खोलकर दुकान के अंदर ही इनमे से एक व्यक्ति को पुलिस कर्मियों ने पकड़ लिया। दूसरा व्यक्ति भागने में सफल रहा। पकड़े गए व्यक्ति से नाम पता पुछा अपना नाम नाम मुंतजीर पुत्र सईद निवासी ग्राम सिकंदरपुर भैंसवाल थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार बताया।

बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने वाले दो युवकों का चालान, ड्रोन जप्त

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने वाले दो युवकों के खिलाफ पुलिस चालान कर ड्रोन जब्त कर लिया हैं।ओर भविष्य में बना अनुमति के ड्रॉन उड़ाने पर सख्त कार्रवाई करने हिदायत दी हैं

ड्रोन उड़ाने वाली की अफवाहों पर एसएसपी हरिद्वार पहले ही तस्वीर साफ कर चुके हैं।कलियर क्षेत्र में एक वीडियो वायरल हो रहा था। जिसमें दावा किया गया कि कुछ बदमाश ड्रोन उड़ाकर इलाके में रैकी कर रहे हैं।वीडियो के प्रसारित होने से आमजन में भय एवं भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई।कलियर पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर तत्काल जांच के आदेश दिए गए ओर स्वयं भी पूरे मामले का संज्ञान लिया गया। पुलिस ने अलीशान पुत्र असलम और इमरान पुत्र नफीस अहमद निवासी महमूदपुर पिरान कलियर को पकड़कर पूछताछ की गई।जिसमें अलीशान ने बताया कि वह अपने निजी ड्रोन को अपडेट एवं परीक्षण के लिए उड़ा रहा था। इसी दौरान किसी ने उसकी वीडियो बनाकर भ्रामक आशंका के आधार पर सोशल मीडिया पर बदमाशों द्वारा रैकी" का दावा करते हुए वायरल कर दिया गया। थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि बिना अनुमति को ड्रॉन उड़ाने वाले दोनो युवको को गिरफ्तार कर कारवाई कर ड्रॉन को जब्त कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार,एसएसआई बी.एस. चौहान,जितेन्द्र सिंह, नीरज राणा शामिल रहे।

सनातन धर्म को बचाने में ऋषि मुनियों का अहम योगदान

शाह टाइम संवाददाता

लंढौरा। चमन लाल महाविद्यालय में आदि गुरु शंकराचार्य का भारतीय संस्कृति में योगदान विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा संपोषित था। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामकुमार शर्मा सचिव अरुण हरित ने दीप प्रज्वलित कर किया।

चमनलाल महाविद्यालय में आदि गुरु शंकराचार्य का भारतीय संस्कृति में योगदान विषय को लेकर आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य सरकार में उच्च शिक्षा उन्नयन समिति मंत्री डॉ. जयपाल सिंह ने कहा कि भारत देश प्रारंभ से ही ज्ञान विज्ञान योग आदि से परिपूर्ण रहा है। जब जब सनातन धर्म में विसंगतियां आने लगी तब तब संत ऋषि मुनियों आदि शक्तियां प्रकट

हुई इस मौके पर गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग से डॉ. बबलू वेदअलंकार ने कहा की आदि गुरु शंकराचार्य ने शास्त्र परंपरा को प्रारंभ किया इसके अंतर्गत हम जीवन की सुंदर कल्पना कर सकते हैं उन्होंने बताया कि जाति व्यवस्था किसी भी ग्रंथ में नहीं मिलती है केवल वर्ण व्यवस्था को ही प्राथमिकता प्रदान की गई थी। उन्होंने द्वैत एवं अद्वैत में अतंर बताते हुए कहा कि महर्षि कणाद के अनुसार जो दूसरों की मदद करें वह धर्म तथा जो बुरा करे वह अधर्म कहलाता है। कार्यक्रम में देव संस्कृति विश्वविद्यालय से प्रोफेसर कृष्णा झरे ने आदि गुरु शंकराचार्य के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने बाल्यावस्था से ही अनेक तीर्थों की यात्रा की तथा अनेक ग्रंथ उपनिषद् आदि की रचनाएं की चार मठों की स्थापना कर सनातन संस्कृति के उच्च आदर्शों की स्थापना की, इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील उपाध्याय ने प्रेमानंद महाराज जी का जिक्र करते हुए ईश्वर को सभी में देखना वास्तव में समता की दृष्टि को विकसित करता है। उत्तराखंड सरकार में राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल ने आदि गुरु शंकराचार्य जी को शिखर पुरुष बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में उनके योगदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता। मंच का संचालन आशुतोष शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. श्वेता ने सभी अतिथियों को शाल एवं रुद्राक्ष की माला भेंट की अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

आर्मी पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा रैली का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आर्मी पब्लिक स्कूल नं० 1 रुड़की में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा के मूल मंत्र को ध्यान में रखते हुए निकाली गई, जिसमें विद्यालय के प्राथमिक कक्षाओ के लगभग 165 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली की शुरुआत प्राचार्या सुश्री रितु डोगरा द्वारा विद्यालय का झंडा दिखाकर की गई। छात्र-छात्राएँ हाथों में विभिन्न नारे लिखी हुई तख्तियां और पोस्टर लेकर जनजागृति का संदेश देते चल रहे थे। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, ष्सावधानी हटी, दुर्घटना घटी, और ष्हेलमेट है जरूरी, जीवन की है जिम्मेदारी आदि नारों से शहर वासियों को उत्साहपूर्वक जागरूक करते, कदम से कदम मिलाते समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से ओत -प्रोत थे। इस रैली में छात्रों ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने, ट्रैफिक सिग्नलों का महत्त्व, हेलमेट और सीट बेल्ट पहनने जैसी बातों पर भी लोगों को जागरूक किया। यह रैली नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए कैंट बोर्ड विद्यालय तक पहुँची, जहाँ छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया जो अत्यंत सराहनीय था। प्राचार्या महोदया ने बताया कि इस तरह की गतिविधियाँ समाज में सक्रिय सहभागिता के माध्यम से छात्रों के में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करती हैं और साथ ही समाज में जागरूकता लाने में भी सहायक होती हैं।

अपहरण के मामले में नया मोड, प्रेमी के साथ कोर्ट मैरिज कर सुरक्षा लेने पहुंची थाने

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। चार दिन पूर्व कार सवारो द्वारा युवती के अपहरण करने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है अब युवती अपने प्रेमी के साथ कोर्ट मैरिज कर थाने पहुंची और परिवार व रिश्तेदारों से जान माल के खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है।

अवगत करा दें कि थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक महिला द्वारा चार दिन पूर्व थाने में चार लोगों के खिलाफ अपनी बेटी को जबरदस्ती कार में डालकर अपहरण कर ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया था। गुरुवार को उक्त महिला की बेटी अपने प्रेमी के साथ कोर्ट मैरिज कर थाने में आए तथा परिजनों से सुरक्षा की गुहार पुलिस से लगाई है। थाना निरीक्षक अजय सिंह ने बताया कि 4 दिन पूर्व थाना क्षेत्र की एक महिला ने थाने में तहरीर देकर एक महिला व तीन लोगों के खिलाफ अपनी बेटी को जबरदस्ती कार में डालकर ले जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। गुरुवार को उक्त महिला की बेटी व उसका प्रेमी कोर्ट मैरिज कर लेने के बाद थाने में उपस्थित हुए तथा कोर्ट मैरिज के कागज दिखाते हुए परिजनों से सुरक्षा की मांग पुलिस से की है। पुलिस ने परिजनों को थाने बुलाकर उन्हें समझा बुझा दिया है तथा लड़की को उसके प्रेमी के साथ भेज दिया गया है।

खोया-पाया सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2022 की मार्कशीट रोल नं0 22001631 उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद वास्तव में कही खो गयी है जिसका प्रयोग किसी अन्य के लिए अवेध होगा।

सागर कुमार पुत्र बालेश्वर नि. ग्राम शेखपुरी थाना व तह. लकसर हरिद्वार

अवैध चाकू के साथ एक दबोचा

लक्सर। पुलिस के द्वारा एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधीयो व संदिग्ध व्यक्तियों व असामाजिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा 30 जुलाई 2025 को एक व्यक्ति को संदिग्ध घूमते हुए गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में अपना नाम मोनू पुत्र स्वर्गीय मोतीराम निवासी स्टेट बैंक वाली गली मेंन बाजार लक्सर बताया।

अब 7 अगस्त तक कर सकते हैं हज के लिए आवेदन

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। उत्तराखंड हज समिति द्वारा हज यात्रा 2026 को बेहतर बनाने के लिए हज आवेदको को हज आवेदन करने का एक ओर मौका प्रदान किया गया है। हज समिति द्वारा आवेदन करने की तिथि को 31 जुलाई से बढ़ाकर 7 अगस्त कर दिया गया है।उक्त जानकारी हज अधिशासी अधिकारी मोहम्मद आरिफ द्वारा एक विज्ञप्ति के माध्यम दी गई।उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई द्वारा हज यात्रा 2026 हेतु हज आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई, 2025 निर्धारित की गई थी।आगे हज आवेदन करने के लिए कम समय होने तथा कुछ हज आवेदकों के पासपोर्ट नही बन पाने के कारण हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई द्वारा सर्कुलर नंबर 06 तथा 31 जुलाई को जारी कर हज यात्रियों को एक ओर मौका प्रदान किया गया है।अब हज आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से 07 अगस्त, 2025 कर दी गई।उन्होंने बताया कि हज यात्रा पर जाने के इच्छुक हज यात्री अन्तिम तिथि 07 अगस्त, 2025 तक हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई की वेबसाईट या मोबाईल पर हज सुविधा एप के माध्यम से ऑनलाईन हज यात्रा का आवेदन कर सकते है।

अग्निशमन विभाग ने अध्यापकों व छात्रों को बताएं सुरक्षा के गुर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अग्निशमन विभाग की ओर से स्कूल में अग्निशमन उपकरणों के बारे में बताया गया। अध्यापक और छात्रों को मॉक ड्रिल के माध्यम से बचाव और सुरक्षा के गुर बताएं। छात्रों को यातायात नियम के प्रति भी जागरूक किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को राजेंद्रनगर स्थित स्कूल में फायर उपकरण के बारे में जागरूकता अभियान के बाद मॉक ड्रिल की गई। इस मौके पर फायरमैन अतर सिंह राणा, मोहन सिंह और हरीश राणा ने अध्यापक और छात्राओं को बताया कि वह किस प्रकार अग्निदुर्घटना के वक्त प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों का प्रयोग कर सकते हैं। इस बीच मॉक ड्रिल कर सुरक्षा और उपाय के भी गुरु बताए गए। अध्यापक और छात्रों को बताया कि रसोई का काम समाप्त होने के बाद गैस सिलेंडर को रेगुलेटर से बंद करना न भूले। कभी भी कोई चिराग या मोमबत्ती रात के वक्त जलाकर न सोए। इस मौके पर छात्रों को प्राथमिक चिकित्सा आपातकालीन नंबर 112 के महत्व और यातायात नियमों के बारे में भी बताया गया।

झबरेड़ा नगर पंचायत ने मुख्य बाजार से हटवाया अतिक्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बे के मुख्य बाजार से नगर पंचायत झबरेड़ा कर्मचारियों तथा पुलिस द्वारा दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। साथ-साथ दुकानदारों को आगे अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई। बुधवार शाम नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी द्वारा मुख्य बाजार से अतिक्रमण हटाने की कमान संभालते हुए दुकानदारों का सामान पीछे करवाया गया। कस्बे के मुख्य बाजार मैं बढ़ते अतिक्रमण के कारण यहां से पैदल निकलना भी दुश्वार हो रहा था। मुख्य बाजार की सड़क के दोनों और बनी दुकानों के आगे दुकानदार अपना काफी सामान अपनी अपनी दुकान के आगे निकाल कर रखते थे। कुछ दुकानदार अपनी दुकानों के आगे सब्जी तथा फल की फड लगवाते हैं। जिससे मुख्य बाजार की काफी चौड़ी सड़क भी तंग हो गई हैं। कस्बा झबरेड़ा ग्रामीण कस्बा है यहां पर आसपास के गांव के काफी लोग घरेलू सामान खरीदने के लिए आते हैं। अधिकतर लोग अपनी बाइक लेकर आने के कारण दुकान से सामान खरीदने के लिए जिस दुकान से सामान खरीदते हैं उसी दुकान के सामने अपनी बाइक खड़ी करते हैं। दोनों और बाइक खड़ी होने से मुख्य बाजार से पैदल निकलना भी परेशानी का सबब बन जाता है।

ज्ञानदीप हाई स्कूल में नैनीताल बैंक के प्रबंधक व कर्मचारियों ने किया पौधारोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। नैनीताल बैंक के अधिकारी कर्मचारियों ने आज ज्ञानदीप हाई स्कूल के प्रांगण में वृक्षारोपण कर छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के महत्व को समझाते हुए जागरूक रहने की शपथ दिलाते हुए पौधे लगाने का आह्वान किया।

बैंक प्रबंधक संदीप के अंदर ने कहा किसाफ सुथरा सुरक्षित वातावरण के लिए पौधारोपण जरूरी है इसलिए हम सब की जिम्मेदारी कि हम अपनी जिंदगी में पौधे जरूर लगाए ताकि हमें साफ सुथरा वातावरण मिल सके और प्रदूषण को रोका जा सके । क्योंकि दूषित वातावरण से हीअरे बीमारियां फैलती हैं जो सिर्फ पेड़ पौधों से ही रोका जा सकता है

ज्ञानदीप पब्लिक हाई स्कूल के प्रांगण में नैनीताल बैंक के प्रबंधक श्री संदीप कैंतुरा एवं समस्त स्टाफ जयाकुंवर ,संजना तोमर ,मयंक त्यागी ,दलजीत कौर द्वारा नैनीताल बैंक लिमिटेड रुड़की के 104वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण को परिपुष्ट करने के लिए वृक्षारोपण किया गया। जिसमें विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा पंत ,प्रबंधक श्री वासुदेव पंत

एवं स्टाफ श्रीमती आरती रावत, श्रीमती इंदु देवी, श्री अंकित धीमान , मिस लकी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ट्रम्प के बिगड़ते बोल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पूरी तरह बेलगाम होते दिखाई दे रहे हैं। वे किसके विषय में कब क्या बोल दें कोई नहीं जानता। उनके फैसले भी बेहद अटपटे दिखाई दे रहे हैं। भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अब उन्होंने कह दिया है कि भारत और रूस की इकोनॉमी डेड हो चुकी है। आम बोलचाल में डेड इकोनॉमी उस स्थिति को कहते हैं जब किसी देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाए या बिल्कुल सुस्त पड़ जाए। यह एक तरह से किसी देश के दिवालियापन जैसा हो सकता है, जहां न कोई नौकरी रहती है न लोगों की कमाई बढ़ती है। लोग आर्थिक तंगी में फंस जाते हैं।

अब उन्होंने यह बात किस आकलन के आधार पर कही यह तो वही जानें, लेकिन इससे यह तो पता चलता ही है कि वह भारत को लेकर बेहद ही बेरुखा रुख अपना रहे हैं और यह तब है जब वह भारत को मित्र देशों की श्रेणी में भी रखते दिखाई देते हैं। ट्रम्प को समझना होगा कि हर देश की अपनी सीमाएं हैं अपने हित हैं, उसको उन्हीं के हिसाब से फैसले लेने होते हैं। जैसेकि गुरुवार को उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में कहा भी कि सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। सरकार अपने देश के किसानों, मजदूरों, सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्योगों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। गोयल ने यह भी कहा कि अब तक अमेरिका के साथ चार दौर की बातचीत हो चुकी है और बातचीत अभी टूटी नहीं है।

लगता है कि ट्रम्प को इससे कोई मतलब नहीं है वह बेहद जल्दबाजी में हैं और वह ट्रेड को लेकर बेहद आक्रामक मुद्रा में हैं। वह किसी की सुनने के लिए भी तैयार नहीं हैं। उन्हें किसी की लाभ–हानि से कोई लेना–देना नहीं है। उन्हें केवल अमेरिका का हित दिखाई दे रहा है। उनकी तमाम कोशिश है कि अमेरिका को जो व्यापार में तमाम फायदें मिलें, जबकि दूसरे देशों को भी फायदा हो इससे उन्हें कोई सरोकार दिखाई नहीं दे रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प को समझना चाहिए कि उनकी अर्थव्यवस्था बेहद मजबूत है और इस मजबूती के चलते उनका कोई दायित्व भी गरीब विकासशील देशों के प्रति बनता है। आखिर बड़ा वही कहलाता है, जो अपने छोटे देशों का भी ख्याल रखे, लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प व्यापार को लेकर किसी तरह का ख्याल रखने के मूड में नहीं हैं और न ही किसी देश की मजबूरी को समझ रहे हैं और सबसे बड़ी विचित्र बात तो यह है कि वह अपनी इस मंशा को छुपा भी नहीं रहे हैं। भारत के संदर्भ में वह खुलकर कह रहे हैं, क्योंकि भारत रूस से बड़ी संख्या में सैन्य साजो–सामान पेट्रोलियम पदार्थ व गैस की आपूर्ति कर रहा है। इसलिए वह भारत पर टैरिफ लगा रहे हैं। वह नहीं चाहते कि रूस के साथ कोई व्यापार करे। यह कैसे संभव है। हर देश अपनी जरूरत के हिसाब से किसी भी देश के साथ व्यापार करता है। अगर रूस हमें सस्ते दामों पर तेल व गैस दे रहा है, तो इस पर अमेरिका को क्यों आपत्ति होनी चाहिए, लेकिन आपत्ति हो रही है, बल्कि आपत्ति ही नहीं वह एक तरह से दंड भी देना चाहता है। टैरिफ लगाना यह दंड देने का ही एक तरीका है।

केंद्र सरकार अपने आश्वासन पर खरी उतरे

उम्मीद है कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर केंद्र सरकार अपने आश्वासन पर खरी उतरेगी, मित्र देश बताने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय आयात पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क तथा रूस से तेल आयात करने पर पेनाल्टी लगाने की घोषणा की गई है, इस नई चुनौती को केंद्र सरकार अवसर एवं आत्मनिर्भरता में बदलकर देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं होने देगी, इसको लेकर देश को दिए गए इस आश्वासन पर कि किसान, छोटे व मंझोले उद्योग और राष्ट्रहित से कोई समझौता नहीं करेगी, इस पर खरी उतरकर दिखाएगी, भारत गरीबों और मेहनतकश लोगों का देश है, हर हाथ को काम देने के साथ देश को आगे बढ़ाने की नीति बनाकर उस पर सही से अमल होना चाहिए। **–सुश्री मायावती, बसपा सुप्रीमा**

सियाम की परछाइयां: मंदिर, युद्ध और वैश्विक शतरंज

वाहिद नसीम

> राजा के भरोसेमंद लोग, जो सिर्फ सीमा पर तैनात कमांडर नहीं, बल्कि एक मानसिकता के वाहक हैं, जो थाईलैंड को ग्लोबल साउथ के उदय से काटकर, पश्चिम की गोद में बिठाना चाहते हैं। बैंकॉक का अभिजात वर्ग, जो BRI और BRICS के उदय को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। ये वे लोग हैं जो इतिहास से अधिक लाभ में विश्वास करते हैं और मंदि. रों के नाम पर युद्ध बेचते हैं, लेकिन लाभ के लिए शांति खरीदते हैं।

जब युद्ध अचानक प्रकट होता है, तो कहीं न कहीं कोई उसे वर्षों से यह फसल उगा रहा होता है धीरे, छुपकर, और गहरी चालों के साथ। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर उठता धुआं, कुछ विश्लेषकों के लिए सिर्फ एक पारंपरिक विवाद है, मगर इस लेख के मेरे लिए यह एक बहुत गहरे भू–राजनीतिक युद्ध की भूमिका है, जिसकी स्क्रिप्ट वाशिंगटन, लंदन और तेल अवीव में लिखी जा रही है। इसमें इस्तमाल किए गए हथियरों से संकेत स्पष्ट है। यह केवल थाई–कंबोडिया संघर्ष नहीं, यह चीन के खिलाफ छेड़ा जा रहा एक परोक्ष वैश्विक युद्ध का पहला कदम है, जिसमें दक्षिण–पूर्व एशिया, ब्रिक्स और पूरा ग्लोबल साउथ युद्ध के शतरंज पर मोहरे बन चुके हैं।

प्राचीन मंदिर, आधुनिक महायुद्ध

सीमा विवाद का प्रतीक बन चुका है प्रीह विहेयर मंदिर। एक प्राचीन खमेर मंदिर जो डांगरेक पर्वतों पर स्थित है, जिसकी दीवारें चुपचाप सियाम के उत्थान, खमेर साम्राज्य की गरिमा, और औपनिवेशिक सीमा–रेखाओं की क्रूरता की गवाह रही हैं।

थाई अभिजात वर्ग और सैन्य नेतृत्व, इस मंदिर को राज्य–गौरव का प्रतीक मानते हैं, जो 1907 की फ्रांस–सियाम संधि से कटे हुए अतीत को पुन:स्थापित करने का माध्यम बन सकता है। परंतु यह सिर्फ एक मंदिर विवाद नहीं। यह एक अवसर है, उस तीसरे पक्ष के लिए जो हर प्राचीन पीड़ा को भविष्य के युद्ध का बहाना बनाना बना रहा है।

BRI: रेशमी सपनों की अस्थिर नींव

चीन की Belt and Road Initiative एक 6,000 किमी लंबा महायोग, जो युन्नान से लेकर सिंगापुर तक दक्षिण–पूर्व एशिया की नसों को जोड़ता है। वर्तमान संघर्ष की बुनियाद में कहीं न कहीं गूंजती हुई छाया है।

थाईलैंड का हिस्सा (नोंग खाई एक्सटेंशन) भ्रष्टाचार में उलझा है, जबकि कंबोडिया और लाओस तेजी से बीआरआई के नक्शे पर चमक रहे हैं। में देख रहा हूं कि अमेरिका के लिए यह बेहद असहनीय है। वह नहीं चाहता कि बीजिंग सड़कों, रेल और बंदरगाहों के माध्यम से एक आर्थिक–सांस्कृतिक धुरी बना दे, जो पश्चिम के पुराने मार्गों को अप्रासंगिक कर दे। इसलिए, अराजकता फैलाना, कनेक्टिविटी को जड़ से उखाड़ना, और ASEAN को भीतर से फाड़ डालना अमेरिका की रणनीति बन चुकी है।

कंबोडिया: अगला यूक्रेन?

आश्यान के संगठित होते देशों की हलचल से इशारा मिलता हैं कि जिस तरह यूक्रेन को रूस के खिलाफ एक फॉरवर्ड बेस बनाया गया, उसी तरह कंबोडिया कृ जहां चीन ने रणनीतिक रूप से रियाम नौसैनिक अड्डा विकसित किया है कृ जिसे पश्चिम ष्चीन के खिलाफ एक जालष में बदलने की कोशिया में है।

अमेरिका को थाईलैंड जैसे सहयोगी की जरूरत है क्यों है, पश्चिमी हथियारों तक पहुंच रखता है और वहां एक ऐसा राजा और सैन्य वर्ग है जो प्राचीन गौरव और पश्चिमी पूंजी दोनों का मोह रखता है। इस समीकरण में, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव भड़काना, ताइवान को चीन के खिलाफ उकसाना, और थाईलैंड–कंबोडिया युद्ध को बढ़ाना। सब कुछ एक साझा रणनीति के धागों से जुड़ा है।

अभिजात वर्ग और राजा के आदमी: खेल के भीतर खेल

राजा के भरोसेमंद लोग, जो सिर्फ सीमा पर तैनात कमांडर नहीं, बल्कि एक मानसिकता के वाहक हैं, जो थाईलैंड को ग्लोबल साउथ के उदय से काटकर, पश्चिम की गोद में बिठाना चाहते हैं।

बैंकॉक का अभिजात वर्ग, जो BRI और BRICS के उदय को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। ये वे लोग हैं जो इतिहास से अधिक लाभ में विश्वास करते हैं और मंदिरों के नाम पर युद्ध बेचते हैं, लेकिन लाभ के लिए शांति खरीदते हैं।

असल में कौन है तीसरा पक्ष?

वह कोई एक सरकार नहीं, वह कोई एक सेना नहीं, वह एक गति है जो अराजकता को रणनीति में बदल देती है। CIA, MI6, NATO, तेल अवीव, लंदन सब मिलकर एक ऐसी भू–राजनी. तिक वॉर मशीन बनाते हैं, जो हर हिस्से में एक नया यूक्रेन बनाने के फिराक में है। मंदिर जो शांति का प्रतीक थे, युद्ध के बहाने बन गए। सीमाएं जो इतिहास में उकेरी गई थीं, आज हथियार बन गईं। लेकिन जिसे आप युद्ध समझते हैं, वह किसी और की शांति की योजना है और किसी और की गुलामी की तैयारी। ज्ञात रहे हर क्षेत्रीय युद्ध के पीछे एक वैश्विक ब्लूप्रिंट होता है। हर टकराव के पीछे लाभ का गणित छिपा होता है और हर विरोध में एक ऐसी खामोशी दबी होती है, जो कभी भूगोल से, तो कभी इतिहास से, उभर आती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्व की राजनीतिक मामलों पर गहरी पकड़ रखते हैं, ये विचार उनके निजी विचार हैं)

अपमान के लिए महिलाएं खुद जिम्मेदार

अनिरुद्धाचार्य ने अपने बयान को लेकर उपजे विवाद व हंगामे के बाद एक वीडियो जारी कर यह कहा है कि मेरी कुछ बहनें प्रसारित हो रहे वीडियो से आहत हैं। कहना चाहता हूं कि कुछ लड़कियां ऐसी होती हैं कि लिव इन में रहकर चार जगह मुंह मार के किसी के घर जाएंगी, तो क्या वे किसी रिश्ते को निभा पाएंगी। इसलिए लड़की हो या फिर लड़का दोनों को चरित्रवान होना चाहिए। यह कहकर मुआफी मांग. नी तो क्या उन्होंने अपनी चार जगह मुंह मारने जैसी सड़क छाप भाषा शैली का फिर से इस्तेमाल किया। शायद वे सोच रहे हों कि बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम न होगा? जरा सोचिए कि किरण बेदी व कल्पना चावला के देश में जहां लड़कियां चांद पर पहुंचने की होड़ में लगी हुई हैं। उस देश की महिलाओं को यह अशिक्षित रहकर शिक्षा ग्रहण करने की उम्र में शादी रचाने की सलाह देते हैं।

निर्मल रानी

हमारे देश में अनेकानेक स्वयंभू संत, प्रवचनकर्ता, ज्योतिषी व धर्मगुरु टीवी स्क्रीन की शोभा बढ़ा हैं। ऐसे कई स्वयंभू संत व प्रवचनकर्ता जब कैमरे के सामने प्रकट होते हैं तो उनका साज श्रृंगार, मेकअप उनकी निराली अदाएं सब कुछ देखने लायक होती हैं।

ऐसे ही एक कथावाचक व आध्यात्मिक गुरु कहे जाने वाले अनिरुद्धाचार्य का नाम अक्सर किसी न किसी विवाद को लेकर चर्चा में रहता है। रूपहले पर्दे पर नजर आने का शौक रखने वाले अनिरुद्धाचार्य लाफ्टर शेफ्स में एक अतिथि के रूप में देखे जा चुके हैं। वे बिग बॉस 18 में शो के ग्रैंड प्रीमियर के दौरान अतिथि के रूप में भी शोभायमान हो चुके हैं परन्तु वे अपनी कई टिप्पणियों व अंधविश्वास पूर्ण बातों के लिए विवादों में भी रह चुके हैं। कभी कभी शब्दों को तोड़मरोड़कर पेश करने के लिए भी वे हास्य का पर्याय बन चुके हैं। जैसे उन्होंने बिस्किट को विष–की–किट यानी जहर का पैकेट परिभाषित कर दिया।

तो कभी पीजजा में पड़ने वाले चीज यानि पनीर को गोंद कहकर उसका मजाक उड़ाते सुने गए। एक बार उन्होंने यह भी कहा था कि महिलाओं को पीछे की ओर नहीं सोना चाहिए क्योंकि इससे उनके स्तन अशुद्ध हो जाएंगे। एक बार एक टीवी शो के दौरान उन्हें कुछ तार्किक व वैज्ञानिक सोच रखने वाले कुछ शिक्षित लोगों का सामना करना पड़ा। उस समय टीवी एंकर द्वारा उन्हें उनके प्रवचन का वह अंश याद दिलाया गया जिसमें उन्होंने यह कहा था कि गाय के गोबर में से गेहूं चुनचुन कर निकालकर उस गेहूं का पिसा आटा खाने से पुत्र रत्न प्राप्त होता है परन्तु पिछले दिनों अपने एक तथाकथित प्रवचन में तो अनिरुद्धाचार्य ने महिलाओं का अपमान करने की सभी सीमाएं पार कर दीं। यही महिलाएं जो ऐसे स्वयंभू संतों व प्रवचनकर्ताओं का प्रवचन शुरू होने से पहले सज संवरकर, अपने सिरों पर भारी कलश रखकर शहर में संतों व प्रवचन कर्ताओं की शोभा यात्रा निकाल. कर नगर में इनके प्रवचन में भीड़ जुटाने के लिए माहौल तैय्यार करती हैं। यही महिलाएं जो इनके प्रवचन में कभी तालियां बजाकर तो कभी नृत्य कर कभी अपने दोनों हाथ ऊपर उठाकर झूम झूम कर इनके समागम में समां बांधती हैं। यही महिलाएं जो इनके प्रवचन सुनाने अपने पति व अन्य पड़ोसियों को भी साथ लाती हैं। जो इन्हें दान देती हैं,जो रोज सुबह मंदिरों में सबसे पहले पहुंचती हैं। जो महिलाएं श्रद्धा पूर्वक मंदिरों व आश्रमों में सेवा करती हैं। इन्हें महिलाओं व उनकी पुत्रियों को लेकर जिस तरह के विकार पिछले दिनों अनिरुद्धाचार्य के मुख से निकले उसने न केवल आम लोगों को बल्कि स्वयं इनके भक्तों को भी आश्चर्य चकित कर दिया। जो शब्द उन्होंने महिलाओं के लिए इस्तेमाल किए शायद इससे अधिक घटिया शब्दों का चयन हो भी नहीं सकता है।

उन्होंने अपने एक प्रवचन के दौरान कुंवारी लड़कियों की शादी की उम्र को लेकर अत्यंत विवादित व आपत्तिजनक बयान दे डाला। उन्होंने कहा कि लोग विवाह के लिए लड़की लाते हैं पच्चीस साल की। अब 25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होती है। सब नहीं पर बहुत और वह पच्चीस साल की जब आती है तो पूरी जवान होकर आती है। जब जवान हो कर

आएगी तो स्वाभाविक है कि वह अपनी जवानी कहीं न कहीं वह, उसकी जवानी फिसल जाएगी। साथ ही उन्होंने 14 साल की उम्र में लड़की की शादी को जायज ठहराया। गौरतलब है कि भारत में बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत इस उम्र में शादी अवैध है। इस बयान के बाद तो गोया पूरे देश में भूचाल सा आ गया। मथुरा में भी महिलाएं व अन्य संगठनों ने इनके विरुद्ध प्रदर्शन किया। उनके पुतले फूंके गए। कई जगह से उनके विरुद्ध महिला संगठनों द्वारा एफ आई आर करने की खबरें सुनीं गईं। उधर एक बार फर इस विवादित बयान को लेकर भी टीआरपी की दौड़ में जुटे मीडिया समूहों को मसाला खबरें बेचने की सामग्री हासिल हो गई। महिलाओं के प्रति ऐसी विकृत मानसिकता रखने वाले स्वयंभू संतों की भक्ति में डूबी महिलाएं स्वयं ही जिम्मेदार हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अचानक इतनी फुर्ती में क्यों है डीजीसीए

रजनीश कपूर

जब भी कभी कोई विमान हादसा होता है या होते–होते टल जाता है तो भारत का नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए और एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो ऐसी घटना की जांच करता है। ऐसे मामलों में जांच पूरी होने तक डीजीसीए उस विमान के पायलट व क्रू को ग्राउंड कर देता है यानी उड़ान भरने पर रोक लगा देता है। सवाल है कि क्या डीजीसीए का सिर्फ इतना ही फर्ज है?

सवाल यह भी है कि क्या ऐसी दुर्घटनाओं के बाद की जाने वाली ऐसी जांच में केवल एयरलाइन के स्टाफ की ही गलती क्यों सामने आती है? क्या डीजीसीए के अधिकारियों को हवाई जहाज की नियमित जांच और रख–रखाव की ऑडिट नहीं करनी चाहिए, जो उनका फर्ज है? यदि डीजीसीए द्वारा ऐसे निरीक्षण समय–समय पर होते रहें तो ऐसे हादसे टाले जा सकते हैं। हाल ही में भारत के एविएशन इतिहास में सबसे बड़ा हादसा अहमदाबाद में हुआ।

उसके बाद से ही तमाम जानकारियां सामने आने लगी कि एयर इंडिया के इस विमान हादसे में किसकी गलती हो सकती है। क्या पायलट दोषी हैं? क्या विमान बनाने वाली कंपनी दोषी है? क्या एयर इंडिया के विमान की रख–रखाव करने वाली एजेंसी दोषी है? इन सभी सवालों पर फिलहाल अटकलें ही लगाई जा रही हैं क्योंकि विमान हादसे की जांच अभी चल रही है, लेकिन कहीं पर भी आपको यह सुनने को नहीं मिलेगा कि क्या भारत का नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए अपना काम जिम्मेदारी से कर रहा था? यदि

हां तो फिर ऐसा हादसा कैसे हो गया? यदि नहीं तो क्यों नहीं?

एयर इंडिया के बोइंग विमानों में अचानक एक के बाद एक हादसों का होना एक गंभीर मुद्दा अवश्य है, लेकिन जिस तरह इन हादसों के बाद डीजीसीए अचानक हरकत में आया है वह कई सवाल उठाता है। क्या डीजीसीए द्वारा नियमित रूप से की जाने वाली ऑडिट में कहीं चूक हुई थी? गौरतलब है कि हर विमान, चाहे वो किसी भी एयरलाइन का क्यों ना हो, उसकी नियमित जांच व रख–रखाव करना अनिवार्य होता है। हर उड़ान से पहले विमान का पूरा निरीक्षण किया जाता है। ऐसे निरीक्षण को पहले टेक्नीशियन और उसके बाद इंजीनियर द्वारा किया जाता है।

विमान जो भी कमी पाई जाती है उसे विमान की लॉगबुक में दर्ज किया जाता है। इसके साथ ही विमान में पाई गई कमी को दुरुस्त करने की एंट्री भी इसी लॉगबुक में की जाती है जिसे विमान से संबंधित सभी लोग साइन भी करते हैं। इसमें पायलट, टेक्नीशियन और इंजीनियर शामिल हैं। इतना ही नहीं इस सबके ऊपर इन लॉगबुक्स का डीजीसीए द्वारा नियमित रूप से ऑडिट भी किया जाता है। यदि इसमें कोई कमी होती है तो डीजीसीए द्वारा संबंधित एयरलाइन को नोटिस दिया जाता है।

वहीं यदि किन्हीं कारणों से डीजीसीए द्वारा ऑडिट को केवल औपचारिकता के लिए किया जाए तो अनदेखी के चलते विमान हादसा कभी भी हो सकता है। ऐसा देखा गया है कि जब भी कभी कोई बड़ा विमान हादसा होता है तो डीजीसीए तुरंत हरकत में आकर कड़े ऑडिट करने शुरू कर देता है। इन ऑडिटों में डीजीसीए यह दिखाने की कोशिश करता है कि वह किसी भी तरह की लापरवाही के प्रति शून्य सहनशीलता (जीरो टॉलरेंस) रखता है, लेकिन क्या वास्तव में ऐसा सोचना सही है? यदि डीजीसीए के अधिकारी एयरलाइन की न सुनकर, कानून के हिसाब से हर एयरलाइन का नियमित व विस्तृत ऑडिट करते रहें तो डीजीसीए पर उंगलियां नहीं उठेंगी। पर पता नहीं किस लालच या दबाव में ए जांच नहीं होती।

एविएशन के जानकारों के अनुसार विमान के इंजन में होने वाली कोई खराबी का कारण नियमित रख–रखाव का न होना है। इसके अलावा विमान के स्पेयर पार्ट की गुणवत्ता और पायलट की उचित ट्रेनिंग का न होना भी है। इन घटनाओं के पीछे डीजीसीए के अधिकारियों द्वारा ऐसी कमियों को अनदेखा करना भी एक प्रमुख कारण है। यदि डीजीसीए के अधिकारी केवल इस बात पर जोर न दें कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा तो शायद ऐसी घटनाएं न हों।पिछले दिनों संसद में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए नागरिक उड्डयन मंत्री ने यह बताया कि डीजीसीए के स्वीकृत 1644 पदों में से 823 रिक्त हैं। यानी 50 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त हैं। इनमें से अधिकतर पद तकनीकी हैं। यह वही तकनीकी पद हैं जो विमानों की तकनीकी जांच करने में सक्षम होने चाहिए परंतु डीजीसीए के पास यदि टेक्निकल मैनपावर की कमी है तो वो टेक्निकल ऑडिट किस हद तक कर पाएगा इसका अनुमान कोई भी लगा सकता है। वहीं डीजीसीए के कुछ अधिकारी कुछ चुनिंदा एयरलाइंस, फिर वो चाहे शेड्यूल्ड एयरलाइन हों या नॉन–शेड्यूल एयरलाइन (प्राइवेट चार्टर कंपनी) हों, के साथ अच्छे संबंध बनाए रखता है। ऐसे संबंधों का यह नतीजा होता है कि यदि अच्छे संबंधों वाली एयरलाइन बड़ी से बड़ी गलती क्यों न करे उसे केवल एक चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है और किसी को कानों कान भी खबर नहीं होती। वहीं किसी अन्य एयरलाइन द्वारा कोई मामूली सी गलती भी हो जाए तो उसके खिलाफ कड़े से कड़े नियमों के तहत कार्यवाही की जाती है। क्या डीजीसीए बताएगा कि ऐसे दोहरे मापदंड क्यों अपनाए जाते हैं?

एक अनुमान के तहत आनेवाले दो दशकों में भारत का नागर विमानन ट्रैफिक 5 गुना बढ़ने की संभावना है। यदि कनाडा और न्यूजीलैंड की तरह हमें भी एविएशन के क्षेत्र में एक अच्छी पहचान बनानी है तो डीजीसीए के अधिकारियों को अपने स्वार्थों को दरकिनार करते हुए यात्रियों की सुरक्षा और एयरलाइन कम्पनी के विमानों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। डीजीसीए के एयर सेफ्टी डिपार्टमेंट, फ्लाइट स्टेंडर्ड्स डिपार्टमेंट, एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग व एयरवर्थिनेस डिपार्टमेंट जैसे विभागों को विमानों की जांच के हर पहलू को कड़ाई से लागू करने को गम्भीरता से लेना होगा।

ऐसा करने से एक ओर हवाई यात्रा करने वाले यात्री अपने को सुरक्षित महसूस करेंगे। वहीं दूसरी ओर एयरलाइन कम्पनियों को भी इस बात का खौफ बना रहेगा कि छोटी सी भूल के चलते उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही भी हो सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

तिलमिलाए ट्रम्प ने छह भारतीय कंपनियों पर लगाया बैन

कहा: ईरान से चोरी-छिपे कारोबार किया, ईरान बोला: अमेरिका इकोनॉमी को हथियार की तरह कर रहा इस्तेमाल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान से प्रतिबंधित रसायन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की खरीद करने वाली 24 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें 6 भारतीय कंपनियां भी हैं। इसके अलावा चीन की 7, यूएई की 6, हान्गाकान्ग की 3, तुर्किये और रूस की 1-1 कंपनी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों की घोषणा की।

मंत्रालय का कहना है कि इन कंपनियों ने 2024 में ईरानी मूल के 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा के उत्पाद यूएई के रास्ते मंगवाए। ईरान इस पैसे से न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ा रहा है और आतंकी फंडिंग कर रहा है। ईरान पर 2018 से प्रतिबंध है। ईरान के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल भंडार है। देश की इकोनामी आयल पर काफी ज्यादा निर्भर करती है। ईरान के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल भंडार है। देश की इकोनामी आयल पर काफी ज्यादा निर्भर करती है। ईरान ने इसका जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका अपनी इकोनामी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। दूतावास ने कहा कि अमेरिका, ईरान और भारत जैसे आजाद देशों पर प्रतिबंध लगाकर उनकी प्रगति और विकास को रो. कने की कोशिश कर रहा है। ये प्रतिबंध

कंपनियों ने 2024 में ईरानी मूल के 1000 करोड़ से ज्यादा उत्पाद यूएई के रास्ते मंगवाए

अंतर्राष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं। यह एक तरह का आधुनिक आर्थिक साम्राज्यवाद है। इन नीतियों का विरोध करना मजबूत ग्लोबल साउथ के लिए खड़ा होना है। किन भारतीय कंपनियों पर कार्रवाई हुई-अलके. मिकल साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड-इस पर सबसे बड़ा आरोप है। कंपनी ने जनवरी से दिसम्बर 2024 के बीच 84 मिलियन डालर (करीब 700 करोड़ रुपये) से ज्यादा के ईरानी पेट्रोकेमिकल उत्पाद आयात किए। ग्लोबल इंडस्ट्रियल केमिकल्स लिमिटेड-जुलाई 2024 से जनवरी 2025 तक कंपनी ने 51 मिलियन डालर (करीब 425 करोड़ रुपये) से ज्यादा के ईरानी मेथनाल सहित अन्य उत्पाद खरीदे। ज्यूपिटर डाई केम प्राइवेट लिमिटेड-इसी अवधि में इस कंपनी ने टोल्यून समेत ईरानी उत्पादों का करीब 49 मिलियन डालर का आयात किया। रमणिकलाल एस. गोसालिया एंड कंपनी-इसने करीब 22 मिलियन डालर के पेट्रोकेमिकल्स खरीदे, जिनमें मेथेनाल और टाल्युइन शामिल हैं। पर्सिस्टेंट पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड-अक्टूबर से दिसम्बर 2024 के बीच कंपनी ने 14 मिलियन डालर का ईरानी मेथेनाल आयात किया। कंचन पालिमर्स-इस पर 1.3 मिलियन डालर के ईरानी पालीइथिलीन उत्पाद खरीदने का आरोप है।

हो सकता है, भारत को तेल बेचे पाक: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान के साथ आयल डील होने का ऐलान किया है। इसके तहत पाकिस्तान के तेल भंडारों का विकास करेंगे। साथ ही उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान भविष्य में भारत को तेल बेच सकता है। सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए ट्रम्प ने लिखा कि हमने पाकिस्तान के साथ एक डील फाइनल की है, जिसमें अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर वहां के विशाल तेल भंडारों का विकास करेंगे। एक तेल कंपनी को इस साझेदारी के लिए चुना जाएगा। शायद एक दिन वे भारत को भी तेल बेचें। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कुछ ही घंटे पहले उन्होंने भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। पाकिस्तान की समुद्री सीमा में पिछले साल सितम्बर में तेल और गैस का एक बड़ा भंडार मिला था। पाकिस्तानी मीडिया हाउस डान के मुताबिक, इलाके में एक सहयोगी देश के साथ मिलकर 3 साल तक सर्वे किया गया था। इसमें बाद तेल और गैस रिजर्व की मौजूदगी की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भंडार दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल और गैस का भंडार होगा। फिलहाल वेनेजुएला में तेल का सबसे बड़ा रिजर्व है, जहां 34 लाख बैरल तेल है। वहीं, अमेरिका का सबसे शुद्ध तेल का भंडार है, जिसे अब तक इस्तेमाल नहीं किया गया।

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधीअपनी बहन व पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से बातचीत करते हुए।

सिडनी में लीजियोनेयर्स रोग से एक की मौत, कई बीमार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शहरों में से एक सिडनी के उपनगर पॉट्स पॉइंट में लीजियोनेयर्स रोग से एक व्यक्ति की मौत हो गई है और एक अन्य का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सिडनी स्थानीय स्वास्थ्य जिला (एसईएसएलएचडी) ने गुरुवार को बताया कि सिडनी हार्बर ब्रिज और सिडनी ओपेरा हाउस से दो किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित इस उपनगर के सात लोग मई से लीजियोनेयर्स रोग से संक्रमित हो चुके हैं जिनमें एक बुजुर्ग (80) भी शामिल है। बुजुर्ग व्यक्ति जून के अंत में बीमार हुआ था और उसकी मृत्यु हो गई है। शेष छह लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पांच लोगों को छुट्टी दे दी गई है और एक व्यक्ति ठीक हो रहा है। एसईएसएलएचडी ने कहा कि 45 से 95 वर्ष की आयु के सभी मरीज एक-दूसरे को नहीं जानते थे लेकिन हो सकता है कि वे क्षेत्र में संक्रमण के एक सामान्य स्रोत के संपर्क में आए हों। लीजियोनेयर्स रोग एक गंभीर प्रकार का निमोनिया है जो लीजियोनेला नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह रोग पानी या मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया को सांस के जरिए अंदर लेने से फैलता है, खासकर उन लोगों को जो कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले हैं या धूम्रपान करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन पर रूसी हमलों में छह मरे, 52 घायल

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव पर गुरुवार तड़के रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए और अन्य 52 घायल हो गए। कीव शहर सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर यह जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ितों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। शहर में 27 जगहों पर हमला हुआ। हमले वाली जगहों पर बचाव अभियान जारी है और पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है।

नेपाल में मानसून जनित आपदाओं में 43 लोगों की मौत

काठमांड। नेपाल में इस साल मानसून का मौसम शुरू होने के बाद से बारिश के कारण आई आपदाओं में 43 लोगों की जान जा चुकी है और 116 अन्य घायल हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बुधवार शाम एक रिपोर्ट में कहा कि मानसूनी बारिश से आई 569 आपदाओं के चलते 16 लोग अभी भी लापता हैं।बाढ़ के कारण 15 लोगों की जान गई और सात घायल हुए। बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हुई और 95 घायल जबकि भूस्खलन से 14 लोगों की मौत हुई है।

चीन नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे जापान: बीजिंग

बीजिंग/टोक्यो। चीन ने टोक्यो में दो चीनी नागरिकों की गंभीर रूप से पिटाई की रिपोर्टों पर जापानी पक्ष से चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी उपाय लागू करने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि आज सुबह टोक्यो में चार लोगों ने दो चीनी नागरिकों पर हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन ने इन रिपोर्टों पर ध्यान दिया है।

पकड़े गए सैनिकों को थाईलैंड रिहा करे: कंबोडिया

नोम पेन्ह/बैंकॉक। कंबोडिया ने थाईलैंड से युद्धविराम लागू होने के बाद पकड़े गए 20 कंबोडियाई सैनिकों को रिहा करने का आग्रह किया है। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय अवर सचिव और प्रवक्ता, लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने बुधवार को कहा कि उनके 21 सैनिक, थाईलैंड सेना के कब्जे में थे। इसमें से एक मृत सैनिक का शव मिल गया है।

इमरान खान की पार्टी के 166 सदस्यों को 10 साल जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 166 नेताओं और कार्यकर्ताओं को 10-10 साल की जेल की सजा सुनाई।

यह सजा 9 मई, 2023 को पंजाब प्रांत में आईएसआई बिल्डिंग और अन्य सैन्य ठिकानों पर हमले के मामले में दी गई है। सजा पाने वालों में नेशनल असेंबली और सीनेट में विपक्ष के नेता और कई सांसद शामिल हैं। यह फैसला उस समय आया है जब पीटीआई 5 अगस्त से पूरे देश में इमरान खान को रिहा करो आंदोलन शुरू करने की तैयारी कर रही थी। पीटीआई ने फैसलाबाद की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीएस) के इस फैसले की कड़ी निंदा की है। पार्टी का कहना है कि यह फैसला उनके सांसदों को संसद से अयोग्य घोषित करने और शांतिपूर्ण विरा. ध प्रदर्शन को रोकने की साजिश का हिस्सा है। 9 मई, 2023 को इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में पीटीआई कार्यकर्ताओं ने फैसलाबाद में आईएसआई बिल्डिंग, लाहौर में जिन्ना हाउस (कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचआईक्यू) सहित कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। फैसलाबाद की एटीसी ने आईएसआई बिल्डिंग हमले के मामले में 185 में से 108 लोगों को दोषी ठहराया और 77 को बरी कर दिया।

दो साल पहले ISI बिल्डिंग पर हमले मामले में अदालत ने सुनाया फैसला

कनाडा भी देगा फलस्तीन को मान्यता, ट्रम्प को चढ़ा गुस्सा

प्रधानमंत्री कॉर्नी ने किया ऐलान, सितम्बर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में औपचारिक घोषणा होगी

ओटावा। कनाडा भी फ्रांस और ब्रिटेन की तरह फलस्तीन को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के तौर में मान्यता देगा। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को इसका ऐलान किया। यह मान्यता औपचारिक रूप से सितम्बर 2025 में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजहए) के दौरान दी जाएगी। इसके साथ ही कनाडा, फ्रांस और ब्रिटेन के बाद जी-7 का तीसरा देश बन गया है जिसने हाल ही में फलस्तीन को मान्यता देने का ऐलान किया है।

गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच करीब दो साल से जंग जारी है। वहां में पानी और खाद्य संकट और रिफ्यूजी शिविरों की हमलों से मानवीय संकट गहरा गया है। इसके चलते इजरायल पर लगातार अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। यूएन की इंटीग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज क्लासिफिकेशन की एक नई रिपोर्ट के मुता. बिक गाजा में अकाल से भी बुरी स्थिति है। प्रधानमंत्री कार्नी ने मान्यता के लिए कुछ शर्तें भी रखी हैं। इन्हें फलस्तीन को पूरा करना होगा। अगले वर्ष चुनाव कराना अनिवार्य होगा, जो कि 2006 के बाद पहली बार होगा। चुनाव और शासन में हमास की कोई भागीदारी नहीं होगी। (हमास को आतंकी संगठन माना जाता है)। फलस्तीनी राज्य का डिमिलिटराइजेशन यानी यानी हथियारों और लड़ाकू क्षमताओं से मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा। कार्नी ने कहा कि उन्होंने फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से सीधे बात की है और इन शर्तों पर सहमति मिल गई है। उन्होंने कहा कि गाजा में जो हो रहा है, वह मानवता के खिलाफ अपराध जैसा है। उन्होंने इजरायल पर आरोप लगाया कि वह अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को राहत सामग्री देने नहीं दे रहा, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुता. बिक अब तक 60 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 89 बच्चों सहित 154 लोगों की मौत भुखमरी से हुई है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। कार्नी ने कहा कि गाजा में आम लोगों की पीड़ा अब बर्दाश्त से बाहर है। अब और देर करना, मानवता के साथ अन्याय होगा। कनाडा ने फलस्तीनी अथारिटी को 63 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया है। इससे भविष्य में राज्य का ढांचा तैयार किया जाएगा। साथ ही, कनाडा ने 190 करोड़ रुपये की मानवीय सहायता देने की घोषणा की है।

इजरायल ने कनाडा के फैसले की निंदा की, ब्रिटेन और फ्रांस पहले ही मान्यता देने का ऐलान कर चुके हैं

फलस्तीन पर कनाडा के फैसले से अमेरिका नाराज

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि फलस्तीन को मान्यता देने के कनाडा के फैसले से उसके साथ व्यापार समझौता करना मुश्किल हो जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ पर कहा कि वाह! कनाडा ने अभी घोषणा की है कि वह फलस्तीन को राष्ट्र का दर्जा देने का समर्थन कर रहा है। इससे हमारे लिए उनके साथ व्यापार समझौता करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। ओह कनाडा!!! जुलाई के मध्य में कार्नी ने कहा था कि इस बात के 'बहुत कम प्रमाण' हैं कि अमेरिका के साथ आयात शुल्क पर कोई समझौता हो सकता है। पिछले शुक्रवार को ट्रम्प ने इस वार्ता को लेकर निराशा जाहिर की थी। उधर कनाडा ने कहा कि अगर फलस्तीनी प्राधिकरण चुनाव कराने सहित कुछ बदलाव करने के लिए प्रतिबद्ध होता है, तो वह उसे राष्ट्र के रूप में मान्यता दे देगा।

गाजा में कुपोषण से सात और लोगों की मौत

गाजा संकट पर चर्चा करने के लिए इजरायल की यात्रा पर जाएंगे अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ

दुबई। गाजा पट्टी में पिछले 24 घंटों में कुपोषण से सात और लोगों की मौत हो गई है। फलस्तीनी क्षेत्र में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार मंत्रालय ने बताया कि 2023 में इज़रायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या अब 154 हो गई जिसमें 89 बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र समर्थित वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि गाज़ा में अकाल की सबसे खराब स्थिति वर्तमान में चल रही है। इज़रायल ने कहा है कि वह गाज़ा में आने वाली सहायता पर प्रतिबंध नहीं लगा रहा है, लेकिन उसका ये दावा यूरोप में उसके करीबी सहयोगियों, संयुक्त राष्ट्र और

2023 में इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या अब 154 हो गई है

गाज़ा में सक्रिय अन्य एजेंसियों द्वारा स्वीकार नहीं किया गया हैं। इस बीच अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ गुरुवार को गाजा संकट पर चर्चा करने के लिए इज़रायल की यात्रा पर जाएंगे। एक अलग घटनाक्रम में गाजा अस्पताल के सूत्रों ने बीबीसी को बताया कि बुधवार सुबह दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के सहायता वितरण केंद्र के पास छह फलस्तीनी मारे गए। सूत्रों ने बताया कि भीड़ ने वितरण केंद्र के खुलने से कुछ देर पहले ही उसमें घुसने की कोशिश की थी और एक इज़रायली टैंक ने उन पर हमला कर दिया। जीएचएफ ने आरोपों का खंडन करते हुए बीबीसी को बताया कि उसके केंद्रों पर या उसके आसपास कोई हत्या नहीं हुई। इज़रायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने भी बीबीसी को बताया कि 'प्रारंभिक समीक्षा से पता चलता है कि हताहतों की संख्या आईडीएफ के पास मौजूद जानकारी से मेल नहीं खाती।'

श्रीलंका में रिश्वतखोरी के आरोप में 34 गिरफ्तारी

कोलंबो। श्रीलंका में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच आयोग ने घोषणा की कि 2025 के पहले छह महीनों में रिश्वत मांगने के आरोप में 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीआईएबीओसी के अनुसार आयोग को एक जनवरी से 30 जून 2025 के बीच 3022 शिकायतें मिलीं। इस अवधि के दौरान अधिकारियों ने 27 छापे मारकर 34 लोगों को गिरफ्तार किया। सीआईएबीआ. `सी ने कहा कि संदिग्धों में दस श्रीलंकाई पुलिस अधिकारी, न्याय मंत्रालय के पांच अधिक. ारी, स्वास्थ्य मंत्रालय के दो और श्रीलंका परिवहन बोर्ड के दो अधिकारी शामिल हैं।

रूस में लगातार दूसरे दिन भी आया 6.5 का भूकंप

व्लादिवोस्तोक। रूस में लगातार दूसरे दिन भूंकप आया है। रूस के पूर्वी इलाके में मौजूद कुरिल आईलैंड्स पर गुरुवार सुबह आए इस भूकंप की तीव्रता 6.5 थी। नेशनल सेंटर फार सिस्मोलाजी (एनसीएस) के मुताबिक, यह भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 10:57 पर दर्ज हुआ। इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर थी। इससे पहले बुधवार को कुरिल द्वीपों के पास समुद्र में 8.8 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था।

जो अब तक दर्ज किए गए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में छठे नंबर पर है। हालांकि, इसमें अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। 8.8 तीव्रता के भूकंप के बाद रूस, जापान, चीन और अमेरिका तक सुनामी लहरें पहुंची थीं। रूस में ये लहरें 4 मीटर ऊंची, जबकि अमेरिका में 1 मीटर तक ऊंची थीं। कुरील में कल भी एक 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके अलावा कामचटका में भूकंप के बाद ज्वालामुखी भी फटा। यूएस जियोलाजिकल सर्वे के मुता. बिक, 8.8 तीव्रता वाले मुख्य भूकंप के बाद बीते 16 घंटे में रूस के आसपास 125 से ज्यादा आफ्टरशाक्स आए हैं। इनकी तीव्रता 4.4 या उससे अधिक रही है। इनमें से तीन झटके 6.0 से अधिक तीव्रता के रहे, जिनमें सबसे जोरदार झटका 6.9 तीव्रता का था। यह मुख्य भूकंप के करीब 45 मिनट बाद महसूस हुआ। बुधवार को ही सुबह 11 बजे के करीब मुख्य भूकंप के केंद्र से 200 मील दक्षिण-पश्चिम में 6.4 तीव्रता का एक और आफ्टरशाक आया। बुधवार को आए 8.8 तीव्रता वाले भूकंप के कुछ ही घंटे बाद कामचाटका प्रायद्वीप पर क्लूचेवस्काया सोपका नाम का ज्वालामुखी फटा। पिछले कुछ दिनों से इस ज्वालामुखी में हलचल बढ़ रही थी। रात में इसके क्रेटर से रोशनी निकल रही थी और दिन में यह राख उगल रहा था। बुधवार को इसने करीब 3 किलोमीटर ऊंचाई तक राख का गुबार छोड़ा।

कल कामचटका द्वीप पर 8.8 तीव्रता से धरती कांपी थी, ज्वालामुखी भी फटा

D.A.V. COLLEGE, ARYA SAMAJ ROAD, MUZAFFARNAGAR
SHORT-TERM TENDER NOTICE

Sealed tenders are invited from reputed and experienced Firms/ Suppliers for the supplying of following material for the session 2025-26.

S	Particular of work	Approx Cost (in Lac)	Cost of Tender form	E.M.D.	Completion period
1	Lab Equipments/ Chemical/ Glassware/ Polyware and other consumables	10.00	1,000/-	50,000/-	30 Days from the date of order
2	Furniture	5.00	1,000/-	25,000/-	
3	Library Books	2.00	1,000/-	10,000/-	
4	Printing of College Magazine "VEENAPANI" Session 2024-25	5.00	1,000/-	25,000/-	45 Days from the date of order

NOTE

1. Terms and Conditions are explained in Tender Documents. Description of Items to be purchased mentioned in Tender form.
2. The Tender form can be purchased from **Office Counter No. 03** between 10:30 am to 02:00 pm from 01st August to 7th August - 2025 at the cost of Rs. 1000/- by cash payment.
3. Tenders may be Submitted in **Office Counter No. 03** upto 7th August - 2025 upto 02:00 pm.
4. Tenders will be opened on 12th August 2025 at 02:30 pm in Principal Office.
5. The college reserves all the rights to reject any tender without explaining any reason.

Dated: 30.07.2025 **(Dr. Garima Jain)**

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी0 पी0 टी0 • ऑप्टोमैट्री • ओ0 टी0 टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम

92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0: 8899777782
9897640744
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट